केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा- कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों को मानती है वोट बैंक-12

औद्योगिक उत्पादन दो साल के उच्च स्तर 6.7% पर, विनिर्माण और खनन क्षेत्र का मजबूत प्रदर्शन-12

शांति समझौते को यूक्रेन से वार्ता में प्रगति, कुछ जटिल मुद्दे अभी बाकी-13

भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर, सांत्वना जीत हासिल करना चाहेगा श्रीलंका-14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष दशमी 07:51 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 30 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 310, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हाईकोर्ट की सख्ती से मिला ऑक्सीजन प्लांट को जीवन

विधि संवाददाता, नैनीताल

- कोर्ट ने माना- कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को स्पष्ट करने में हुई है चूक
- व्यापक समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने दिया प्रस्ताव

अमृत विचार: हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद प्रदेश सरकार हरकत में आयी और नैनीताल स्थित बीडी पांडे जिला अस्पताल में ठप पड़े ऑक्सीजन संयंत्र को ऑक्सीजन मिलनी शुरू हो गयी।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दायर जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। सरकार की ओर से कहा गया कि बीडी पांडे जिला अस्पताल में ठप पड़े आक्सीजन संयंत्र को ठीक कर लिया गया है। कहा गया कि पीएमएस की ओर से राज्य सरकार को पत्र भेजने के संदर्भ में जो जानकारी दी गयी है, वह गलत है। राज्य सरकार की ओर से पीएमएस के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने पीएमएस के खिलाफ सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कहा कि राज्य सरकार को कार्रवाई से पहले कोर्ट को सूचित करना चाहिए था। मामले में अदालत आगामी सात जनवरी को अगली सुनवाई करेगी।

मुक्तेश्वर में 100 करोड़ रुपये से तैयार होगा क्लीन प्लांट सेंटर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान और सीएम धामी ने की किसान हित में घोषणाएं
- 88 हजार किसानों को 65.12 करोड़ रुपये की बीमा राशि ट्रांसफर की

अमृत विचार: गौचर (चमोली) में सोमवार को आयोजित राज्यस्तरीय किसान दिवस समारोह में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों से संवाद किया। इस दौरान मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत 88 हजार किसानों को 65.12 करोड़ रुपये की बीमा राशि डीबीटी से ट्रांसफर करने के साथ कई घोषणाएं की गईं।

समारोह में कृषि एवं इससे जुड़े विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को आत्मा योजना के अंतर्गत ''किसान भूषण पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया। रिवर्स पलायन को बढ़ावा देते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार, आत्मनिर्भरता और

किसान सम्मेलन का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व सीएम पुष्कर सिंह धामी।

उल्लेखनीय योगदान देने वाले किसानों एवं किसान समूहों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, पीएमजीएसवाई-4 योजना के अंतर्गत राज्य की 309 बसावटों को जोड़ने के लिए 1228.2 किमी सड़कों के निर्माण के लिए 1706.94 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने के साथ ही 100 करोड़ रुपये की लागत से मुक्तेश्वर में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित करने, घेरबाड़ योजना के लिए 90 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने व कीवी पर उत्तराखंड में सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की घोषणा की गई।

वैज्ञानिकों व अधिकारियों की टीम कृषि रोडमैप करेगी तैयार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। किसान सम्मेलन में उन्होंने हाल ही में केंद्र द्वारा शुरू की गई विकसित भारत-जी राम जी योजना का जिक्र किया। कहा कि मुख्यमंत्री धामी से चर्चा के बाद वैज्ञानिकों व अधिकारियों की टीम उत्तराखंड में कृषि रोडमैप तैयार करेगी। यह टीम प्रगतिशील किसानों, विशेषज्ञों, स्थानीय अधिकारियों से विचार-विमर्श करेगी। इसका उद्देश्य, किसानों की आय तेजी से बढ़ाना है क्योंकि उत्तराखंड किसान आय वृद्धि में नंबर एक है, लेकिन और तेजी से कैसे हम खेती की आय बढ़ा पाएं, यह भी आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखंड के फ्रूट्स में असीम संभावनाएं बताते हुए घोषणा की कि 100 करोड़ की लागत से आईसीएआर-सीआईटीएच मुक्तेश्वर में स्थापित होने वाले क्लीन प्लांट सेंटर में कीवी, सेब, माल्टा, नींबू वर्गीय फलों के लाखों रोगमुक्त पौधे उपलब्ध होंगे, ताकि नर्सरी से खराब पौधों की समस्या न रहे। न्यूजीलैंड के साथ समझौते से कीवी के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनेगा, जिससे बागवानी में उत्तराखंड देश की राजधानी बनेगा। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प 'इंटीग्रेटेड खेती' से छोटे खेतों में फसल, फल, सब्जी, जड़ी-बूटियां, पशुपालन, मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तराखंड में भी मुख्यमंत्री के सहयोग से इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल बनाएंगे। राज्य की दिव्य जड़ी-बूटियों का उत्पादन बढ़ाकर लखपति किसान बनेंगे। इस अवसर पर राज्य के कृषि मंत्री गणेश जोशी भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी बजट पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और क्षेत्र विशेषज्ञों से मंगलवार को मुलाकात करेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश कर सकती हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और भारत के निर्यात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत के भारी शुल्क के बीच यह बजट पेश किया जाएगा। अर्थशास्त्रियों तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञों के अलावा, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम और आयोग के अन्य सदस्य भी बैठक में शामिल होंगे।

अल्प्राजोलम बनाने वाली अवैध फैक्टरी का भंडाफोड़

अहमदाबाद। राजस्थान में पुलिस ने अल्प्राजोलम दवा बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी का भंडाफोड़ किया और 30 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद करने के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गुजरात एटीएस ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने राजस्थान के भिवाड़ी कस्बे के पास एक औद्योगिक क्षेत्र में चिंता और घबराहट संबंधी विकारों के लिए निर्धारित दवा के निर्माण के लिए दवा बनाने वाली एक फैक्टरी किराए पर ली थी।

बहुराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक एनआरआई महिला से 30 लाख रुपये की ठगी सहित साइबर धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया। जांच में डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से ठगी, फर्जी निवेश योजनाओं और कई राज्यों में कई फर्जी खातों के जरिये धनशोधन में शामिल एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसमें करोड़ों रुपये की रकम का लेन-देन हुआ है।

बरकरार रहेगी सेंगर की सजा

उन्नाव दुष्कर्म मामला : सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के सजा निलंबन के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी, जिसमें 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि सेंगर को रिहा नहीं किया जाएगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की एक अवकाशकालीन पीठ सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।

पीठ ने कहा कि इस मामले में कानून से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। कोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर सेंगर को नोटिस भी जारी किया और उससे चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि सामान्यतः जब किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को निचली अदालत

या हाईकोर्ट के आदेश के तहत जमानत पर रिहा किया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति को सुने बिना उस आदेश पर उसके द्वारा रोक नहीं लगाई जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि सेंगर को एक अन्य मामले में भी दोषी ठहराया गया है और उस मामले में वह अब भी हिरासत में है। पीठ ने कहा, मामले की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए हम हाईकोर्ट द्वारा 23 दिसंबर को पारित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हैं। परिणामस्वरूप, प्रतिवादी (सेंगर) को उक्त आदेश के आधार पर रिहा नहीं किया जाएगा। कहा कि इस मामले में उसके विचार के लिए कानून से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न उत्पन्न हुए हैं।

लोक सेवक की व्याख्या पर हम चिंतित : कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालत केवल इस बात को लेकर चिंतित थी कि अगर इस व्याख्या को सही माना गया, तो एक कांस्टेबल या 'पटवारी' जैसे व्यक्ति को ऐसे अपराध को लेकर एक 'लोक सेवक' माना जाएगा, जबकि संसद सदस्य या राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्य इससे मुक्त रह सकते हैं। पीठ ने कहा, ये न्यायाधीश हमारे देश के बेहतरीन न्यायाधीशों में से हैं। उसने कहा, इसमें बहुत ही गहन विश्लेषण किया गया है लेकिन साथ ही, हम सभी गलतियां कर सकते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि पीड़िता को उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अलग से विशेष अनुमति याचिका दायर करने का कानूनी अधिकार है।

लोक सेवक की परिभाषा पॉक्सो अधिनियम में नहीं : सॉलिसिटर मेहता

सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से हाईकोर्ट के आदेश पर यह कहते हुए रोक लगाने का आग्रह किया कि यह एक नाबालिग बच्ची के साथ भयावह दुष्कर्म की एक घटना थी। हम उस बच्ची के प्रति जवाबदेह हैं, जिसकी आयु 15 वर्ष और 10 माह थी। उन्होंने लोक सेवक के पहलू का भी उल्लेख किया और कहा कि संबंधित समय पर सेंगर उस क्षेत्र के एक अत्यंत प्रभावशाली विधायक थे। हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर के अपने आदेश में कहा था कि सेंगर को पॉक्सो कानून की धारा 5(सी) के तहत दोषी ठहराया गया है, लेकिन एक निर्वाचित प्रतिनिधि भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता। मेहता ने कहा कि 'लोक सेवक' की परिभाषा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) अधिनियम में नहीं दी गई है।

हाईकोर्ट के जजों को आदेश के लिए निशाना बनाया जा रहा : हरिहरन

वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन, अन्य वकीलों के साथ, सेंगर की ओर से पेश हुए और हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की सीबीआई की याचिका का विरोध किया। पीठ ने कहा सेंगर के वकीलों द्वारा प्रस्तुत दलीलों में भी दम है और उनका गहन रूप से विचार किया जाना चाहिए। हरिहरन ने हाईकोर्ट के आदेश के लिए न्यायाधीशों को निशाना बनाने के मुद्दे को उठाया और कहा कि लोगों को न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप लगाने से बचना चाहिए। पीठ ने कहा, हम इसे समझते हैं। लोग राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसे लोग भी हैं जो इसका व्यक्तिगत फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। हरिहरन ने कहा कि एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें जजों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। पीठ ने कहा ऐसे लोग भूल रहे हैं कि सेंगर को न्यायपालिका ने ही दोषी ठहराया था।

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

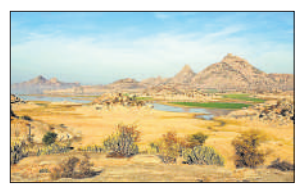

- कोर्ट ने माना- कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को स्पष्ट करने में हुई है चूक
- व्यापक समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने दिया प्रस्ताव

देश भर में पर्यावरणविदों में फैले आक्रोश का जिक्र करते हुए शीर्ष कोर्ट ने अपने 20 नवंबर के फैसले में दिए गए उन निर्देशों को सोमवार को स्थगित रखने का आदेश दिया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था। कोर्ट ने कहा कि कुछ अस्पष्टताओं को दूर करने की आवश्यकता है, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या 100 मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी व न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने इस मुद्दे की व्यापक और समग्र समीक्षा के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल कर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का भी प्रस्ताव रखा। पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि समिति की पिछली रिपोर्ट और फैसले में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को स्पष्ट रूप से स्पष्ट करने में चूक हुई है और अरावली क्षेत्र की पारिस्थितिकी अखंडता को कमजोर करने वाली किसी भी नियामकीय खामी को रोकने के लिए आगे की पड़ताल की सख्त जरूरत है। यह भी निर्देश दिया कि 9 मई, 2024 के आदेश के अनुसार अगले आदेश तक 25 अगस्त 2010 की एफएसआई रिपोर्ट में परिभाषित अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला में खनन के लिए इसकी पूर्व अनुमति के बिना कोई अनुमति नहीं दी जाएगी। पीठ ने कहा, पर्यावरणविदों में काफी आक्रोश देखने को मिला है, जिन्होंने नई स्वीकार की गई परिभाषा व इस न्यायालय के निर्देशों की गलत व्याख्या और अनुचित कार्यान्वयन की संभावना पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

आंध्र प्रदेश में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में लगी आग, दो एसी बोगी जलीं, एक की मौत

विशाखापत्तनम, एजेंसी

- यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रुकवाया

आंध्र प्रदेश में यलमंचिली के पास टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो डिब्बों में आग लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस को आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 45 मिनट पर मिली। प्रभावित डिब्बों में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री सवार थे। आग लगने के बाद यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रुकवाया था।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के विजयवाड़ा मंडल ने बताया कि

आग डिब्बे के विद्युत पैनल वाले हिस्से से नहीं लगी, जैसा कि आमतौर पर होता है, बल्कि यह कपड़ा भंडारण क्षेत्र से शुरू हुई। मामले की जांच की जा रही है। आग लगने की घटना में 70 वर्षीय यात्री चंद्रशेखर सुंदर की मृत्यु हो गई। एससीआर ने कहा कि मृतक के परिजनों को अनुग्रह राशि दी जाएगी।

दक्षिण मध्य सर्कल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) आग लगने की घटना की विस्तृत जांच करेंगे। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त दोनों डिब्बों को ट्रेन से अलग कर दिया गया, जिसके बाद ट्रेन एर्नाकुलम की ओर रवाना हो गई।

प्रदूषण से निपटने को दिल्ली सरकार ने गठित की विशेषज्ञ समिति

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता सोमवार शाम चार बजे बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां एक्यूआई 401 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में माना जाता है। इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता संकट से निपटने के उपाय सुझाने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है। विशेष विशेषज्ञ समिति में 11 सदस्य हैं, जिनमें आईआईटी कानपुर व आईआईटी-दिल्ली जैसे संस्थानों के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

खनन क्षेत्र में सुधार के लिए उत्तराखंड को 200 करोड़ की विशेष सहायता

संवाददाता, देहरादून

- इस सहयोग से तकनीकी सुधार और सतत विकास को नई गति मिलेगी : मुख्यमंत्री

अमृत विचार: भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने उत्तराखंड राज्य को बड़ी आर्थिक सहायता प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत खनन क्षेत्र में सुधार के लिए उत्तराखंड को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता (ऋण) स्वीकृत की गई है।

यह राशि माइनर मिनरल सुधारों तथा स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स से जुड़े सुधार कार्यों को पूरा करने के लिए दी गई है। यह सहायता भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों, उत्तराखंड सरकार के प्रस्ताव और खान मंत्रालय की संस्तुति के आधार पर जारी की गई है। मुख्यमंत्री धामी ने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उत्तराखंड के खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी सुधार और सतत विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस राशि का उपयोग खनन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, पर्यावरण-संवेदनशील और रोजगारोन्मुखी बनाने में करेगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

ऊंची चोटियों पर आज से हिमपात

संवाददाता, नैनीताल

- मैदानी इलाकों में घना होगा कोहरा, यूएस नगर और हरिद्वार में स्कूल बंद

अमृत विचार : दिसंबर के अंत के करीब पहुंचने के बावजूद अब तक सूनी पड़ीं उत्तराखंड की ऊंची चोटियों पर आगामी दिनों में बर्फबारी की संभावना है, जिससे नए साल के जश्न के लिए आने वाले सैलानियों का आनंद दोगुना हो सकता है। वहीं, मौसम विभाग के मैदानी इलाकों में कोहरा घना होने और शीतलहर के चलते ऊधमसिंह नगर में आज और कल जबकि हरिद्वार में आज कक्षा 12 तक के शिक्षण संस्थाना बंद रहेंगे।

आईएमडी के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के बनने से उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिलों में ऊंचाई वाले स्थानों पर मंगलवार से दो जनवरी तक हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। देहरादून मौसम केंद्र के निदेशक डॉ सीएस तोमर ने बताया कि, पश्चिमी विक्षोभ अभी सक्रिय है और तीस दिसंबर से दो जनवरी तक प्रदेश में हल्की बारिश तथा 3200 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फवारी की संभावना है।

इस सीजन में अक्टूबर में बदरीनाथ और केदारनाथ सहित उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई थी लेकिन उसके बाद से मौसम शुष्क ही बना हुआ है। निदेशक डॉ. तोमर ने हालांकि इसे एक सामान्य बात बताया और कहा कि उत्तराखंड में नवंबर और दिसंबर सामान्यतः सबसे शुष्क महीने ही माने जाते हैं।

ला नीना पूर्णरूप से विकसित नहीं हुआ

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, नैनीताल नगर में हिमपात की आस लगाए लोगों को अभी इंतजार करना होगा। यह जरूरी नहीं कि सर्दियों में यहां हिमपात हो भी। इस बार सक्रिय ला नीना के चलते हिमपात की संभावना बनी हुई है, लेकिन यह अभी भी पूर्णरूप से विकसित नहीं हो पाया है जिस कारण बर्फबारी की संभावना का ऊहापोह बरकरार है।

योगी विजन साकार | महाकुंभ के भव्य आयोजन में आये 66 करोड़ से अधिक पर्यटक, 137 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आगमन से बना देश में प्रथम

यूपी बना देश में सर्वाधिक पर्यटकों के आगमन वाला राज्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने 2025 में अभूतपूर्व सफलताएं हासिल की हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों के नवीनीकरण और पर्यटन सुविधाओं के विकास से यूपी घरेलू पर्यटन में देश में प्रथम तथा विदेशी पर्यटन में चौथा स्थान प्राप्त किया है।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में प्रदेश में 137 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ,

प्रयागराज में महाकुंभ में उमड़ी भीड़। (फाइल फोटो)

जबकि 3.66 लाख विदेशी पर्यटकों ने प्रदेश की यात्रा की। इसकी सबसे बड़ी वजह प्रयागराज में आयोजित दिव्य-भव्य महाकुंभ-2025 रहा, जहां रिकॉर्ड 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा अयोध्या, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और श्रावस्ती जैसे स्थल अब देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र बन चुके हैं।

योगी विजन के अनुसार प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक टूरिज्म की नई संभावनाओं का विकास हुआ है, साथ पर्यटन एवं कला, संस्कृति विभाग द्वारा समय-समय पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव, रंगोत्सव, देवदीपावली और माघ मेला जैसे आयोजन देश, विदेश के पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बन गये हैं।

दरअसल, उपेक्षित पड़े पर्यटन स्थलों को सीएम योगी के शासन काल में न केवल पुनर्जीवित किया गया, बल्कि परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और कनेक्टिविटी को मजबूत बनाया। एयरपोर्ट, ट्रेन-बस सेवाओं तथा होटल-होम स्टे की सुविधाओं से विदेशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

37,688.58 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 ने प्रदेश में पर्यटन के बहुआयामी विकास को सुनिश्चित किया। इसके तहत up-tourismportal.in पर 1757 पर्यटन इकाइयों का पंजीकरण हो चुका है, जबकि 37,688.58 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा पर्यटन विभाग ने यूपी के टूरिज्म के प्रचार-प्रसार के लिए ज्यूरिख ट्रेवल मार्ट, ग्लोबल ट्रेवल मार्केट-2025, पेरिस फैशनवीक, जीटीएसी टोक्यो-सिडनी, आईटीबी एशिया, फिटूर-2025 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हिस्सा लिया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,30 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

महिला कांग्रेस ने विस अध्यक्ष का आवास घेरा

देहरादून : महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अंकिता भंडारी मामले पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी के यमुना कॉलोनी स्थित सरकारी आवास को घेरने के लिए कूच किया और यमुना कॉलोनी के मुख्य गेट के सामने धरना दिया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने आरोप लगाया कि, विगत तीन वर्षों मे जितनी भी महिला अपराध की घटनाएं घटित हुई हैं, उनमें भाजपा की नेत्रियां मौन साधे हुए हैं। विस अध्यक्ष को एक महिला होने के नाते अंकिता हत्याकांड पर आए नए मोड़ पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

सनावर प्रकरण में एसआईटी बनी

हरिद्वार : उर्मिला सनावर प्रकरण में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों के शीघ्र और निष्पक्ष निस्तारण के लिए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने सोमवार को विशेष जांच टीम (एसआईजी) का गठन किया। एसआईटी की जिम्मेदारी एसपी सिटी अभय कुमार सिंह को सौंपी गई है। उर्मिला सनावर के खिलाफ कोतवाली ज्वालापुर, कोतवाली रानीपुर, थाना बहादराबाद और थाना झबरेड़ा में चार मुकदमे दर्ज हैं। इन सभी मामलों की अलग-अलग लेकिन समन्वित जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है, ताकि जांच प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध पूरी हो सके। एसआईटी में दो निरीक्षकों सहित सात सदस्यों को शामिल किया गया है।

लापरवाह पुलिस अफसरों पर करें कार्रवाई

जिपं अध्यक्ष चुनाव हिंसा में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में हुई सुनवाई, डीजीपी को निर्देश

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में हिंसा और बवाल के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस महानिदेशक को लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में स्वतः संज्ञान वाली इस जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। अपर पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार अदालत में वर्चुअल माध्यम से पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि इस मामले की जांच सीबीसीआईडी कर रही है। विभिन्न बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। कहा कि पुलिस मुख्यालय से समयबद्ध जांच के निर्देश दिए गए हैं। अधिवक्ता एके रावत की ओर से कहा गया कि सीबीसीआईडी के आईजी अरुण मोहन जोशी को सरकार ने पद से हटा दिया है। सरकार इस मामले में लीपापोती करना चाहती है। हालांकि एडीजीपी कुमार ने कहा कि जल्द ही नयी नियुक्ति की जाएगी और आईजी की निगरानी में जांच की जाएगी। महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर भी जांच की जा रही है और जांच की जिम्मेदारी कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत को सौंपी गयी है। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में जल्द आदेश पारित करेंगे और डीजीपी को निर्देश दिए कि वह इस मामले को देखें और लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करें।

मामले के अनुसार, इसी साल 14 अगस्त को हुए जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के मध्य हिंसक झड़प हो गयी थी। इस दौरान जिला पंचायत के पांच सदस्यों के अपहरण का भी आरोप है। कांग्रेस नेताओं की शिकायत पर हाईकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दायर कर ली थी।

एडी माध्यमिक हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल, अमृत विचार : हाईकोर्ट ने अपात्र विकलांगता प्रमाण पत्रों के जरिये शिक्षा विभाग में आरक्षण का लाभ ले रहे कार्मिकों के प्रमाण पत्रों की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई जारी रखी है। हाईकोर्ट ने अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा कुमाऊं को इस मामले में कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। पिछली सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने विभाग से उन सभी व्यक्तियों की सूची मांगी थी, जिन्हें दिव्यांग कोटे के तहत नियुक्त किया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि शपथ पत्र के साथ नियुक्त व्यक्तियों की विकलांगता का प्रकार और उनके विकलांगता प्रमाणपत्रों की प्रतियां भी अनिवार्य रूप से संलग्न की जाएं। यह जनहित याचिका नेशनल फ़ेडरेशन ऑफ ब्लाइंड की उत्तराखंड शाखा द्वारा दायर की गई है।

सूची में एक से ज्यादा नाम प्रधान चुनाव को चुनौती

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने मांगा राज्य निर्वाचन आयोग से जवाब

अमृत विचार: अल्मोड़ा जिले में ग्राम प्रधान चुनाव में एक से अधिक मतदाता सूचियों में नाम दर्ज होने का मामला सामने आया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में कार्रवाई को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग से वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

मामले को अल्मोड़ा के भिकियासैण तहसील के बुंगीधार गांव की ग्राम प्रधान पद की पराजित प्रत्याशी मोहिनी देवी की ओर से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि कुछ समय पहले हुए ग्राम प्रधान के चुनाव में रमेश चंद्र लखचैरा गलत ढंग से चुनाव जीते हैं। कई मतदाताओं के नाम एक से अधिक मतदाता सूची में दर्ज हैं। वर्ष 2019 में हुए ग्राम प्रधान चुनाव में बुंगीधार की मतदाता सूची में कुल 183 मतदाताओं के नाम शामिल थे लेकिन वर्ष 2025 में यह संख्या लगभग दोगुनी 356 हो गयी। इनमें से 62 मतदाताओं के नाम एक से अधिक मतदाता सूची में शामिल हैं।

प्रतिवादी ग्राम प्रधान का वास्तविक नाम रमेश चंद्र लखचैरा के बजाय रमेश चंद्र है और परिवार रजिस्टर और लखनऊ की गोमतीनगर मतदाता सूची से यह साफ जाहिर हो रहा है। इसके बावजूद निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस मामले में कई जगह शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

ऐतिहासिक परिवर्तन हुए कृषि क्षेत्र में: मुख्यमंत्री

संवाददाता, चमोली

- चमोली में किसान दिवस समारोह में बोले मुख्यमंत्री धामी
- कहा-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आया कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव

अमृत विचार: गौचर में राज्यस्तरीय किसान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसान स्वाभिमान और परिश्रम के प्रतीक हैं, जिनकी समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्राकृतिक खेती, और डिजिटल कृषि जैसी योजनाओं ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है। राज्य के लगभग 9 लाख किसान इन योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उत्तराखंड सरकार किसानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों को तीन लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज उपलब्ध कराया जा रहा है। फार्म मशीनरी बैंक योजना में कृषि उपकरणों पर 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। नहरों से सिंचाई पूरी तरह निःशुल्क की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पॉलीहाउस निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गेहूं पर 20 रुपये प्रति क्विंटल बोनस और गन्ने पर 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी की गई है। इसके अतिरिक्त, एक हजार करोड़ रुपये की उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग परियोजना को स्वीकृति दी गई है। राज्य सरकार ने मंडुवा, कीवी और ड्रैगन फ्रूट जैसे फसलों के प्रोत्साहन के लिए नई नीतियां लागू की हैं, जिन पर 1200 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

कहा कि राज्य में बागवानी और औद्यानिक विकास को बढ़ावा देने को जापान सहायतित 526 करोड़ की उत्तराखंड एकीकृत औद्यानिक विकास परियोजना संचालित है। बागवानी, मशरूम, शहद, चाय एवं सुगंधित फसलों के उत्पादन में राज्य ने उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्त की है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प 2047 को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

नए साल से अब हर माह होगी स्टेट प्रगति बैठक

सचिवालय में योजनाओं की समीक्षा करते मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन। ● अमृत विचार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य सचिव (सीएस) आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में पीएम प्रगति के अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रदेश में पीएम प्रगति की तर्ज पर स्टेट प्रगति शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

सीएस ने कहा कि प्रत्येक माह का एक दिन निर्धारित कर राज्य एवं केंद्र सरकार की फ्लैगशिप एवं अत्यंत महत्त्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा बैठक की जाए। उन्होंने जनवरी, 2026 में स्टेट प्रगति की प्रथम बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। सीएस ने पीएमश्री योजना के अंतर्गत चिन्हित स्कूलों में कम्प्यूटर/सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (आईसीटी लैब), स्मार्ट क्लासेस, लाईब्रेरी आदि की व्यवस्था शीघ्र करने को कहा।

उन्होंने इसके लिए लिए ईएफसी/डीएफसी सहित अन्य कार्यों को मार्च तक पूर्ण कराए जाने के निर्देश देते कहा कि समय से कार्य पूर्ण हो इसके लिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य दिए जाएं एवं नियमित मॉनिटरिंग की जाए। सीएस ने अटल टिंकरिंग लैब की तर्ज पर स्टेट फंड से भी विद्यालयों में टिंकरिंग लैब तैयार करने को कहा। निर्देश दिए कि टिंकरिंग लैब में ऐसे नवाचारी एवं जिज्ञासु प्रवृत्ति के अध्यापकों को तैनात किया जाए, जो बच्चों के भीतर छिपी उनकी प्रतिभा को निखारकर उन्हें नवोन्मेषी बना सकें।

खेल के मैदान की व्यवस्था करें

सीएस ने कहा कि जिन प्राथमिक विद्यालयों में अपना खेल का मैदान उपलब्ध नहीं है, उनके लिए आसपास खेल के मैदान की व्यवस्था की जाए। इसके लिए जिलाधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय राजस्व अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को प्रो-एक्टिव होकर कार्य किए जाने की बात कही। इस अवसर पर सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल एवं अपर सचिव एवं निबंधक सहकारिता मेहरबान सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने से पहले दो और जन सुनवाई होंगी

नैनीताल : सरकार दमुवाढूंगा में देवखड़ी नाले पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई से पहले उन्हें सुनवाई का पर्याप्त मौका देगी और उनका पक्ष सुनने के बाद ही कार्रवाई अमल में लायेगी।

न्यायमित्र अधिवक्ता आदित्य प्रताप सिंह की ओर से यह बात सोमवार को मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की खंडपीठ के समक्ष रखी गयी। खंडपीठ की ओर से देवखड़ी नाले पर अतिक्रमण के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायमित्र अधिवक्ता की ओर से कहा गया कि सरकार अतिक्रमणकारियों को सुनवाई का पर्याप्त मौका दे रही है। जनता का पक्ष जानने के लिए विगत 26 दिसंबर को एक जन सुनवाई हो चुकी है। इसमें 140 अतिक्रमणकारियों में से 102 पीड़ितों की ओर से अपना पक्ष रखा गया। इनमें से कुछ लोगों ने अपना दावा प्रस्तुत करने के लिए और समय की मांग की है। अतिक्रमणकारियों का पक्ष जानने के लिए दो और जन सुनवाई की आवश्यकता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए सात जनवरी की तिथि मुकर्रर कर दी।

मामले के अनुसार, सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत गौनिया के पत्र का संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हल्द्वानी में तीन पानी से काठगोदाम तक सड़क मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने बांटा एंजेल के पिता का दुःख

संवाददाता, देहरादून

राज्य में मिलेगा सुरक्षित वातावरण

अमृत विचार: देहरादून के निजी विश्वविद्यालय में त्रिपुरा के एमबीए के छात्र एंजेल चकमा (24) की हत्या के बाद उपजे आक्रोश के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उसके पिता से फोन पर बातचीत कर आरोपियों को सख्त सजा दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं, सीएम के निर्देश पर दिवंगत छात्र के परिजनों को 4.12 लाख पांच सौ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

सीएम ने एंजेल के पिता तरुण प्रसाद चकमा से फोन पर बातचीत कर इस हत्याकांड पर दुःख व्यक्त करते कहा कि इस घटना से वह व्यक्तिगत तौर पर दुखी हैं और उनके परिवार के दुख को समझ सकते हैं। कहा कि उत्तराखंड में देश-विदेश से बच्चे पढ़ाई करने के लिए आते हैं और यहां कभी इस प्रकार का माहौल नहीं रहा इसलिए यह घटना हम सबके लिए भी कष्टदायक है। कहा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने जानकारी दी कि घटना में पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं जबकि एक अन्य आरोपी के नेपाल भागने की आशंका पर इनाम घोषित करते हुए उसे भी गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के संबंध में उनकी त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी बात हुई है। सीएम ने जोर देकर कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ है। परिवार की सहायता के लिए वह डॉ. साहा से बातचीत करेंगे और उत्तराखंड सरकार भी परिवार की हरसंभव सहायता करेगी। दिवंगत एंजेल के इलाज के दौरान हुए समस्त चिकित्सीय खर्च को उत्तराखंड सरकार वहन करेगी।

सीएम ने कहा कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा उत्तराखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोषियों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के अनुसार कठोरतम दंड दिलाया जाएगा। उत्तराखंड एक शांत, समावेशी और सौहार्दपूर्ण राज्य है और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि देश के प्रत्येक कोने से आने वाले छात्र यहां सुरक्षित महसूस करें। सीएम ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश में अध्ययनरत पूर्वोत्तर सहित सभी बाहरी राज्यों के छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ठोस और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

घातक चोट बनी मौत का कारण

एसएसपी देहरादून अजय सिंह के अनुसार, एंजेल की मौत की वजह स्पष्ट रूप से उसकी रीढ़ की हड्डी एवं सिर में घातक चोट लगना है। इसमें शामिल छह में से पांच आरोपी पकड़े जा चुके हैं जबकि नेपाल के कंचनपुर जिले का यज्ञराज अवस्थी फरार है जिस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया है। पांच में से दो आरोपी नाबालिग हैं जबकि गिरफ़्तार तीन आरोपियों की पहचान फिलहाल देहरादून में रह रहे मणिपुर निवासी सूरज ख्वास (22) अविनाश नेगी (25) व सुमित (25) के रूप में हुई है।

दून विवि के दीक्षांत में छात्राएं अव्वल

देहरादूनः राज्यपाल गुरमीत सिंह ने सोमवार को दून विवि के छठे दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के 42 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। इनमें से 34 पदक प्राप्त कर छात्राएं अव्वल रहीं।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्राप्ति का क्षण नहीं, बल्कि छात्र से जिम्मेदार नागरिक बनने की यात्रा का आरम्भ है। उन्होंने इसे अमृत पीढ़ी के परिश्रम, अनुशासन और संकल्प का उत्सव बताया। इस दीक्षांत की विषयवस्तु एआई पर केंद्रित रही। राज्यपाल ने तकनीक और विशेष रूप से एआई के संदर्भ में कहा कि वर्तमान समय का यह एक सशक्त माध्यम है, जो शिक्षा, अनुसंधान और कार्यशैली को नई दिशा दे रहा है। आईआईटी बॉम्बे के प्रो. गणेश रामकृष्णन ने कहा कि एआई कोई बाधा नहीं, बल्कि अपार संभावनाओं से भरा अवसर है।

घूस प्रकरण में आरोपी बीईओ राठौड़ सस्पेंड

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार में विजिलेंस टीम द्वारा 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किए गए खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) बृजपाल सिंह राठौड़ पर शासन ने कड़ा एक्शन लिया है।

आरोपी अधिकारी को विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की संस्तुति के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। रिश्वत प्रकरण में विजिलेंस द्वारा आरोपी बीईओ को गिरफ्तार कर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसके फलस्वरूप विभागीय स्तर पर की गई जांच के आधार पर शासन स्तर से आरोपी बीईओ के खिलाफ यह कार्यवाही की गई है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि, शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार, अनुशासनहीनता एवं अनियमितताओं के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐसे कृत्यों में लिप्त किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हरिद्वार रिश्वत प्रकरण में आरोपी खंड शिक्षा अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

पानी की मांग को लेकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन

पिथौरागढ़ : मड़मानले क्षेत्र के कुनकटिया, धौलकांडा और दोबांस के ग्रामीणों ने पानी की मांग को लेकर सोमवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। खीमराज जोशी के नेतृत्व में कलक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि तीनों गांवों की पांच हजार से अधिक की आबादी की प्यास बुझाने के लिए वर्ष 1980 में धौरधूरा-कुनकटिया पेयजल योजना का निर्माण किया गया था। देखरेख के अभाव में यह योजना जर्जर हो चुकी है और इससे पानी नहीं मिल रहा है। क्षेत्र के लोग प्राकृतिक जल स्रोतों से जरूरत पूरी करने के लिए मजबूर हैं। इस दौरान दया किशन जोशी, पीतांबर दत्त, गणेश दत्त पांडे, माधवानंद जोशी, प्रकाश जोशी, संतोष कुमार, रमेश दत्त आदि रहे।

ऋषिकेश में 700 लोगों पर केस, छह गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: ऋषिकेश में 2,866 एकड़ आरक्षित वन भूमि लीज प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित जांच समिति की भूमि पैमाइश की कार्रवाई के विरोध में सड़क व रेल मार्ग अवरुद्ध करने तथा पुलिस प्रशासन पर पथराव करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को करीब 700 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

ऋषिकेश के कोतवाल कैलाश चंद भट्ट ने बताया कि शनिवार और रविवार को जांच समिति की कार्रवाई के दौरान विरोध प्रदर्शन कर कानून व्यवस्था को ध्वस्त करने के आरोप में 700 लोगों के खिलाफ मुकदमे में 44 को नामजद किया गया है। इनमें से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

भट्ट ने बताया कि पथराव की घटना में दो पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं जबकि एक वन क्षेत्राधिकारी के साथ उपद्रवी तत्वों ने कथित रूप से गंभीर प्रकृति के अपराध किए। मुकदमे में इसका वीडियो साक्ष्य के रूप में दिया गया है। इस मामले में शीर्ष कोर्ट के 22 दिसंबर को पारित आदेश के क्रम में उत्तराखंड सरकार ने जांच समिति गठित की है जो वन भूमि के सर्वेक्षण की कार्रवाई कर रही है।

खगोलीय घटना

यूरोप व जापान स्पेस एजेंसी का स्पेसक्राफ्ट बताएगा क्षुद्रग्रहों से बचाव के उपाय

क्षुद्रग्रह एपोफिस आज भी दुनियाभर में सुर्खियों में

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुछ वर्ष पहले पृथ्वी के लिए खौफ का प्रयाय बना क्षुद्रग्रह एपोफिस आज भी वैज्ञानिकों के बीच सुर्खियों में बना हुआ है। जब यह पृथ्वी के करीब से गुजरेगा तो इसकी दूरी मात्र 32 हजार किलोमीटर रह जाएगी। इसके धरती से टकराने की आशंका को नासा सिरे से खारिज कर चुका है, लेकिन जापान व यूरोप स्पेस एजेंसी का स्पेसक्राफ्ट लॉन्च कर क्षुद्रग्रहों से बचाव के ठोस उपाय सुझाएगा।

धरती को अनेकों बार घायल कर चुके क्षुद्रग्रहों के निशान पृथ्वी के तमाम हिस्सों में आज भी देखे जा सकते हैं। इधर, हाल के वर्षों में क्षुद्रग्रह एपोफिस जबरदस्त चर्चाओं में रहा है जिसके वर्ष 2029 में पृथ्वी से टकराने की प्रबल आशंका जताई जाने लगी थी। दरअसल, यह क्षुद्रग्रह आकार में बहुत बड़ा होने के कारण खतरा भी बहुत बड़ा नजर आने लगा था। नासा समेत दुनिया की कई अंतरिक्ष एजेंसियां इस पर निरंतर नजर रखे हुए थी और इसके टकराने की संभावना को लेकर खगोलविद इससे निपटने के तरीके भी तलाश चुकी थी जिसके तहत इसकी ऑर्बिट बदलने की तैयारियों को लेकर अंतरिक्ष यान भेजे जाने की योजना थी, जबकि कुछ खगोलविद स्पेस मिसाइल से आसमान में ही टुकड़े कर देने के उपाय सुझा रहे थे। इससे पहले कि कोई कार्रवाई अंजाम तक पहुंचाई जाती, नासा ने इसके टकराने की आशंका को खारिज कर दिया। नासा के अनुसार इसका आकार 375 मीटर चौड़ा है और 13 अप्रैल 2029 को पृथ्वी से 32 हजार किलोमीटर की दूरी से होकर सुरक्षित आगे निकल जाएगा। वर्ष 2004 में इसे पहली बार देखा गया था और तभी से इसकी ऑर्बिट से अंदाजा लग गया था कि यह पृथ्वी से टकरा सकता है। अब इसके टकराने की संभावना नहीं रही तो यूरोपीय स्पेस एजेंसी और जापान स्पेस एजेंसी अंतरिक्ष यान 2028 में लॉन्च करने जा रहे हैं, जो इस क्षुद्रग्रह के करीब जाकर अध्ययन करेगा और इसकी तमाम जानकारियां जुटाएगा। इसे रैपिड एपोफिस मिशन नाम दिया गया है।

बचाव के उपाय तलाशेगा रैपिड एपोफिस मिशन

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं, जिनसे निपटने के तरीके तो कई हैं, लेकिन अभी तक सटीक व पुख्ता उपाय आज तक सामने नहीं आया है। अब एपोफिस हमारे करीब आ रहा है तो यूरोप व जापान का संयुक्त मिशन रैपिड एपोफिस मिशन इस दिशा में ठोस उपाय सामने ला सकता है।

सिटी ब्रीफ

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 120 ने उठाया लाभ

हल्द्वानी : शिव सेना ने भीमताल के रामलीला मैदान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। शिविर में डॉक्टरों की टीम ने घुटनों और हड्डियों की जांच की। मरीजों को उचित परामर्श, खून की जांच, शुगर-बीपी की जांच, एक्सरे और अन्य स्वास्थ्य संबंधी निशुल्क जांचों के साथ ही मरीजों को दवा दी गई। इस दौरान करीब 120 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ सीमा टम्टा, चेयरमैन भीमताल, शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार भईयू, भवाली व्यापार मंडल के अध्यक्ष नरेश पांडे, सभासद रामपाल गंगोला, भीमताल व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सौरभ रौतेला, शिव सेना जिलाध्यक्ष त्रिलोक सिंह और हरीश पांडे ने किया।

एचसीसी को 60 रनों से हराया

हल्द्वानी : जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का उद्घाटन मुकाबला जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में एचसीसी और जीएनजी क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। इस मुकाबले में जीएनजी क्रिकेट क्लब ने 60 रनों से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जीएनजी क्रिकेट क्लब की टीम 39वें ओवर में 210 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीसी की टीम दबाव में नजर आई और 27वें ओवर में 150 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए लक्ष्य राय चंदानी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला मैच आज (मंगलवार) को 9 बजे जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में डीके स्पोर्ट्स और जीएनजी क्रिकेट क्लब के बीच होगा।

पुलिया को ऊंचा न करने से लोग परेशान

हल्द्वानी : शहर से लगे कठघरिया स्थित रामड़ी जसुवा गांव में सरस्वती विहार को जाने वाले मार्ग की पुलिया काफी नीची होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कालोनी वासियों ने शीघ्र पुलिया को ऊंचा करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सालों पहले बनी इस पुलिया के नीचे पेयजल पाइप होने से सिंचाई गूल में कूड़ा फंस जाता है और गूल ओवरफ्लो होने से गूल का पानी सड़क और लोगों के घरों में घुस जाता है। इस स्थान पर सड़क काफी ऊंची हो जाने से कालोनी को आने जाने वाले वाहनों के भी हादसे का शिकार होने का खतरा बना हुआ है।

छड़ायल प्रेमपुर लोश्ज्ञानी से मेरीगोल्ड बैंक्वेट हॉल तक बनाया जाएगा आरसीसी नाला

20 करोड़ से बनेगा नाला, जलभराव से राहत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि 20 करोड़ की लागत से छड़ायल प्रेमपुर लोश्ज्ञानी से मेरीगोल्ड बैंक्वेट हॉल तक आधुनिक आरसीसी नाले का निर्माण किया जाएगा। इस निर्माण से बारिश के पानी नाले से सुचारु निकासी होगी। इससे जलभराव की समस्या समाप्त होगी और सड़कों में गड्ढे व क्षतिग्रस्त भी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य बरसात के मौसम में उत्पन्न होने वाली जलभराव की गंभीर समस्या, क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति तथा यातायात अव्यवस्था का स्थायी समाधान करना है। वर्तमान में प्रभावी जल निकासी व्यवस्था की कमी से बारिश में सड़कें एवं आसपास की कॉलोनियां जलमग्न हो जाती हैं, जिससे आमजन को भारी असुविधा एवं कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने फिर कहा कि प्रेमपुर लोश्ज्ञानी से बिरला स्कूल तक बह रही नहर को कवर कर उसके ऊपर सड़क निर्माण एवं नहर कवरिंग की जाएगी। इससे सड़क की चौड़ाई बढ़ेगी तथा क्षेत्र में आवागमन अधिक सुरक्षित, सरल एवं सुगम बनेगा। वर्तमान में संकरी सड़क एवं खुली नहर के कारण बनी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहा है। जब नहर कवरिंग हो जाएगी तो यह खतरा भी कम होगा। इस प्रोजेक्ट का सीधा लाभ राजा रानी विहार सहित आसपास की कई कॉलोनियों को मिलेगा, जहां वर्षों से बरसात के समय घरों, सड़कों एवं गलियों में जलभराव एक गंभीर समस्या बना हुई थी। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों को इन समस्याओं से राहत प्राप्त होगी।

यह परियोजना क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा समग्र विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर जल निकासी व्यवस्था, मजबूत सड़कें एवं सुचारु यातायात न केवल क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाएंगे बल्कि पूरे क्षेत्र को सुव्यवस्थित, विकसित एवं आधुनिक स्वरूप देंगे। यह विकास कार्य क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

बारापत्थर क्षेत्र में हुई दो वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत, छह घायल

संवाददाता, नैनीताल

सड़क हादसे में घायल यात्री।

अमृत विचार: शहर के बारापत्थर क्षेत्र में सोमवार को एक टैक्सी वाहन और पर्यटक वाहन की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में टैक्सी चालक समेत कुल छह लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को उपचार के लिए बीडी पांडे जिला चिकित्सालय ले जाया गया।

कालाढूंगी निवासी तयैब हुसैन सोमवार को टैक्सी वाहन से सवारियां लेकर नैनीताल की ओर आ रहे थे। जैसे ही उनका वाहन बारापत्थर से कुछ पीछे पहुंचा, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार अचानक रॉन्ग साइड में आ गई और टैक्सी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैक्सी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में टैक्सी चालक तयैब हुसैन, काशीपुर निवासी सुरजीत सिंह, मुरादाबाद निवासी मनीष कुमार, कोटाबाग निवासी मंगल सिंह, कोटाबाग निवासी बहादुर सिंह और मुरादाबाद निवासी अरशान घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की मदद से घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला गया और बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया, जबकि गंभीर रूप से घायल मंगल सिंह को भर्ती किया गया है। अन्य घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि दुर्घटना के बाद फार्चुनर कार चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

सरकारी काम निपटाते मिले प्राइवेट कर्मी

डीएम ने तहसील में मारा छापा तो राजस्व रिकॉर्ड रूम में पकड़े गए दोनों, यहां रखे जाते हैं सरकारी अभिलेख

- जिलाधिकारी ने एडीएम विवेक राय को सौंपी मामले की जांच
- 3 सप्ताह में जांच पूरी कर देनी होगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

तहसील के औचक निरीक्षक में तहसीलदार और आरके से जानकारी लेते और राजस्व रिकॉर्ड रूम में काम करते मिले प्राइवेट कर्मियों से पूछताछ करते डीएम ललित मोहन रयाल।

अमृत विचार : डीएम ललित मोहन रयाल ने तहसील में छापेमारी की और राजस्व रिकॉर्ड रूम में सरकारी कामकाज करते दो ''प्राइवेट कर्मी'' को पकड़ा। हैरानी की बात यह है कि उस समय कोई भी सरकारी कर्मी मौजूद नहीं था। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मी व अधिकारी को जमकर लताड़ा। साथ ही एडीएम वित्त एवं राजस्व को जांच कर तीन सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

डीएम रयाल ने सोमवार की सुबह अचानक तहसील पहुंचें। वह राजस्व रिकॉर्ड रूम में पहुंचें। इसमें तहसीलदार, नायाब तहसीलदार कोर्ट एवं दफ्तर संबंधी भूराजस्व के दस्तावेज का गोदाम है। इस रूम में हिमांशु पांडे व उमेश पांडे नाम के दो प्राइवेट व्यक्ति काम करते मिले। ये भूराजस्व संबंधित न्यायालयीन फाइलों पर आम नागरिकों से पब्लिक डीलिंग करते हुए रूम पर कब्जा किए हुए थे। हैरानी की बात तो यह है कि उस समय रिकॉर्ड रूम में कोई भी अधिकृत सरकारी कर्मचारी भी मौजूद नहीं था। ऐसे में कोर्ट संबंधी दस्तावेज अनधिकृत व्यक्तियों की पहुंच में पाए गए। इस पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारी-कर्मी की जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि यह घटना न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली के लिहाज से गंभीर अनियमितता, सरकारी अभिलेखों की सुरक्षा में चूक, न्यायालयीन प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप का स्पष्ट संकेत देती है।

डीएम ने इस प्रकरण में एडीएम वित्त एवं राजस्व विवेक राय को इस प्रकरण की विस्तृत, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि जांच के दौरान आवश्यक होने पर संबंधित अभिलेखों को सुरक्षित रखा जाए। संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जाएं। इस प्रकरण में यदि प्रथम दृष्टया आपराधिक कृत्य सामने आता है तो उसका स्पष्ट उल्लेख जांच रिपोर्ट में किया जाए। उन्हें तीन सप्ताह में जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

इन बिंदुओं पर करनी होगी जांच

- दोनों प्राइवेट व्यक्तियों की पहचान, पृष्ठभूमि एवं न्यायालयीय फाइलों के रिकॉर्ड रूम में उपस्थिति का आधार
- वे किस अधिकार, अनुमति अथवा संरक्षण के अंतर्गत इस कक्ष में पाए गए
- भू-राजस्व संबंधित किन-किन फाइलों/प्रकरणों पर उन्होंने पब्लिक डीलिंग की है
- संबंधित कक्ष एवं अभिलेखों तक उनकी पहुंच कैसे सुनिश्चित हुई
- तत्समय किसी भी सरकारी अधिकारी/कर्मचारी की अनुपस्थिति के कारण एवं उत्तरदायित्व
- क्या किसी अधिकारी/कर्मचारी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें कार्य करने की अनुमति दी
- क्या इस अनधिकृत डीलिंग से किसी पक्ष को अनुचित लाभ अथवा अन्य को हानि हुई
- सरकारी अभिलेखों की सुरक्षा, गोपनीयता एवं न्यायालयीन मर्यादा के उल्लंघन के तथ्य
- प्रकरण में दंडात्मक/विभागीय/आपराधिक कार्यवाही की आवश्यकता।

जैविक खेती को बढ़ावा दें क्षेत्र के किसान : डीएम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद के सभी ब्लॉकों में किसान दिवस आयोजित हुआ। इसमें सरकारी अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं और योजनाओं की जानकारी दी।

डीएम ललित मोहन रयाल ने सोमवार को भीमताल स्थित विकास भवन सभागार में किसान दिवस में हिस्सा लिया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना तो विभिन्न विभागों ने किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्रों को लाभान्वित किया। डीएम ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की किसानों के हित में संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समय पर पहुंचना चाहिए। किसान कभी हार नहीं मानता,वह हमेशा मेहनत करता है। किसानों को नई तकनीकी एवं उन्नतशील खेती के लिए निरंतर सहयोग दें। डीएम ने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि पशुपालकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिया जाए। बीमार पशुओं का त्वरित उपचार हो और पशुओं को निरोग रखा जाए। कृषि विभाग को उन्नत कृषि यंत्रों के साथ-साथ फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक लाभ किसानों तक पहुंचाया जाए। मृदा परीक्षण को जरूरी बताते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की चूक न हो,प्रत्येक किसान की भूमि की मृदा परीक्षण अवश्य कराया जाए।

डीएम ने उद्यान विभाग को निर्देश दिए कि किसानों को अच्छी प्रजाति के फल पौध उपलब्ध कराए जाएं, जिससे सरकारी संस्थानों पर किसानों का भरोसा बना रहे। सिंचाई विभाग को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने को कहा गया। हर फसल का अपना ऋतु चक्र होता है, इसलिए किसानों को बीज, पौध एवं खाद समय पर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से कहा कि बाजार में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भीमताल के ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने कहा कि पॉलीहाउस, कृषि बीज, उपकरण एवं रसायन समय पर किसानों को उपलब्ध कराने से उनकी आय में वृद्धि होगी। इस अवसर पर विभिन्न प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान उमेश पलड़िया, रितु टमटा, प्रेमा राणा आदि मौजूद रहे।

चहक उठे चेहरे... जब पुलिस ने लोगों को लौटाए खोए मोबाइल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बरामद मोबाइलों को उनके मालिकों को सौंपते एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी।

अमृत विचार : गाढ़ी मेहनत की कमाई से मोबाइल खरीदा और एक दिन खो गया, लेकिन जब ऐसे ही खोए मोबाइल उनके मालिकों को वापस मिले तो चेहरे खिल उठे। पहली बार पुलिस ने आईफोन भी बरामद किया है। पुलिस ने करीब 33 लाख कीमत के 206 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

सोमवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने खुद मोबाइल मालिकों को उनके सुपुर्द किए। मोबाइल मालिकों ने इसके लिए नैनीताल पुलिस का धन्यवाद किया। एसएसपी ने बताया कि जिले में तकरीबन 12 सौ मोबाइल फोन की तलाश की जा रही है और हमारी टीम ने लगभग 25 प्रतिशत यानी 206 मोबाइल बरामद कर लिए हैं। नवम्बर से दिसम्बर तक पुलिस मोबाइल ऐप तथा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन गुम होने की सूचना मिली थी। टीम ने उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से 206 मोबाइल फोन जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 33,46,200 रुपये है, बरामद कर मोबाइल स्वामियों के सुपुर्द किए गए। इस दौरान एसपी सिटी मनोज कत्याल और सीओ सिटी अमित कुमार सैनी मौजूद रहे।

कार की टक्कर से मासूम पर्यटक हुआ चोटिल

नैनीताल : तल्लीताल क्षेत्र में कार की चपेट में आने से एक पर्यटक का चार वर्षीय बच्चा चोटिल हो गया। बच्चे को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। लेकिन राहगीरों ने कार चालक को पीट दिया।

जानकारी के अनुसार अलीगढ़ से नैनीताल घूमने पहुंचे पर्यटक सोमवार की सुबह तल्लीताल में टहल रहे थे। इस दौरान उनके हाथ से बच्चे का हाथ छूटा तो वह सड़क की ओर दौड़ गया और एक कार से जा टकराया। कार की टक्कर से बच्चा जमीन में गिरकर चोटिल हो गया। इस दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई और राहगीरों ने कार चालक पर्यटक को पीट दिया। आनन-फानन में बच्चे को बीडी पांडे अस्पताल ले जाया गया। बीडी पांडे अस्पताल के डॉ. अनिरुद्ध गंगोला ने बताया कि अलीगढ़ निवासी चार वर्षीय शिवांश के पैर में चोट है। एक्सरे में फ्रेक्चर नहीं आया है।

अंधेरे में तीर चला रही है पुलिस 10 दिन बाद भी चोरों का पता नहीं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- राधिका ज्वैलर्स में हुई चोरी के आरोपी अब भी पकड़ से बाहर
- पुलिस का दावा, चोरों की तलाश में लगी हैं एसओजी समेत कई टीमें

अमृत विचार : मुखानी थानाक्षेत्र के राधिका ज्वैलर्स में हुई सवा करोड़ की चोरी के मामले में पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है। पुलिस का दावा तो है कि चोरों की तलाश में एसओजी समेत पुलिस की कई टीमें लगी हैं, लेकिन इसका नतीजा फिलहाल शून्य है। जबकि एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने चोरों को पकड़ने के लिए एसआईटी तक गठित की है। चोरी की घटना को 10 दिन गुजर चुके हैं और ऐसा कोई ठोस सुबूत पुलिस को नहीं मिला है, जिसके जरिये वो चोरों तक पहुंच पाए।

कुसुमखेड़ा स्थित राधिका ज्वैलर्स में सेंधमारी की ये घटना बीती 19 दिसंबर को हुई थी। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए षड्यंत्र के तहत राधिका ज्वैलर्स के ठीक बगल में दुकान किराए पर ली। दुकान में तैयारियों की आड़ में शातिरों ने ज्वैलरी शॉप की ओर की दीवार को काट दिया और करीब सवा करोड़ कीमत के सोने और चांदी से बने जेवर उड़ा दिए। चोर 25 हजार की नगदी भी ले गए थे।

इस वारदात का पता लोगों और पुलिस को 21 दिसंबर को चला और तब चोर नैनीताल जिले की सरहद लांघ चुके थे। बताया तो यहां तक जाता है कि सेंधमारी का मुख्य आरोपी जनक राज जोशी नेपाली मूल का है और वह चोरी के माल समेत नेपाल भाग गया है। बीते 19 दिसंबर की रात कुसुमखेड़ा में कारोबारी नवनीत शर्मा के शोरूम से सोने-चांदी के गहने और नगदी चोरी हो गई थी। बगल की दुकान से दीवार काटकर वारदात को अंजाम दिया गया था। पीड़ित कारोबारी ने बगल की दुकान किराये पर लेने वाले व्यक्ति और उनके यहां देर रात तक फर्नीचर का काम कर रहे लोगों पर शक जताया है, जो घटना के बाद से फरार हैं। एसपी सिटी मनोज कत्याल के मुताबिक पुलिस कई राज्यों में दबिश दे रही है। लीड नहीं मिल पा रही है। हालांकि जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने तीन से चार आरोपियों को पकड़ा है जो चोरी की गैंग के सदस्य हैं।

शाहजहांपुर से लापता हुई महिला परिजनों को सौंपी

हल्द्वानी: शाहजहांपुर से गुमशुदा मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को चोरगलिया पुलिस ने बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। परिजन महिला को मानसिक रूप से अस्वस्थ बता रहे हैं। जबकि महिला को न सिर्फ अपने पति का नाम पता था, बल्कि उसका मोबाइल नंबर भी वो जानती थी।

चोरगलिया थानाध्यक्ष हरपाल सिंह ने बताया कि पुलिस को एक महिला के घूमने की सूचना रविवार को मिली थी। पुलिस महिला को थाने ले आई। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मुन्नी देवी निवासी शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश बताया। पति का नाम बताने के साथ ही मोबाइल नंबर की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने घटनाक्रम को लेकर परिवार के लोगों से पूछताछ की। परिजनों ने बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

परेशानी

आदेश कागजों तक सीमित, यूपीसीएल के आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं मिल रहे अधिकार

यूपीसीएल में निदेशक के आदेशों की हो रही अनदेखी

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में यूपीसीएल आउटसोर्स कर्मचारियों के मुद्दों को लेकर बैठक करते संगठन से जुड़े कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) में कार्यरत हजारों आउटसोर्स कर्मचारी के अधिकारों की अनदेखी से परेशान है। आरोप है कि निगम के क्षेत्रीय और मंडलीय अधिकारी निदेशक (परिचालन) और उच्च अधिकारियों की ओर से जारी लिखित आदेशों को लागू करने में उदासीनता बरत रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है।

उत्तराखंड ऊर्जा आउटसोर्स श्रम संगठन के अनुसार, न्यूनतम मजदूरी, समय पर पूर्ण वेतन भुगतान, ईपीएफ-ईएसआई, बोनस (पेमेंट ऑफ बोनस एक्ट, 1965) और प्रोत्साहन राशि जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए बार-बार शिकायतें, ज्ञापन और पत्राचार करने के बावजूद किसी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन के लोगों का कहना है कि आज भी अधिकांश आउटसोर्स कर्मचारियों को न तो पूरा वेतन समय पर मिल रहा है और न ही वैधानिक लाभ दिए जा रहे हैं। कहा कि यूपीसीएल प्रबंधन ने 2 अक्टूबर और 3 नवंबर को स्पष्ट लिखित आदेश जारी किए थे, जिनमें कर्मचारियों को समय पर पूर्ण वेतन सुनिश्चित करने, ठेकेदारों की ओर से ईपीएफ व ईएसआई जमा कराने और न्यूनतम मजदूरी कानून का पालन करने के निर्देश शामिल थे। बावजूद इसके, क्षेत्रीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण आदेश केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2025 के लिए पेमेंट ऑफ बोनस एक्ट, 1965 के तहत बोनस भुगतान अनिवार्य होने के बावजूद अधिकांश आउटसोर्स कर्मचारियों को अब तक बोनस नहीं मिला है और न ही प्रक्रिया शुरू की गई है। उत्तराखंड ऊर्जा आउटसोर्स श्रम संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निदेशक स्तर के आदेशों का तुरंत अनुपालन, दोषी ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई और कर्मचारियों के सभी वैधानिक अधिकार लागू नहीं किए गए, तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा। बैठक में पान सिंह चिलवाल सचिव उत्तराखण्ड ऊर्जा आउटसोर्स श्रम संगठन, उमेश बिनवाल, रविंद्र सिंह, चंदन बिष्ट और जीवन चिलवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अपहरण व लूटकांड का खुलासा

संवाददाता, रामनगर

पुलिस हिरासत में लूटकांड के आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: युवक के अपहरण, मारपीट व लूट के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा, घटना में प्रयुक्त बाइक और लूटा सामान बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि बीते 26 दिसंबर को शुभम कश्यप पुत्र दलीप राम, निवासी भवानीगंज, छोटी नहर के पास, तहसील रामनगर ने थाना रामनगर में तहरीर देकर बताया कि समीर खान ने उसे जबरन अपनी बाइक पर बैठाया और अपहरण कर ले गया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने तमंचा उसकी कनपटी पर रखकर उसकी जेब में रखा पर्स छीन लिया, जिसमें नगद रुपये और जरूरी कागजात थे।, मामले में थाना रामनगर में एफआईआर दर्ज की गई। एसएसपी के निर्देश पर एएसपी हल्द्वानी और सीओ के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर की सूचना पर रामनगर क्षेत्र में निगम के पास बंद पड़ी आरा मशीन के खंडहर से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान समीर खान (21 वर्ष), ईशान खान उर्फ पव्वा (20 वर्ष) और रिहान अल्वी (20 वर्ष), सभी निवासी रामनगर के रूप में हुई है। उनकी निशानदेही पर समीर खान के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और बुलेट बाइक बरामद की गई, वहीं ईशान खान उर्फ पव्वा के पास से वादी का लूटा काले रंग का पर्स बरामद हुआ। रिहान अल्वी के कब्जे से पीड़ित का आधार कार्ड भी बरामद किया गया।

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

बीडी पांडे अस्पताल में मरीजों की बढ़ी भीड़

नैनीताल : बीडी पांडे जिला अस्पताल में सोमवार सुबह से ही मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। अस्पताल में विशेष रूप से सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि मौसम में बदलाव और ठंड बढ़ने के कारण वायरल संक्रमण के मामलों में इजाफा हो रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतें। मौसम के अनुसार गर्म कपड़े पहनें, गर्म पानी का सेवन करें, ताजा व गरम भोजन लें तथा ठंडी चीजों से परहेज करें। शुरुआती लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

ठंड के चलते अलाव व कंबल वितरण के निर्देश

नैनीताल : जिले में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सभी उप जिलाधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रैनबसेरों में ठहरने वाले लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंद और गरीब लोगों को कंबल वितरित करने के भी आदेश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शीतलहर के कारण किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो, इसके लिए निरंतर निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठंड से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता हो।

प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन 7 जनवरी को

रामनगर : दसवें सिख गुरु साहिब श्री गुरु गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व (अवतार पर्व) के अवसर पर नगर में भव्य नगर कीर्तन (शोभायात्रा) का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ किया जा रहा है। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पीरूमदारा से आगामी 7 जनवरी यानी (बुधवार) को सुबह 10 बजे नगर कीर्तन का शुभारंभ होगा। शोभायात्रा टाड़ा, चिल्किया, शिवलालपुर पाण्डे, भवानीगंज चौराहा, नन्दा लाइन, एसबीआई चौराहा, कोसी रोड, रानीखेत रोड, जसपुरिया लाइन एवं बजाजा लाइन होते हुए शाम 5 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रामनगर में संपन्न होगी। नगर कीर्तन के दौरान गतका, कीर्तन, शब्द-कीर्तन तथा गुरु साहिब के जीवन और संदेशों से जुड़ी झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन समिति ने एसडीएम व पालिका प्रशासन से 7 जनवरी को पुरानी तहसील की पार्किंग को अस्थायी रूप से खाली कराने की अपील की है।

सिकाई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में उत्तराखंड का शानदार प्रदर्शन, अकेले भीमताल के खिलाड़ियों ने जीते 32 पदक

90 पदक जीतकर चौथी बार ओवरऑल चैंपियन बना उत्तराखंड

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: 27 से 28 दिसंबर तक मेहरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, हल्द्वानी में आयोजित 19वीं यूनिवर्सल चैलेंज ट्रॉफी सिकाई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2025 में उत्तराखंड राज्य कराटे टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तराखंड के कराटे खिलाड़ियों ने कुल 90 पदक जीतकर लगातार चौथी बार ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सिकाई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप के विजयी प्रतिभागी। ● अमृत विचार

प्रतियोगिता में देश के 11 से अधिक राज्यों से लगभग 400 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया, जबकि करीब 50 रेफरी एवं जज प्रतियोगिता में शामिल रहे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उत्तर प्रदेश ने दूसरा तथा पंजाब ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सिकाई इंडिया के अध्यक्ष हैंशी नरेंद्र चौहान ने उत्तराखंड के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। प्रतियोगिता में औरो मार्शल आर्ट्स, भीमताल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 पदक अर्जित किए, जिससे उत्तराखंड की पदक तालिका को शीर्ष स्थान पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। प्रतियोगिता में कांता एवं कुमीते दोनों इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आरोह कुलेठा, गजेंद्र बिश्नोई, जयंत भगवाल, प्रियल एवं आवंतिका चंद्रा ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते।

वहीं ईशिका आर्या, सेजल, लकुलिश दीप जोशी, सिद्धार्थ बेलवाल एवं लक्षिता बेलवाल ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक अपने नाम किया। रुद्र प्रताप, नवनीत बोरा, विहान दत्ता, राखी रावत एवं अथर्व आर्या ने एक-एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त जिगर जांगड़ा, मानवी राणा, आरव खोलिया एवं कुणाल शाह ने एक-एक रजत पदक, जबकि अहाना किशोर ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने पर विजेता खिलाड़ियों एवं कोच सिहान हिमांशु कुलेठा एवं सेंसाई अनीता बोरा को नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र चनौतिया सहित शहर के अन्य लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

व्यवसायी का युवकों पर मारपीट का आरोप

नैनीताल: मल्लीताल में बेल्ट खरीदने के दौरान पर्यटक व दुकानदार के बीच विवाद का मामला सामने आया है। दुकानदार ने पर्यटक पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है।

मल्लीताल आवागढ़ कंपाउंड निवासी नावेद अली ने कोतवाली में शिकायती पत्र देते हुए कहा है कि वह सुबह साढ़े 11 बजे अपनी दुकान पर था। दो लोग उसकी दुकान में आकर बेल्ट देखने लगे। दाम बताने पर वह भड़क गए। विरोध जताने पर वह गाली गलौज पर उतर आए और मारपीट करने लगे, जिसमें उसके चेहरे और पैर में चोट आई है। आरोपी दुकान से सामान चुराकर भाग गए। दोनो युवकों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

ट्रांसपोर्टरों का 10 टायरा वाहनों के विरोध में वन विभाग में प्रदर्शन

खनन से जुड़े ट्रांसपोर्टरों ने इन वाहनों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सोमवार को खनन कारोबार से जुड़े सैकड़ों वाहन स्वामी और ट्रांसपोर्टर तराई पश्चिमी वन प्रभाग कार्यालय पहुंचे और कोसी नदी में 10 टायरा वाहनों को अनुमति दिए जाने का कड़ा विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य को ज्ञापन सौंपते हुए इस व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

डीएफओ कार्यालय में प्रदर्शन करते खनन ट्रांसपोर्टर। ● अमृत विचार

ज्ञापन में ट्रांसपोर्टरों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जुड़वा क्षेत्र में कीमती पेड़ों का अवैध कटान कर नया रास्ता बनाया गया है, जो पूरी तरह नियमों के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस अवैध रास्ते से न सिर्फ बड़े वाहनों का संचालन किया जा रहा है, बल्कि इससे जंगल को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। जंगल के बीच से रास्ता निकलने के कारण जंगली जानवरों की आवाजाही बाधित हो रही है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका भी बढ़ गई है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध खनन के जरिए सरकार के राजस्व की चोरी की जा रही है। उनका कहना है कि बंद किए गए रास्तों पर भी बिना रॉयल्टी वाले वाहनों से प्रति वाहन लगभग 500 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है और यह सब कथित तौर पर उच्च अधिकारियों के नाम पर किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि भारी वाहनों की आवाजाही से खेतों और फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है, जिससे किसानों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। खनन कारोबारियों और ट्रांसपोर्टरों की मांग है कि जिस रास्ते से पहले वैध रूप से खनन सामग्री का परिवहन होता था, उसी पुराने मार्ग से वाहनों को जाने की अनुमति दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे इस मामले को लेकर हाईकोर्ट की शरण लेंगे। वहीं पूरे मामले पर डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य ने कहा कि खनन को लेकर ऐसा कोई स्पष्ट नियम नहीं है, जिसमें यह तय हो कि कौन से वाहन चलेंगे और कौन से नहीं। उनका कहना है कि 10 टायरा वाहनों को लेकर किसी तरह की मनाही का प्रावधान नियमों में नहीं है।

कालाढूंगी खो-खो में और लामाचौड़ कबड्डी में अव्वल

कालाढूंगी: अटल उत्कृष्ट राइंका के मैदान में आयोजित तीन द्विवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ का आगाज हो गया है। खेल महाकुंभ में अंडर-14 में कबड्डी, वॉलीवाल व खो-खो में खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।पहले दिन खो-खो में कालाढूंगी व कबड्डी में लामाचौड़ अव्वल रहे।

प्रतियोगिताओं का उद्घाटन करते हुए विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि हर छात्र के अंदर कोई ना कोई हुनर होता है। खेलों से अंदर छुपी प्रतिभा निखारती है और शारीरिक विकास होता है। पहले दिन बालक वर्ग में खो-खो में कालाढूंगी, गुनीपुरबच्ची लामाचौड़ व बैलपड़ाव व बालिका वर्ग में गुनीपुरबच्ची लामाचौड़, कालाढूंगी व स्यात क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बालिक वर्ग कबड्डी में जीवानंद लामाचौड़, बैलपड़ाव, कालाढूंगी न्याय पंचायत क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बालक वर्ग वॉलीवाल में एसेन्ट स्कूल लामाचौड़, एनएवी एकेडमी लामाचौड़ क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। यहां ब्लॉक प्रमुख मनीषा जंतवाल, पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीना जोशी जिपंस अनिता आर्या, क्षेपंस राहुल पंत ने विजेताओं को सम्मानित किया।

7 खिलाड़ी राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए चयनित

उत्तराखंड टीम के लिए चयनित कालाढूंगी के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कालाढूंगी क्षेत्र के खो-खो खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। क्षेत्र के 7 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विगत दिनों राउमावि देवीपुरा, चकलुवा के खेल मैदान में उत्तरांचल खो-खो संघ द्वारा प्रदेश की टीम का ट्रायल लिया गया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर क्षेत्र के 7 खिलाड़ियों का चयन उत्तराखंड राज्य टीम के लिए किया गया है। खेल प्रशिक्षक राजेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि गोस्वामी विद्या मंदिर, कालाढूंगी के छात्र देवेश टम्टा, भास्कर उपाध्याय और टीना आर्य, राजकीय इंटर कॉलेज, देवीपुरा के जतिन जलाल, हेमंत कुमार, कैम्ब्रिज स्कूल के तनीषा तथा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवीपुरा के छात्र विशाल मंडल शामिल हैं।

खेल विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण शिविर एवं भगवती खो-खो

कालाढूंगी के चयनित खिलाड़ी।

क्लब, चकलुवा में खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। खो-खो संघ के कोच राजेश बिष्ट ने बताया कि 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक गुंजपुर (कर्नाटक) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी उत्तराखंड प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उपनिदेशक खेल रसिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, उप खेल अधिकारी वरुण बेलवाल, उत्तरांचल खो-खो संघ के महासचिव रजत शर्मा, कोच मनमोहन बसेड़ा, सपोर्ट समिति के सचिव गोविंद पांडे, प्रधानाचार्य भैरव दत्त सत्यवाली, रजत कुमटिया, निलेश कुमटिया, सौरभ सनवाल, त्रिलोक गोस्वामी एवं वीरेंद्र सिंह मटेला ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दीं।

मनरेगा का नाम बदलने पर रोष

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : मनरेगा का नाम बदलने के प्रस्ताव के खिलाफ कांग्रेस ने संसद से लेकर सड़कों तक विरोध तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को रामनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रानीखेत रोड पर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया।

रामनगर में भाजपा सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

प्रदर्शन में शामिल पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि मनरेगा दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजनाओं में से एक है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा सदन में इस योजना को कांग्रेस की असफलताओं का स्मारक बताया जाना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान भी है।

रणजीत रावत ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जब देशभर में फैक्ट्रियां, दुकानें, स्कूल और अन्य रोजगार के साधन बंद हो गए थे, उस कठिन समय में मनरेगा गरीबों और ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा साबित हुई। योजना के माध्यम से लाखों जरूरतमंदों को रोजगार मिला और उनके परिवारों का भरण-पोषण संभव हो पाया। ऐसी जनकल्याणकारी योजना का नाम बदलने का प्रस्ताव सरकार की जनविरोधी और नकारात्मक सोच को दर्शाता है। प्रदर्शन में भुवन पांडे, अनिल अग्रवाल खुलासा, जावेद खान, कैलाश त्रिपाठी, विनय पडलिया, गुलाम सादिक, सुएव रजा, धीरज सती, योगिता गोस्वामी, प्रेम जैन, लीलाधर जोशी, चांद खान, ओमप्रकाश आर्यवंशी, सुमित रहे।

कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति मुर्मू को ज्ञापन भेजा

लालकुआं: कांग्रेसियों ने मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी करते हुए लालकुआं तहसीलदार पूजा शर्मा के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत ग्रामीण राम जी कर रही है, जिसको लेकर देशवासियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

उन्होंने तत्काल उक्त योजना का नाम मनरेगा ही रहने देने की राष्ट्रपति से मांग की। ज्ञापन देने वालों में लालकुआं नगर कांग्रेस अध्यक्ष भुवन पांडे, बिन्दुखत्ता ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर दानू, संदीप जोशी, वरिष्ठ नेता हरेन्द्र, प्रदीप बथियाल, प्रमोद कलौनी, मोहन कुड़ाई, गिरधर बम, सईद अहमद, गोविन्द दानू शहीद अहमद , प्रेम दानू और कमलेश यादव आदि रहे।

अटल की याद में स्मृति सम्मेलन आयोजित

संवाददाता, भवाली

अमृत विचार: भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी के अवसर पर विधानसभा नैनीताल में आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में अटल जी के राष्ट्रनिर्माण, सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित विचारों का स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व पीएम अटल का जीवन राष्ट्र प्रथम की राजनीति का सशक्त प्रतीक रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भवाली मंडल अध्यक्ष हिमांशु बिष्ट ने की। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक नैनीताल सरिता आर्य, महापौर हल्द्वानी गजराज सिंह बिष्ट ने पूर्व पीएम अटल के इस देश के प्रति समर्पण व उत्तराखंड बनाने के उनके

स्मृति सम्मेलन में मंचासीन महापौर, जिलाध्यक्ष व अन्य। ● अमृत विचार

योगदान को याद किया। कार्यक्रम में दर्जा राज्य मंत्री दिनेश आर्य, ब्लॉक प्रमुख भीमताल डॉ. हरीश बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष प्रगति जैन, दयाकृष्ण पोखरिया, जिला मंत्री पुष्कर जोशी, मंडल प्रभारी रघुबर जोशी, मण्डल अध्यक्ष नितिन कार्की, सुरेश उप्रेती, नीरज बिष्ट, शिवांशु जोशी, अमित पांडे व वर्षा आर्य सहित जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित हुआ

भीमताल, अमृत विचार : भीमताल ब्लॉक सभागार में विधानसभा अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक नवीन दुम्का ने राष्ट्र निर्माण का अटल मॉडल विषय पर अपने विचार रखे और प्रकाश हर्बोला ने विस्तार से संगठन व पूर्व प्रधानमंत्री अटल के बारे में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बताया। विधायक राम सिंह कैड़ा ने अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में विचार रखें। संचालन कार्यक्रम संयोजक मनोज भट्ट ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता पुष्कर मेहरा, प्रदीप पाठक, खीमा शर्मा, बीना आर्या, भावना मेहरा, पंकज जोशी, जया बोरा व शिप्रा जोशी समेत पांचों मंडल के अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पर्यटकों के वाहन रोकने पर विवाद

नैनीताल: नैनीताल हल्द्वानी रोड पर पर्यटकों के वाहनों को रोकने पर पर्यटकों और पुलिस में विवाद हो गया। विवाद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। बता दें कि इन दिनों नैनीताल में वाहनों का दबाव बढ़ने पर यातायात व्यवस्थित करने के लिए पुलिस की ओर से अस्थाई पार्किंग स्थलों पर बिना होटल बुकिंग वाले वाहनों को रोका जा रहा है। जहां से पर्यटकों को शटल के माध्यम से नैनीताल भेजा जा रहा है।

रविवार को जब रूसी बाईपास में पुलिस ने पर्यटकों के वाहनों को रोका तो एक पर्यटक पुलिस से भिड़ गया। मामले में एसपी यातायात व अपराध डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया नैनीताल में यातायात व्यवस्था बनाने के लिए बिना होटल बुकिंग वाले पर्यटकों के वाहनों को रोककर शटल से भेजने की बात पर कई पर्यटक विवाद कर रहे हैं।

आयोजन | सरोकार साहित्यिक संस्था, रामनगर के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन

घृणामुक्त हो मानव मन, मिट जाए दुनिया से क्रंदन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सरोकार साहित्यिक संस्था, रामनगर के तत्वावधान में नववर्ष के स्वागत अवसर पर एक साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि साहित्य सदैव समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

रामनगर में आयोजित काव्य गोष्ठी में पहुंचे साहित्यकार। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की महान विभूति सुमित्रानंदन पंत प्रमुख हैं, जो बचपन में गुसाईं दत्त नाम से जाने जाते थे। उनका समूचा साहित्य मानव जीवन के लिए ठोस आधार प्रदान करता है, विशेष रूप से उनकी कविता परिवर्तन आने वाले नववर्ष में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का संदेश देती है। डॉ. अनुपम शुक्ल के संचालन में संपन्न इस संगोष्ठी में संस्था के अध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र ने गीत के माध्यम से नववर्ष की मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा-राम, कृष्ण, गौतम, ईसा, गुरुनानक के उपदेश फलें। कुछ प्रेम बयार बहे ऐसी, छल-छद्मों के सब द्वंद्व टलें। डॉ. अशोक जोशी ने जीवन की विसंगतियों पर प्रहार करते हुए कहा- मैंने चिड़िया से पूछा, तुम्हारे पंख क्यों कतर दिए गए? उसने कहा, मैं मिलकर गाती थी, इसीलिए लोगों को उसमें क्रांति की बू आती थी। सामाजिक विसंगतियों पर अपनी वेदना व्यक्त करते हुए डॉ. अनुपम शुक्ल ने कहा, जब भी कोई विचार तर्क की कसौटी पर हारने लगता है, तब वह एक नई भाषा गढ़ लेता है। खाली हो रहे पहाड़ों की पीड़ा को शब्द देते हुए डॉ. आशुतोष सती ने कहा, जब कभी हमारी आने वाली पीढ़ी पूछेगी, हम कौन थे, कहां के थे? तो हम बस इतना ही कह पाएंगे कि हम पहाड़ी थे। शिवाकांत शुक्ल ने नववर्ष का अभिनंदन करते हुए कहा- नया वर्ष, संकल्प नए हैं, सब सपने पूरे कर लें, संगोष्ठी में कविताओं के साथ-साथ वक्ताओं ने नववर्ष में सकारात्मक सोच के साथ देशहित में मिलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्ध श्रोता उपस्थित रहे।

मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने को संवाद

रामनगर: मानव वन्यजीव संघर्ष को देखते हुए कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरण अभियान जारी है। सीटीआर के उप निदेशक राहुल मिश्रा की अध्यक्षता में कानिया में ग्रामीणों से हुए संवाद के दौरान सूर्योदय से पूर्व एवं सूर्यास्त के पश्चात बाहर न निकलने का अनुरोध किया गया। अपने मवेशियों को सुरक्षित बाड़े में रखने की अपील के साथ वन्यजीव दिखाई देने पर कर्मियों को अवगत करने का भी अनुरोध किया गया।

ग्रामीणों ने वन्यजीवों द्वारा फसलों की क्षति, मवेशी क्षति, सोलर फेंसिंग लगाने, चेनलिंक फेंसिंग सोलर लाइट लगाए जाने से संबंधित समस्याओं को उजागर किया गया। ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि इंदर रावत, दीप चंद्र पांडे, पवन जोशी, पुष्पा नेगी, पार्क वार्डन बिन्दर पाल रहे।

खस्ताहाल सड़कों की स्थिति सुधारने की मांग

संवाददाता, कोटाबाग

अमृत विचार: विकास खंड कोटाबाग के पर्वतीय क्षेत्रों की खस्ताहाल सड़कों के सुधार की मांग को लेकर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वीरेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर खंड विकास अधिकारी कोटाबाग श्वेता सैनी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार पर पर्वतीय क्षेत्रों की अनदेखी का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग नैनीताल व रामनगर के अंतर्गत आने वाला पीएमजीएसवाई देवीपुरा-सौड़ मोटर मार्ग बीते दो माह से बंद पड़ा है। इसके अलावा छड़ा-अणिया-सल्वा, पांडेगांव-तलिया, स्यात-चलकिया, पंगोट-कुजखड़क, पंगोट-बगड़ तल्ला, भंडारपानी-अमगढ़ी-आखेलढूंगा तथा भलौन-अमतोली-अमोटा मार्ग लंबे समय से क्षतिग्रस्त हैं, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वीरेंद्र बिष्ट ने कहा कि इन सड़कों में भूस्खलन-रोधी तकनीकों का उपयोग कर स्थायी समाधान किया जाना चाहिए, जिपंस हेम नैनवाल, पूर्व विधायक प्रतिनिधि कृपाल बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस हीरा बल्लभ बधानी, ग्राम प्रधान विपिन भट्ट, रूप किशोर, क्षेत्र पंचायत सदस्य शुभम बिष्ट, विनोद कांडपाल, कमल भट्ट व निर्मल अग्रवाल रहे।

सिटी ब्रीफ

शहर में जरूरतमंदों को कंबल वितरित करती वंदे मातरम ग्रुप की टीम।

जरूरतमंदों के लिए बना सहारा वंदे मातरम ग्रुप

हल्द्वानी, अमृत विचार : शहर में बढ़ती ठंड को देखते हुए वंदे मातरम ग्रुप की ओर से कंबल वितरण अभियान चलाया गया। वंदे मातरम ग्रुप ने शहर के विभिन्न इलाकों में जरूरतमंद और बेसहारा लोगों को कंबल वितरित किए गए। वंदे मातरम ग्रुप के शैलेन्द्र सिंह दानू ने बताया कि अभियान से पहले टीम की ओर से शहर के अलग-अलग स्थानों जैसे फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डा और अन्य सार्वजनिक जगहों पर ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाता है, जिनके पास न तो रहने के लिए छत होती है और न ही ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त साधन। उन्होंने बताया कि टीम रात के समय सड़कों पर निकलकर केवल उन्हीं लोगों को कंबल वितरित करती है, जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत होती है। लोगों ने वंदे मातरम ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

मंडी की समस्याओं को लेकर गरजे व्यापारी

व्यापारियों ने मंडी परिषद कार्यालय का किया घेराव व धरना प्रदर्शन, मंडी सचिव को सौंपा ज्ञापन

- आलू-फल आढ़ती व्यापारी व गल्ला मंडी एसोसिएशन का प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आलू-फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन और गल्ला मंडी एसोसिएशन ने सोमवार को मंडी परिषद कार्यालय का घेराव और धरना प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने मांगों को लेकर मंडी सचिव को ज्ञापन भी सौंपा। व्यापारी कृषि विपणन बोर्ड के अस्थायी कार्यालय और सभागार के बाहर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।

इस दौरान व्यापारियों ने लाइसेंस धारी व्यापारियों का बेवजह उत्पीड़न बंद करने, नए साफ्टवेयर से हो रही समस्याओं को दूर करने, जिन हायर परचेज की दुकानों का लीज रेन्ट और गोदाम किराया जमा नहीं है, उसे जमा कर उसकी रसीद दिए जाने की मांग की। व्यापारियों ने मंडी में जगह-जगह किए जा रहे गैर जरुरी निर्माण से हो रही जाम की समस्या को दूर किए जाने की मांग की। साथ ही फुटकर व्यवसाय के लिए अलग से जगह उपलब्ध कराए जाने, लाइसेंस नवीनीकरण को पांच साल के लिए किए जाने और व्यापारियों का बीमा कराए जाने की मांग की। धरना प्रदर्शन के दौरान सभागार में कृषि विपणन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर डब्बू भी बैठे थे, लेकिन वह व्यापारियों की समस्याएं सुनने के लिए उनके बीच नहीं पहुंचे। इसे लेकर भी व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने कहा कि मंडी प्रशासन की ओर से लगातार उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। आलू-फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन का नेतृत्व अध्यक्ष कैलाश जोशी और मर्चेन्ट एसोसिएशन गल्ला मंडी का नेतृत्व विपिन गुप्ता ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

हल्द्वानी में सोमवार को नवीन मंडी में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करते व्यापारी।। ● अमृत विचार

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने धरने को दिया समर्थन

मंडी व्यापारियों के धरना प्रदर्शन को प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों ने भी अपना समर्थन दिया है। संगठन के प्रदेश महामंत्री और हल्द्वानी मंडी के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र फर्स्वाण ने कहा कि मंडी परिषद में इस समय भ्रष्टाचार चरम पर है। कहा कि लीज रीन्यूअल के नाम पर व्यापारियों पर अनैतिक दवाब बनाया जा रहा है और मंडी परिसर में अनावश्यक निर्माण कर मंडी के वास्तविक स्वरूप के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर आलू-फल मंडी और गल्ला मर्चेंट मंडी दोनों को अनिश्चित कालीन बंद किया जाएगा। संगठन के प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि व्यापार मंडल मंडी व्यापारियों के आंदोलन में साथ खड़ा है। इस दौरान प्रदेश सचिव राकेश गुप्ता, अंकुर मोंगा, गिरीश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष जीवन कार्की, देवानंद, सोनू गर्ग उपस्थित रहे।

न्यू ईयर : जनपद में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नए साल के जश्न के लिए नैनीताल समेत जिले से सभी पर्यटक स्थल तैयार हो चुके हैं। पुलिस ने इसको लेकर व्यापक तैयारियां की है, लेकिन यातायात के लिहाज से एक और परिवर्तन किया गया है। पहले भारी वाहनों को हल्द्वानी शहर की सीमाओं पर रोका जा रहा था, लेकिन अब भारी वाहन जिले में दाखिल ही नहीं होने दिए जाएंगे। शहर में वाहनों के पार्क होने जाम की स्थिति बन रही थी।

एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि थर्टी फर्स्ट और नए साल में हजारों पर्यटकों के नैनीताल पहुंचने की संभावना है। उनकी सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए पुलिस ने यातायात को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को जिले में किसी प्रकार के कोई भी भारी वाहन प्रवेश नहीं करेंगे। 30 दिसंबर की रात से ही यह प्लान लागू कर दिया जाएगा।

अल्मोड़ा और ऊधमसिंह नगर की सीमाओं पर ही बड़े वाहनों को रोक दिया जाएगा। आवश्यक सामग्री जैसे दूध, राशन समेत आपातकाल से जुड़े वाहनों को रात 11 बजे बाद पहाड़ की ओर जाने दिया जाएगा।

एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी।

- अभी तक हल्द्वानी शहर की सीमा पर ही रोके जा रहे थे भारी वाहन
- बोले, 31 और 1 जनवरी तक नहीं होगा भारी वाहनों का संचालन

शहर में जगह होगी, तभी मिलेगी दो पहिया को एंट्री

हल्द्वानी : थर्टी फर्स्ट और नए साल में नैनीताल पर वाहनों का दबाव होने के बाद बड़े वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। लेकिन दोपहिया वाहनों को भी काठगोदाम और कालाढूंगी बाईपास से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। एसपी क्राइम डॉ.जगदीश चंद्र का कहना है कि नैनीताल से अलर्ट मिलने के बाद दोपहिया वाहनों पर भी रोक लगा दी जाएगी। हालांकि लोकल के लोगों को जाने दिया जाएगा। इसका पूर्व में ही डायवर्जन प्लान पुलिस जारी कर चुकी है।

प्रकाश पर्व पर निकली प्रभात फेरी

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरी में शिरकत करतीं महिला संगत। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरियों का सिलसिला श्रद्धा और उल्लास के साथ जारी है। सोमवार को दूसरी प्रभात फेरी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से सुबह पांच बजे अरदास के साथ शुरू हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए राजेंद्र नगर स्थित गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में संपन्न हुई।

गुरु सिंह सभा से आरंभ होकर प्रभात फेरी नैनीताल रोड, काशीपुरी गली, सखावत गंज कॉलोनी, गुरु तेग बहादुर गली, गंगा कॉलोनी और तिकोनिया से होते हुए एरोड्रम रोड के रास्ते राजेंद्र नगर पहुंची। पूरी यात्रा के दौरान संगत ने गुरुवाणी, कीर्तन कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया। राजेंद्र नगर गुरुद्वारे में प्रभात फेरी के पहुंचने पर मुख्य सेवादार रणजीत सिंह नागपाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगत का स्वागत किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह चड्ढा, कवलजीत सिंह उत्पल, बबलू कुकरेजा, परमजीत सिंह पम्मा, प्रेम मदान, फतेह सिंह, एडवोकेट जोगिंदर सिंह, रविंदर कौर और मनमोहन कौर सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी कीर्तन में उपस्थिति दर्ज की।

विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीण हुए मुखर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः ग्राम सभा ज्योलीकोट की प्रथम खुली बैठक ग्राम प्रधान नवल कुमार आर्या की अध्यक्षता में शहीद एचबी भट्ट राइंका, ज्योलीकोट में आयोजित की गई। बैठक में क्षेपं सदस्य गीता जोशी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी बीना बेनवाल, ग्राम विकास अधिकारी उमेश पलड़िया, पूर्ति निरीक्षक रवि डालाकोटी व स्वास्थ्य विभाग से डॉ. हेमंत मर्तोलिया व चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में पेयजल व विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। ग्रामीणों ने जेजेएम योजना में घरेलू जल कनेक्शन उपलब्ध न होने, जल टंकी की जर्जर स्थिति व विद्युत लाइनों और पोलों की खराब हालत पर नाराजगी जताई। संबंधित विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति और समस्याओं के समाधान के प्रति उदासीनता पर भी ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया। इसके अलावा कूड़ा निस्तारण, विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के चयन, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण व एम्बुलेंस व्यवस्था से संबंधित प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए। ग्राम सभा के समग्र विकास को लेकर अनेक सुझाव प्रस्तुत किए गए और ज्योलीकोट को एक आदर्श ग्राम सभा के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अधिकारियों की उदासीनता और लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर एक शिष्टमंडल शीघ्र ही जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से मुलाकात करेगा।

डायवर्जन नाकाम, शहर में जाम ही जाम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पिछले 15 दिनों से 31 फर्स्ट और न्यू ईयर की तैयारियों में जुटी पुलिस ने बड़ा डायवर्जन प्लान लागू किया है, ताकि हल्द्वानी शहर को जाम से बचाया जा सके, लेकिन पुलिस का डायवर्जन प्लान काम नहीं आ रहा। सोमवार को भी शहर की लगभग सभी प्रमुख सड़कों पर यातायात का भारी दबाव था और चौराहों पर एक तरह से जाम की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस का मानना है कि विंटर वेकेशन की वजह से सड़कों पर यातायात का दबाव है।

नैनीताल रोड और कालाढूंगी रोड शहर की सबसे व्यस्ततम सड़कें हैं। इन दोनों की सड़कों पर वाहन अत्यधिक संख्या में थे। जिसकी वजह से चौराहों पर दबाव बढ़ा और यातायात प्रभावित होने लगा। इसी तरह रामपुर रोड और बरेली रोड पर भी यातायात का भारी दबाव था। जिसके चलते बड़ी मंडी, मंगलपड़ाव, सिंधी चौक से लेकर नैनीताल बैंक तिराहे तक जाम की स्थित थी। इसका असर रामपुर रोड और कालाढूंगी रोड पर पड़ा। जिसके चलते सिंधी चौक से समता आश्रम गली तक और एसटीएच के सामने जाम की स्थिति बनी रही। जबकि कालाढूंगी रोड पर कालूसिद्ध तिराहा, मुखानी चौराहा से लेकर ऊंचापुल तक जगह-जगह यातायात प्रभावित रहा। यातायात निरीक्षक महेश चंद्रा ने बताया कि स्कूलों में छुट्टियां पड़ चुकी हैं, जिस कारण लोग प्लान बनाकर नैनीताल समेत अन्य पर्यटन स्थलों पर घूमने के उद्देश्य से निकल रहे हैं। इसी कारण सड़कों पर यातायात का दबाव अचानक बढ़ गया। सोमवार को नैनीताल रोड के अलावा रामपुर रोड, बरेली रोड, हल्द्वानी शहर समेत आंतरिक मार्ग पर हल्का जाम लगा।

कालाढूंगी रोड में लगे जाम में फंसी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

सीबीआई जांच की मांग को लेकर मशाल जुलूस निकालते युवा कांग्रेसी।

युवा कांग्रेस ने मशाल जुलूस निकाला

हल्द्वानी, अमृत विचार : युवा कांग्रेस ने मशाल जुलूस निकाल कर अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच व वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग की। सोमवार की देर सायं युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पार्क से एसडीएम कोर्ट तक मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी की गिरफ्तारी, दोषियों को कड़ी सजा और सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने इस प्रकरण में हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच की मांग की है। युवा कांग्रेस के नेता हेमन्त साहू व विशाल भोजक ने कहा कि जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। युवा नेत्री दीपा खत्री व अक्षत पाठक ने कहा अंकिता प्रकरण की जब तक सीबीआई जांच नहीं होती सभी दोषी फंसी के फंसे में नहीं पहुंचते हम लोग चुप नहीं बैठेंगे। इस दौरान सौरभ कुमार, रक्षित बिष्ट, अमन अंसारी, बिलाल अहमद, भावेश कुरिया, खगेन्द्र मेहरा, नंदनी खत्री, शाहनवाज मलिक, मयंक गोस्वामी, शानू अल्वी, आयुष नागर, शोभित कुमार, गुरमीत गौतम, साहिल राज, उमंग पाठक, मेहुल साह, दीपक बिष्ट आदि रहे।

मेयर ने किया पार्कों का शिलान्यास

हल्द्वानी : मेयर गजराज बिष्ट ने वार्ड 52 रुप नगर और वार्ड 56 के मधुवन विहार में पार्कों के निर्माण व सौंदर्यीकरण का शिलान्यास किया।

मेयर ने बताया कि नगर निगम की ओर से शासन को विभिन्न पार्कों के निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव दिया गया था। कुल 17 पार्कों के निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए शासन ने 12.85 करोड़ की राशि स्वीकृत की थी, जिसमें पूर्व में 6 पार्कों का कार्य शुरू कर दिया गया है। सोमवार को वार्ड 52 में रुपनगर और वार्ड 56 में मधुवन विहार के पार्कों का शिलान्यास किया गया। बताया पार्क में ओपन जिम, बच्चों के खेल-कूद के उपकरण, मैदान का सौंदर्यीकरण आदि कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, वार्ड 52 की पार्षद रेखा बिनवाल, वार्ड 56 की पार्षद भागीरथी बिष्ट, पूरन चंद्र जोशी, बृजमोहन कोहली, दीपक जोशी रहे।

अंकिता हत्याकांड की हो सीबीआई जांच

गौलापार के बागजाला में अंकिता हत्याकांड को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए किसान महासभा व भाकपा माले के प्रतिनिधि।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने और पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर गौलापार के बागजाला जशबु थान चौराहे पर किसान महासभा और भाकपा माले ने विरोध प्रदर्शन किया।

लोगों ने भाजपा नेताओं पर लगे गंभीर आरोपों की सीबीआई जांच करने और वीआईपी की पहचान कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। अखिल भारतीय किसान महासभा की अध्यक्ष डॉ. उर्मिला रैसवाल ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में हमेशा से यह चर्चा रही कि अंकिता भंडारी पर किसी वीआईपी को स्पेशल सर्विस देने के लिए दबाव डाला जा रहा था। उन्होंने बताया कि हाल ही में सार्वजनिक हुए कुछ ऑडियो में कई रसूखदार लोगों के नाम सामने आए हैं। इसकी भी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडे ने कहा कि अंकिता हत्याकांड की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है। इसके लिए वीआईपी के कॉल डिटेल रिकाड्र्स और मोबाइल लोकेशन की जांच हो। इन ऑडियो रिकॉर्डिंग्स की फॉरेंसिक जांच भी की जाए। किसान महासभा बागजाला के अध्यक्ष मीना भट्ट, प्रेम सिंह नयाल, हेमा देवी, दीवान बर्गली, चंदन मटियाली, हीरा देवी, दुर्गा देवी, तुलसी देवी आदि रहे।

गौला श्रमिकों के बच्चों को बांटीं किताबें व स्वेटर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वन विकास निगम ने जिला खनिज फाउंडेशन न्यास से गौला नदी के खनन श्रमिकों के बच्चों को जूता-मोजा, बैग, स्वेटर, स्टेशनरी, खिलौने वितरित किए।

सोमवार को आंवला चौकी गेट पर वितरण कार्यक्रम किया गया। इसमें मुख्य अतिथि लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि यह विद्यार्थी ही आने वाले भविष्य की नींव है इसलिए प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाना आवश्यक है। इनको भविष्य के लिए तैयार करने में हम सभी को अपने-अपने स्तर से योगदान प्रदान करना अपेक्षित है। उन्होंने आशा जताई कि जनपद में शिक्षा व्यवस्था इसी प्रकार सुव्यवस्थित ढंग से समाज के सभी वर्गों के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके बाद विशिष्ट प्रशिक्षण केंद्र में नामांकित 40 विद्यार्थियों को बैग, जूता, मोजा, ट्रैकसूट, स्वेटर, गरम टोपी, स्टेशनरी, खिलौने इत्यादि वितरित किए।

मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण को सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी बाद में केंद्र में नामांकन कराएंगे उनको भी समस्त सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त केंद्र को अन्य सामग्रियां जैसे खेल सामग्री, म्यूजिक सिस्टम, हीट पिलर्स, पंखे आदि भी प्रदान किए गए ताकि विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने में कोई असुविधा न हो। अधिकारियों के अनुसार, जिला खनिज फाउंडेशन न्यास समिति ने गौला नदी के खनन श्रमिकों के बच्चों के लिए विभिन्न सामग्रियों के लिए बजट दिया था। संचालन हरीश सिंह बिष्ट ने किया। यहां बीईओ तारा सिंह, समग्र शिक्षा जिला समन्वयक रवीन्द्र तिवारी, राजेंद्र जोशी, भोला दत्त दानी, डिकर सिंह पडियार रहे।

आंवला चौकी गेट पर खनन श्रमिकों के बच्चों को वितरित की गईं स्टेशनरी किट।

गौला खनन श्रमिकों को कंबल वितरित किए

हल्द्वानी : प्रशासन ने जिला खनिज फाउंडेशन न्यास से गौला नदी के खनन श्रमिकों को कंबल वितरित किए। सोमवार को बेरीपड़ाव गेट पर विधायक डॉ. मोहन बिष्ट, एसडीएम रेखा कोहली ने गौला खनन श्रमिकों को कंबल वितरित किए। उन्होंने कहा कि डीएम ललित मोहन रयाल ने जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि से श्रमिकों के कल्याणार्थ वन विकास निगम को बजट स्वीकृत किया। इसी क्रम में श्रमिकों को कंबल बांटे गए हैं। उनके लिए जलौनी लकड़ी का भी इंतजाम किया जा रहा है। उनकी सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है, समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। इस दौरान डीएलएम धीरेश बिष्ट, राजू जोशी आदि मौजूद रहे।

तैयारी | नई पिच से अंतरराष्ट्रीय मैचों की तैयारी होगी आसान

जल्द अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में बिखरेगा क्रिकेट का जादू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। हल्द्वानी के अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में जनवरी से नई क्रिकेट पिच तैयार करने का काम शुरू होने जा रहा है। खेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह पिच आधुनिक तकनीकों और मानकों के अनुसार बनाई जाएगी, जिससे खिलाड़ियों का खेल अनुभव बेहतर होगा।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि पिच निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जाएगा ताकि आगामी मैचों के लिए समय पर मैदान तैयार हो। नया साल क्रिकेट के लिए कई उम्मीदें लेकर आ रहा है। 38वें राष्ट्रीय खेलों के दौरान स्टेडियम से हटाई गई पिच अब फिर से बनाई जाएंगी। इस नए निर्माण के साथ ही जनवरी से अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में क्रिकेट लीग का आयोजन किया जाएगा। इसमें छह टीमों के बीच 18 मैच खेले जाएंगे। लीग में स्टैलन राइडर, हल्द्वानी टाइगर, मसूरी किंग्स, दिल्ली नाइट, वाराणसी वाइपर और उत्तर प्रदेश किंग की टीमें हिस्सा लेंगी। गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में वर्ष 2016 में क्रिकेट मैदान बनाया गया था। पिछले नौ सालों में यहां क्रिकेट मैच नहीं हुए। जनवरी में होने वाली इस लीग में राष्ट्रीय और आईपीएल स्तर के खिलाड़ी भी भाग लेंगे। उप निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी ने बताया कि क्रिकेट पिच बनाने का काम जल्द शुरू होगा, जिसके बाद यहां क्रिकेट लीग कराई जाएगा।

गौलापार में क्रिकेट पिच निर्माण का भूमि पूजन करते उप क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल।

> नई पिच सिर्फ खेल की गुणवत्ता ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि स्थानीय खिलाड़ियों को अपने हुनर और क्षमता दिखाने का एक बड़ा मंच भी देगी। इससे हमारी टीमों का आत्मविश्वास और मैचों का रोमांच दोनों दोगुना होगा। **-त्रिलोक जीना**, क्रिकेट कोच

> उप निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी ने बताया कि क्रिकेट पिच बनाने का काम जल्द शुरू होगा, जिसके बाद यहां क्रिकेट लीग होनी है। खेल विभाग की ओर से कोच खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दें रहे हैं। **-रशिका सिद्दीकी**, उप निदेशक खेल कुमाऊं

> अच्छी पिच मिलने से अभ्यास के साथ-साथ प्रतियोगी मैचों में भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
> **-अभिनव नेगी**, खिलाड़ी

> नई पिच से हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैचों की तैयारी करने में मदद मिलेगी। यह स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए और भी आकर्षक बन जाएगा। **-कुश राणा**, खिलाड़ी

चैलेंजर प्रतियोगिता में भुविक ने जीता स्वर्ण

हल्द्वानीः शहर के मेहरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 19वीं यूनिवर्सल चैलेंजर प्रतियोगिता में भुविक भट्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी व स्वर्ण पदक अपने नाम कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उनके पिता यतेंद्र भट्ट ने बताया कि भुविक भट्ट वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों के खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक जीतते हुए देश का नाम रोशन किया है। भुविक भट्ट की इस सफलता पर खेल प्रेमियों, परिजनों व स्थानीय लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं हैं।

सिटी ब्रीफ

सरकारी, निजी विद्यालय दो दिन रहेंगे बंद

रुद्रपुर : ऊधमसिंह नगर में शीतलहर और मौसम विभाग के मंगलवार और बुधवार को घना कोहरा छाने के मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में दो दिन का अवकाश घोषित कर दिया है। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को शीतलहर से बचाने के लिए सभी शासकीय, अर्द्ध शासकीय, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी विद्यालयों के कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं और आंगनबाड़ी केंद्रों में दो दिन का अवकाश घोषित कर दिया है।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

रुद्रपुर : विगत रात्रि किसी काम से महतोष बाजार आए एक युवक की अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत हो गयी। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। ग्राम खानपुर नंबर एक निवासी 24 वर्षीय संजय पुत्र अशोक कुमार रविवार रात को किसी काम से महतोष बाजार आया हुआ था। वह अपनी बाइक से काम करने के बाद घर लौट रहा था। इस बीच तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे संजय गंभीर रूप से घायल हो गया। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी और घायल संजय को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

डिबडिबा में एक घर में लगी आग, हजारों का सामान जलकर राख

रुद्रपुर : विगत रात्रि डिबडिबा के एक घर में अचानक आग लग गयी। इससे घर में रखा हजारों का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। ग्रीन पार्क डिबडिबा निवासी सरोज ग्रोवर पत्नी विजय ग्रोवर परिवार के साथ रहती है। रविवार को वह अपने पुत्र हर्षित के साथ दुकान पर थे। घर में कोई नहीं था। इसी बीच उनके घर में अचानक आग लग गई। जब पड़ोसियों ने घर से धुंआ उठता देखा तो इसकी सूचना सरोज को दी। साथ ही आग लगने की जानकारी दमकल कर्मियों को भी दी। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां आग बुझाने के लिए पहुंची। तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। सूचना पर पहुंची मकान स्वामी सरोज ने बताया कि आग से एसी, फर्नीचर, कपड़े समेत लाखों का घरेलू सामान जलकर राख हो गया है। वहीं दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग किस कारण लगी इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

नव वर्ष के उपलक्ष्य में किए कार्यक्रम

बाजपुर : नव वर्ष के उपलक्ष्य में एक होटल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन बीजेपी मंडल मंत्री स्तुति गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका रिंकी बेदी ने सफलतापूर्वक किया। उत्सव के दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संवाद और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। समारोह में महिलाओं ने सामाजिक समरसता एवं संगठन की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। इस मौके पर समाजसेविका आभा तिलारा, पूनम पांडे, रेखा कालरा, तान्या भटनागर, संगीत गायिका मृणाली जैन, लता गोयल, डा .कल्पना, खुशी चंद्रा, प्रियंका अग्रवाल, नीतू गुप्ता, तारा शर्मा, रिया तलवार, निशा शर्मा, प्रियंका शर्मा, अनामिका तलवार, पूजा गुप्ता, मोना गर्ग मौजूद रहीं।

फाजलपुर महरौला में मजदूर की हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

दोनों पक्षों के तीन नामजद समेत 20 पर पर मुकदमा दर्ज, फरार आरोपियों की तलाश

संवाददाता, रुद्रपुर

मामले का खुलासा करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जमीन के विवाद में फाजलपुर महरौला में दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग में मजदूर की हत्या मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त सिमरनजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मामले में फरार चल रहे महिला समेत दो नामजद और 20 अन्य अभियुक्तों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। वहीं जिले के अलावा तीन पुलिस टीम यूपी में संदिग्ध ठिकानों पर जगह-जगह दबिश दे रही है।

सोमवार की देर सायं एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि रविवार को प्रीत विहार फाजलपुर महरौला निवासी कश्मीर सिंह और बगवाड़ा निवासी सिमरनदीप सिंह पक्ष के बीच फाजलपुर महरौला प्रीत विहार में जमीन के विवाद में फायरिंग हुई थी। इसमें बिहार जिला पश्चिम चंपारण थाना मानपुर विरंची निवासी कार्तिक पोतदार पुत्र मानिक पोतदार की पसली में गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में मृतक कार्तिक पोतदार के रिश्तेदार ग्राम मंजरिया कॉलोनी थाना बहेरिया ओझलिया जिला बेतिया बिहार निवासी सूरज कुमार विश्वास ने पुलिस को तहरीर सौंपी थी।

उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्रीत विहार फाजलपुर महरौला निवासी जशनदीप और कुलविंदर कौर समेत अन्य पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 109 और 3(5) के तहत प्राथमिकी पंजीकृत की थी। साथ ही रम्पुरा चौकी प्रभारी कवींद्र शर्मा की ओर से भी सिमरनदीप सिंह और 12 अन्य पर जानलेवा हमला समेत अन्य धारा 109, 190, 191(2), 191(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी पंजीकृत कर ली थी। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी पंजीकृत करने के बाद पुलिस और एसओजी की चार टीम दोनों पक्षों के फरार आरोपितों की

● पुलिस की तीन टीमें दे रहीं संदिग्ध ठिकानों पर दबिश

तलाश शुरू कर दी थी।

सोमवार शाम को पुलिस को सूचना मिली कि फायरिंग में फरार चल रहा सिमरनदीप सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह बंसल धर्मकांटा के पास है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीओ सिटी प्रशांत कुमार, कोतवाल मनोज रतूड़ी की अगुवाई में पुलिस टीम पहुंची और सिमरनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सिमरनदीप सिंह ने जमीन के विवाद में फायरिंग की घटना को स्वीकार किया। बाद में उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी 315 बोर शस्त्र प्रीत विहार क्षेत्र की झाड़ियों से बरामद किया। बाद में पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। एसएसपी ने बताया कि फरार चल रहे दोनों पक्षों की महिला समेत दो नामजद और अन्य की तलाश की जा रही है।

कटे गोवंश मामले की जांच की मांग

रुद्रपुर: किच्छा हाईवे पर सड़क किनारे कटा हुआ गोवंश का बच्चा मिलने पर गोरक्षा दल के कार्यकर्ता विधायक शिव अरोरा को जानकारी देने के लिए उनके कार्यालय पहुंचे। विधायक के नहीं मिलने पर कटे गोवंश को लेकर गौशाला में दफनाने के लिए ले गये और पुलिस से मामले की जांच की मांग की।

जानकारी के अनुसार गोरक्षा दल के कार्यकर्ता ऋतिक विश्वकर्मा सोमवार शाम को किच्छा से रुद्रपुर आ रहे थे। इस बीच किच्छा हाईवे पर सड़क किनारे कटा हुआ गोवंश का बच्चा मिला। इसकी जानकारी उन्होंने दल के अन्य पदाधिकारियों को दी। इसके बाद गौरक्षा दल के जिला मंत्री सौरव शुक्ला समेत तमाम कार्यकर्ता विधायक अरोरा के कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने घटना को लेकर आक्रोश जताया।

इस बीच सूचना पर सीओ सिटी प्रशांत कुमार, कोतवाल रुद्रपुर मनोज रतूड़ी, आवास विकास चौकी प्रभारी प्रकाश चंद पुलिस कर्मियों के साथ पहुंचे और जानकारी ली। इस दौरान दल के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि किसी ने गोवंश का गला काटकर सड़क किनारे फेंका है। उन्होंने पुलिस से जांच की मांग की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति डॉ .मनमोहन सिंह चौहान। ● अमृत विचार

बाल निलयम में वार्षिक खेल प्रतियोगिता हुई

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार : विश्वविद्यालय के बाल निलयम जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं कुलपति ने 66 विद्यार्थियों को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया।

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.चौहान ने बच्चों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय की अध्यापिकाओं के योगदान की सराहना की और शिक्षकों को छात्रों के व्यावहारिक कौशल सुधारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों से स्वच्छता की आदतों को बढ़ावा देने में सहयोग करने का अनुरोध भी किया। इस दौरान निधि मिश्रा, कविता सती और आशा जोशी द्वारा तैयार कराए गए नृत्यों की कुलपति ने सराहना की।

इस अवसर पर प्रबंधक डॉ. श्रीराम, डॉ.मोहन सिंह, अधिष्ठाती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डॉ.अल्का गोयल, प्रधानाध्यापिका डॉ.मंजू जोशी समेत अध्यापिकाएं, कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

मिनिस्ट्रियल कर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

प्रदर्शन करते मिनिस्ट्रीयल कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य कर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के प्रांतीय नेतृत्व की ओर से दो सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले तीन माह से चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को रुद्रपुर स्थित जोनल कार्यालय पर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ की ओर से गेट मीटिंग कर प्रदर्शन किया गया।

सोमवार को गेट मीटिंग के दौरान संगठन के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल ने कहा कि मिनिस्ट्रीयल स्टाफ अपनी दो सूत्रीय मांगों के लेकर आंदोलनरत है। इसमें उत्तराखंड राज्य बनने के बाद से आज तक अधिकारी संवर्ग का ढांचा तीन बार बढ़ाते हुए नये पद सृजित किये गये हैं, लेकिन मिनिस्ट्रीयल ढांचा आज तक 777 पद का ही है। जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद भी मिनिस्ट्रीयल स्टाफ के पदों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है, जबकि 2025 में पुनः अधिकारियों को पदों में वृद्धि कर दी गयी है।

इस अवसर पर प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल, रुद्रपुर शाखा अध्यक्ष संजय उपाध्याय, शाखा महामंत्री नितीश जोशी, शाखा उपाध्यक्ष शबा रानी, किरन रावत, अरविंद राणा, मोहित कुमार, शेखर सिंह, राकेश जखमोला, नीरज कुमार, जीवन बिष्ट, सचिन चौहान, वसीम, भीम सिंह, सुरेंद्र कुमार, विरेन्द्र कुमार, महेंद्र मेहरा आदि मौजूद रहे।

सरकार के पुतले की निकाली शव यात्रा

संवाददाता, रुद्रपुर

बाटा चौक पर सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंकिता हत्याकांड को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। विरोध में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया और पुतले की शव यात्रा निकाली। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई।

सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता भगत सिंह चौक पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्य बाजार में पुतले की शव यात्रा निकाली जो बाटा चौक पर संपन्न हुई। यहां आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने सरकार के पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान कांग्रेस नेता संजय जुनेजा ने कहा कि अंकिता भंडारी पहाड़ की बेटी और उसे न्याय दिलाना प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा प्रश्न है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से मामले में प्रारंभिक स्तर पर साक्ष्य नष्ट किया गया और रिसॉर्ट को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया है। साथ ही सीमित दायरे में रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इन सभी तथ्यों की सीबीआई जांच करनी चाहिए।

इस अवसर पर सौरभ बेहड़, पवन वर्मा, दिनेश पंत, सुनील जडवानी, मोहन खेड़ा, मोहन कुमार, प्रांजल गाबा, विक्रमजीत सिंह, राम कृष्ण कनौजिया, विकास मलिक, रंजीत तिवारी, तपन विश्वास उपस्थित थे।

सांसद भट्ट को दिखाए काले झंडे

जसपुर : सांसद अजय भट्ट का कांग्रेसियों ने विरोध किया। साथ ही अंकिता भंडारी को न्याय के लिए नारे लगाए। सोमवार को सांसद भट्ट अटल स्मृति सम्मेलन में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सुभाष चौक के पास मौजूद कांग्रेसियों ने सांसद के काफिले के आगे आकर उनकी कार रुकवा दी और काला कपड़ा दिखाते हुए जमकर विरोध किया। सांसद का विरोध होता देख पुलिस कर्मियों ने दौड़ कर कांग्रेसियों को हटाया तथा सांसद का काफिला आगे की ओर रवाना किया। कांग्रेसियों ने अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग की। यहां सुखवीर भुल्लर, डॉ शुभ, आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस में शामिल लोगों का स्वागत करते विधायक बेहड़ एवं अन्य कांग्रेसी।

भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष अधिकारी दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

किच्छा : भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष अधिकारी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। विधायक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक तिलक राज बेहड़ ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस में शामिल होने वालों में पंकज जोशी, गिरीश भट्ट और कुंवर सिंह देव सहित देवरिया व शांतिपुरी क्षेत्र के कई वरिष्ठ लोग शामिल हैं।संतोष अधिकारी ने कहा कि वे विधायक बेहड़ के विकास कार्यों और कार्यशैली से प्रभावित होकर कांग्रेस में आए हैं। इस दौरान विधायक बेहड़ ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और अंकिता भंडारी मामले में चुप्पी को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिलेगी।

एसआईआर से न घबराएं कार्यकर्ता

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेते विधानसभा प्रभारी परिमल राय।

अमृत विचार: कांग्रेस विधानसभा प्रभारी परिमल राय ने कहा विधानसभा गदरपुर के 166 बूथों पर दो-दो बीएलए कांग्रेस द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से एसआईआर को लेकर चिंतित न होने की अपील की। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में नियुक्त बीएलए के नाम की सूची एसडीएम कार्यालय में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा किसी प्रकार की दिक्कत आने पर शासन- प्रशासन से इस संबंध में वार्ता की जाएगी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

सोमवार को पार्टी कार्यालय में विधानसभा प्रभारी परिमल राय की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहा कि अगर किसी का 2003 की विधानसभा की वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने पर उसे नगर पंचायत व ग्राम पंचायत की सूची में नाम हो उसे दिखाकर बीएलए के माध्यम से बीएलओ को बताकर नाम चढ़वाया जा सकता है। बैठक का संचालन नगराध्यक्ष डॉ. नारायण हालदार ने किया। इस मौके पर यूथ कांग्रेस पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल, जिला उपाध्यक्ष नित्यानंद मंडल, वरिष्ठ नेता वीरेंद्रनाथ हालदार, श्याम सिंह देऊपा, अजय राय, किशोर हालदार, ललित खोलिया, चंचल सिंह देऊपा, वीरेंद्रनाथ मंडल, चंद्रमणि देवराड़ी, कृष्णपद विश्वास, विनोद कुमार, सुभाष हालदार, हरिपद मंडल, विश्वजीत ढाली, गोपाल मंडल मौजूद रहे।

प्रथम और तृतीय मंगलवार को होगा तहसील दिवस

संवाददाता, रुद्रपुर

● 6 जनवरी को रुद्रपुर तहसील में सुनी जाएंगी लोगों की समस्याएं

अमृत विचार: जन समस्याओं के निस्तारण के लिए जनपद के प्रत्येक तहसील मुख्यालय पर माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को सुबह 10 बजे से कार्य समाप्ति तक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा।

सोमवार को जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि 6 जनवरी 2026 को पहले मंगलवार को तहसील रुद्रपुर में तहसील दिवस का आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 20 जनवरी तृतीय मंगलवार को तहसील किच्छा, 3 फरवरी प्रथम मंगलवार को सितारगंज, 17 फरवरी तृतीय मंगलवार को जसपुर, 3 मार्च प्रथम मंगलवार को काशीपुर, 17 मार्च तृतीय मंगलवार को बाजपुर, 7 अप्रैल प्रथम मंगलवार को गदरपुर में तहसील दिवस आयोजित होगा।

इसी तरह 21 अप्रैल तृतीय मंगलवार को उप तहसील नानकमत्ता व 5 मई प्रथम मंगलवार तहसील खटीमा में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस तहसील दिवस को राजकीय अवकाश घोषित होगा उसके स्थान पर दूसरे दिन कार्य दिवस को तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को परगनाधिकारी की अध्यक्षता में परगना व तहसील कार्यालय में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा।

सार्वजनिक सूचना नगर निगम पिथौरागढ़

नगर निगम अधिनियम 1989 की धारा 213 के तहत सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ज्योति कुमार साहनी पुत्र श्री जगन्नाथ साहनी निवासी पदमपुर कालोनी पिथौरागढ़ द्वारा एक आवेदन इस आशय का प्रस्तुत किया है कि क्रम सं० 06/63 में स्थित भवन का नामान्तरण श्री ज्योति कुमार साहनी पुत्र श्री जगन्नाथ साहनी निवासी पदमपुर कालोनी पिथौरागढ़ के नाम कर दिया जाएं। निगम अभिलेखों में उक्त भवन का भवन कर श्री भैरव दत्त पुत्र श्री केशव दत्त के नाम से दर्ज है। आवेदक द्वारा भवन कर नामांतरण हेतु क्रय रजिस्ट्री एवं भवन कर की रसीद संलग्न की गई है।

अतः समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भवन के भवन कर नामान्तरण में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के जारी होने की तिथि से तीस दिन अन्दर अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। वाद मियाद समाप्ति पर प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम पिथौरागढ़

पत्रांक : नाप/एन.एन./5-राजस्व अनु०/2024-25 दिनांक : 29/12/25

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल

UTTARAKHAND — उत्तराखण्ड शासन

E_Mail:- eepdpwdntl@gmail.com

पत्रांक : 3098/17 एम०जी०

निविदा सूचना

दिनांक : 29-12-2025

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, नैनीताल द्वारा निम्नलिखित कार्यों की सीलड निविदा दिनांक 15.01.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 01.01.2026 से 13.01.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 15.01.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते है।

1- अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त, लो०नि०वि०, नैनीताल। 2-अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल।
3-अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि० नैनीताल। 4-अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि० रूद्रपुर।

क्र० स०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू० में) जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रा० ख०, लो०नि०वि०, नैनीताल के नाम बंधक हो	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू० में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला योजना वर्ष 2025 26 के अन्तर्गत एस०सी०पी० हैडाखान भोडिया प्राथमिक विद्यालय तक सीसी व अन्य कार्य (एस०सी०एस०पी० के अन्तर्गत)	12000.00	1000.00+ 18 % GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में पंजीकृत श्रेणी "डी" एवं उससे ऊपर

निविदा दिनांक 15.01.2026 को सायं 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा हेतु अन्य शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा।

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग
नैनीताल

जानकारी — परिवार नियोजन की सामग्रियां केवल पोर्टल के माध्यम से होगी वितरित

एएनएम को दिया पोर्टल संचालन का प्रशिक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

कार्यशाला में जानकारी देते जिला समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर प्रदीप मेहर।

अमृत विचार: जनपद में परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ करने और सामग्री की उपलब्धता को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी स्वास्थ्य उप केंद्रों पर तैनात एएनएम को परिवार नियोजन रसद प्रबंधन सूचना प्रणाली (एफपीएलएमआईएस) पोर्टल के संचालन का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

सोमवार को रामपुर रोड स्थित एक होटल में कार्यशाला आयोजित हुई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार की प्राथमिकता अब स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब परिवार नियोजन की सभी सामग्रियां केवल पोर्टल के माध्यम से ही मंगवाई और वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिना पोर्टल पर डिमांड और वितरण की एंट्री किए, भविष्य में किसी भी स्तर पर सामग्री का आवंटन नहीं किया जाएगा। इससे सामग्री की बर्बादी रुकेगी और यह पता चल सकेगा कि किस केंद्र पर कितना स्टॉक शेष है। जिला समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर प्रदीप मेहर ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पोर्टल के तकनीकी पहलुओं का लाइव डेमो दिया। उन्होंने बताया कि एएनएम को अपने उप-केंद्र के मौजूदा स्टॉक की एंट्री कैसे करनी है। स्टॉक कम होने पर पोर्टल के जरिए उच्च अधिकारियों को मांग पत्र कैसे भेजना है।

● स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

एसीएमओ डॉ. हरेंद्र मलिक ने कहा कि पोर्टल पर डेटा अपडेट न करने वाली एएनएम की जवाबदेही तय की जाएगी। यदि पोर्टल एंट्री के अभाव में किसी केंद्र पर सामग्री की कमी पाई जाती है या रिकॉर्ड में विसंगति होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित एएनएम की होगी। एसीएमओ डॉ. डीपी सिंह ने भी अपने विचार साझा किए और लॉजिस्टिक मैनेजमेंट के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर चांद मियां, डॉ. सुबोध, सौरभ शर्मा आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की समीक्षा बैठक आज

नानकमत्ता : गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक मंगलवार को सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए महासचिव अमरजीत सिंह ''चांद'' ने बताया कि इस सत्र में गुरुद्वारा साहिब में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से, पूर्व में कमेटी के 13 सदस्यों को जारी किए गए नोटिसों के मामले पर भी विस्तार से विचार-विमर्श होगा। इस बैठक में संस्थागत अनुशासन और आगामी परियोजनाओं की रणनीति तय की जाएगी।

चोरी के 80 लाख के जेवर समेत दो गिरफ्तार

नानकमत्ता : पुलिस ने क्षेत्र में हुई चोरी की बड़ी घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि बिडौरा मझोला निवासी सरस्वती देवी और पक्की खमरिया निवासी बलदेव सिंह के घर हुई चोरी की शिकायतों पर पुलिस ने सीसीटीवी व सर्विलांस की मदद से ताबड़तोड़ जांच शुरू की थी। पुलिस ने रणजीत सिंह (सुन्दरपुर) और गुरमीत सिंह (करनाल, हरियाणा) को दबोचकर उनके कब्जे से चोरी की गई लगभग 80 लाख रुपये की ज्वैलरी (सोने की चेन, अंगूठी, मंगलसूत्र) और 6600 रुपये की नकदी बरामद की है।

ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी का कुल शरीफ धूमधाम से मनाया

खटीमा : शाह सकलेनी कमेटी के तत्वावधान में ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी का कुल शरीफ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मिलाद शरीफ का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें ख्वाजा गरीब नवाज की जिंदगी, उनकी शिक्षाओं और उनकी करामाती जिंदगी पर उलेमाओं ने रोशनी डाली। दरूद फतिया के दौरान मुल्क की तरक्की तथा अमन चैन की दुआ मांगी गई। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष मो जफर गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, डॉ इलियास सिद्दीकी बलीउद्दीन सकलानी, गुलाम कादर अखलाक सकलानी, मौलाना फरियाद आलम उपस्थित रहे।

रसायन विज्ञान की मुख्य प्रयोगात्मक परीक्षा एक से

काशीपुर : राधेहरि पीजी कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. नीरू गुप्ता ने बताया कि रसायन विज्ञान विषय की मुख्य प्रयोगात्मक परीक्षा 1, 2, 3 जनवरी को सुबह नौ बजे से होगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से समय से पहुंचने की अपील की है।

सितारगंज में प्रकाशोत्सव पर भव्य नगर कीर्तन, जयघोष से गूंजा शहर

नगर कीर्तन में रंजीत अखाड़े के सदस्यों ने हैरतअंगेज गतका प्रदर्शन किया, भीड़ उमड़ी

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा कलगीधर सिंह सभा द्वारा सोमवार को भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। शनिवार को शुरू हुए श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत, गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन का शुभारंभ हुआ।

नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। नगर कीर्तन में रंजीत अखाड़े के सदस्यों ने हैरतअंगेज ''गतका'' प्रदर्शन किया और पाइप बैंड मुख्य आकर्षण रहे। सितारगंज व नानकमत्ता के विभिन्न स्कूलों के छात्रों और धार्मिक जत्थों ने गुरु महिमा का गुणगान कर संगत को निहाल किया। ''राज करेगा खालसा'' और ''बोले सो निहाल'' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मुख्य चौराहा, किच्छा रोड और बिजटी चौक होते हुए नगर कीर्तन वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचा, जहां लंगर का आयोजन हुआ। यहां प्रधान ठाकुर सिंह, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पलविंदर सिंह औलख, गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान दलबीर सिंह बल, सुखवीर सिंह बेदी, महेश मित्तल, अजीत सिंह जोशन, नरेंद्र बमराह, नवतेज पाल सिंह, आगरा गुरुद्वारा के जत्थेदार बाबा पाल सिंह, हरपाल सिंह, सतपाल सिंह, गुरदेव सिंह, संतोख सिंह, चरणजीत सिंह, इकबाल सिंह भुल्लर, त्रिलोक अरोरा, गुरसेवक सिंह महार, हरभजन सिंह संधू, मंदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल को सम्मानित करते गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लोग।

बाजपुर में प्रभात फेरी निकालकर गुरुवाणी का यशगान करती संगत।

बाजपुर में प्रकाश पर्व को समर्पित प्रभातफेरी निकाली

बाजपुर : दशम पिता गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व को समर्पित प्रभातफेरी सोमवार को गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर मुख्यमार्ग से होते हुए नगरपालिका वाली रोड मंजीत सिंह के आवास पर पहुंची, जहां भजन-कीर्तन के उपरांत हेड ग्रंथी बाबा इकवाल सिंह द्वारा सुख-समृद्धि की गुरु चरणों में अरदास की गई। इस दौरान नगर का वातावरण श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की भक्ति में सराबोर हो गया। भाई इकबाल सिंह ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जैसा बलिदान दुनिया में कहीं भी देखने को नहीं मिलता है। इस मौके पर जितेंद्र अरोड़ा, तरुण खन्ना, ज्योति खन्ना, सरताज सिंह सैनी, बबलू, नत्था सिंह, जगजीत सिंह, रंजीत सिंह, कृष्णा कौर, सुखविंदर कौर, करतार सिंह, प्रांशु मैनी, कुलवंत सिंह, मंजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एक दूसरे के खिलाफ जोर आजमाइश करते खिलाड़ी।

लंबी कूद में अभिषेक एवं दौड़ में आयुष रहे अव्वल

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ के पहले दिन सोमवार को बालक वर्ग की प्रतियोगिता संपन्न हुई। 19 वर्ष आयु वर्ग में अभिषेक सागर ने लंबी कूद और आयुष सकलानी ने सौ और दो सौ मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

खेल संयोजक बालमुकुंद तिवारी, बीडीओ सीआर आर्य और सहसंयोजक ह्रदेश कुमार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्नीस वर्ष आयु वर्ग की एक सौ और दो सौ मीटर दौड़ में आयुष सकलानी और मनीष विश्वास, चार सौ मीटर दौड़ में सुखदेव और अनीश राय, आठ सौ मीटर दौड़ में इरफान अंसारी और विनोद कुमार, पांच हजार मीटर दौड़ में आनंद कुमार और देव, लंबी कूद में अभिषेक सागर और नमन साही, गोला फेंक में करन बहादुर और हिमांशु बिष्ट, चक्का फेंक में वरुण भट्ट और करन, भाला फेंक में ऋतिक कुमार और अभिषेक ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल में स्कॉलर वैली स्कूल और खो-खो में पीएमश्री इंटर कालेज शक्तिफार्म ने स्वर्ण पदक जीता। चौदह वर्ष आयु वर्ग के 60 मीटर दौड़ में पवन जोशी और वंश सिकदार एवं 600 मीटर दौड़ में सारांश यादव और सागर सिंह, लंबी कूद में मानव मंडल और पवन जोशी, गोला फेंक में शौर्य बिष्ट और अक्ष टम्टा ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालीबॉल में स्कॉलर वैली स्कूल और खो-खो में न्यू ज्ञानदीप स्कूल ने स्वर्ण पदक जीता।

मौर्य अकादमी की शानदार जीत

किच्छा: क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर द्वारा आयोजित जिला सीनियर क्रिकेट लीग में मौर्य क्रिकेट अकादमी ने जीपीएस रेलवे काशीपुर को 76 रनों से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मौर्य अकादमी ने मयंक मंडेला की 200 रनों की ऐतिहासिक पारी की बदौलत निर्धारित 40 ओवरों में 299 रन बनाए। सचिन सकलानी ने भी 40 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीपीएस रेलवे की टीम 223 रनों पर सिमट गई। टीम के लिए प्रखर वर्मा ने 65 और सिमरनजीत ने 50 रन बनाए। अंपायरिंग राजेंद्र कुमार, जे.पी. सिंह और अमन कुमार ने की।

लंबित मामलों का निस्तारण किया जाए

बाजपुर: अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर सिंह ने सोमवार को बाजपुर कोतवाली का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिकार्ड रूम, मालखाना, शस्त्रागार, बैरक, महिला हेल्प डेस्क सहित विभिन्न कक्षों में साफ-सफाई, रखरखाव व व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। एएसपी ने कोतवाली परिसर में फाइलों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, साफ-सफाई व्यवस्था तथा कक्षों में किए गए सुधारात्मक कार्यों पर संतोष जताया।

किच्छा में जनता की समस्याएं सुनते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की उठाई मांग

किच्छा : विधायक तिलक राज बेहड़ ने आवास विकास स्थित कार्यालय में 'जन संवाद' कार्यक्रम के तहत क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। कड़ाके की ठंड को देखते हुए विधायक ने उप जिलाधिकारी को पत्र लिखकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सरकारी अस्पताल और मुख्य चौराहों पर तत्काल अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। जन संवाद के दौरान बिजली, पानी, सड़क और भूमि कटान जैसी दर्जनों शिकायतों पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर भूपेंद्र चौधरी, दर्शन कोली सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बच्चों को संस्कारवान बनाएं

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: बच्चों का बौद्धिक व मानसिक विकास के लिए शिक्षण के साथ अपने संस्कृति व सांस्कृतिक ज्ञान जरूरी होना चाहिए। बच्चों के शिक्षण के साथ शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए क्रीड़ा प्रतियोगिता का अभ्यास होना जरूरी है। बच्चों को संस्कारवान बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यह बात मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोरा ने कही।

मदर इंडिया ग्लोबल स्कूल आनंदखेड़ा में वार्षिक उत्सव एवं मिगतेशी विंटर कार्निवल- तृतीय अत्यंत उत्साह, उमंग और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोरा, विशिष्ट अतिथियों में मनीष अग्रवाल, सीए अशोक सिंघल, डॉ. मनदीप सिंह व अमित नारंग ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के बाद मनमोहक देश भक्ति गीत एवं विभिन्न भाषाओं में गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के डायरेक्टर अनमोल विज ने अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य साधना बटसर ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक रश्मि विज व संचालन पल्लवी शुक्ला व जयंती कोरंगा ने किया। इस मौके पर बलवंत राय अरोरा, पमिता अरोरा, डायरेक्टर प्रियंका विज, डायरेक्टर मनीष अरोरा, डायरेक्टर, सिमरन अरोरा, किशन अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

मदर इंडिया ग्लोबल स्कूल में विधायक शिव अरोरा को सम्मानित करते प्रबंधक।

खटीमा में युवक को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराते पदाधिकारी।

उक्रांद का चलो गांव की ओर अभियान हुआ तेज

खटीमा : उत्तराखंड क्रांति दल ने चलो गांव की ओर अभियान के तहत जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी की अध्यक्षता में ग्राम झनकट जसारी, सबौरा, गौझरिया, पटिया, देवरी, चांदपुर, दिया, बिरिया, मझोला, बनकटिया आदि गांव का भ्रमण कर लोगों को उक्रांद परिवार से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाया। भ्रमण के दौरान उक्रांद के राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया ने कहा कि उक्रांद एक दल ही नहीं बल्कि उत्तराखंड में निवास करने वाले प्रत्येक जनमानस का दिल है। इस दौरान किशन चंद, प्रेमचंद, रघुवर चंद, लाल बहादुर चंद, भगवान सिंह सामंत, त्रिभुवन सिंह धीरपोला, धीरज गटोरी, योगेंद्र सिंह मंडेला, दीपक कोहली, पूरन चंद्र पांडे आदि ने पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धन बहादुर चंद, जिला संरक्षक दुर्गा सिंह सामंत, भवानी शंकर, कैलाश भट्ट आदि मौजूद रहे।

नए साल में महिलाओं को मिला पिंक ई-रिक्शा का तोहफा

● दो कलस्टर की आठ महिलाओं को मिले पिंक ई-रिक्शा

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को नए साल में पिंक ई-रिक्शा का तोहफा मिला है। जिसे चलाकर महिलाएं न सिर्फ स्वावलंबी होगी बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी सशक्त बनेगी।

सोमवार को खंड विकास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में न्याय पंचायत सिसौना की सद्भावना और नया सवेरा नामक महिला क्लस्टर की आठ महिलाओं को आजीविका संवर्धन के लिए पिंक ई-रिक्शा वितरित किया गया। ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल और बीडीओ सीआर आर्या ने हरी झंडी दिखाकर सभी पिंक ई-रिक्शा को रवाना किया।

बीडीओ सीआर आर्या ने बताया कि ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत चलाई जा रही ग्रामोत्थान रीप परियोजना के तहत महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा का वितरण किया गया है। इस दौरान रीप परियोजना के अनुश्रवण एंव मूल्यांकन विजय श्रीवास्तव, आदित्य राय सहित समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

हरी झंडी दिखाकर पिंक ई-रिक्शा को रवाना करते ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल।

सरस्वती एकेडमी की छात्राओं का जलवा

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : वन चेतना खेल स्टेडियम, चकरपुर में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ में सरस्वती एकेडमी, बिगराबाग की छात्राओं एवं छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। अंशिका उपाध्याय ने अंडर-19 वर्ग की फर्राटा रेस में रजत, 1500 मीटर में अंजलि भट्ट ने रजत और अंशिका उपाध्याय ने कांस्य पदक जीता। बालक वर्ग की सौ मीटर फर्राटा रेस में पवन रावत ने 100 मीटर में रजत पदक हासिल किया। वहीं अंडर-14 वर्ग की सौ मीटर में अमित भट्ट ने रजत पदक प्राप्त किया। मुर्गा झपट प्रतियोगिता में अजय सिंह ने रजत पदक हासिल किया। कबड्डी प्रतियोगिता में सरस्वती एकेडमी की टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। मुर्गा झपट खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पावनी (अंडर-14) और विनीता चिलकोटी (अंडर-19) का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

चयनित छात्राओं के साथ प्रबंधक।

नोजगे स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शानदार आगाज

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नोजगे पब्लिक स्कूल में 'वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2025' का भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजू भण्डारी, सहायक नगर आयुक्त विमला जोशी और रामलीला कमेटी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्कूल की प्रबंधिका सुरेंद्र कौर व प्रधानाचार्य आरिज अल्वी की देखरेख में आयोजित इस समारोह में छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों से समां बांध दिया।

प्रतियोगिताओं के पहले चरण में रेड, ब्लू, यलो और ग्रीन हाउस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। क्रिकेट में यलो और रेड हाउस विजयी रहे, जबकि फुटबॉल में ब्लू व यलो हाउस ने बाजी मारी। एथलेटिक्स की ऊंची कूद, शॉटपुट और ताइक्वान्डो में ब्लू हाउस का दबदबा रहा।

हॉकी, खो-खो, शूटिंग और कबड्डी में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बॉक्सिंग और तीरंदाजी में रेड और यलो हाउस के प्रतिभागियों ने मेडल जीते। अंत में विजयी खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नोजगे पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान मौजूद अतिथि।

टनकपुर शारदा नदी पर शैक्षिक भ्रमण पर सोर वैली पब्लिक स्कूल के बच्चे।

सोर वैली के बच्चों ने किया शारदा नदी का वार्षिक भ्रमण

खटीमा : सोर वैली पब्लिक स्कूल के विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने टनकपुर स्थित शारदा नदी के संबंध में जानकारियां हासिल की। उन्होंने जंगल में औषधीय एवं तैलिया सुगन्ध युक्त पौधों का भी निरीक्षण किया। कक्षा 6 से 10 के विद्यार्थियों ने अपने भ्रमण के दौरान शारदा नदी की पवित्रता उसके गुण आदि की तमाम जानकारियां एकत्रित कीं। इस दौरान बच्चों ने मां पूर्णागिरि के दर्शन किए। इस मौके पर गणेश समस्त सोर वैली पब्लिक विद्यालय परिवार सम्मिलित रहा। इस अवसर पर प्रबंधक गणेश ठकुराठी, चेयरमैन बसंत बल्लभ जोशी, प्रधानाचार्य ममता धौनी, गायत्री बसेड़ा, नीरज गंगवार, रितु चंद, सरस्वती चंद शामिल रहे।

डायनेस्टी ने जीता पांच लाख का इनाम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की संगीत टीम ने 25 से 28 दिसम्बर तक सत्यवाणी संगीत की जुबानी गुरुदेव अवधूत लक्ष्मी नारायण कृत सत्यवाणी भजन कार्यक्रम, नारायणी धाम अलवर राजस्थान में प्रतिभाग करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। संगीत टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए पांच लाख की धनराशि और ट्रॉफी जीती है।

संगीत टीम में विद्यालय के संगीत प्रशिक्षक नर सिंह कुंवर, ऊधम सिंह, रेनू उपाध्याय छात्रा प्रियांशी बिष्ट, छात्र जतिन कठायत, आर्यन मनोला ने प्रतिभाग किया। टीम की इस उपलब्धि पर प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने कहा कि संगीत के क्षेत्र में विद्यालय की यह विशेष उपलब्धि है। छात्र छात्राओं के साथ ही संगीत प्रशिक्षक के कठोर परिश्रम से विद्यालय ने यह ख्याति प्राप्त की है। टीम की उपलब्धि पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आइवन, सुरेश ओली, अशोक जोशी, हरीश भट्ट, केशव जोशी, हेमलता बोरा, शिल्पा सक्सेना ने विजेता प्रतिभागियों व प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

सत्यवाणी भजन कार्यक्रम में प्रथम रही डायनेस्टी स्कूल की टीम।

हादसे में बाइक सवार की मौत

सितारगंज : ग्राम मगरसड़ा में रविवार रात सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। रविवार रात लगभग नौ बजे 108 एंबुलेंस के माध्यम से पुलिस को सड़क हादसे की सूचना मिली।सूचना पर थाना हाजा से रात्रि अधिकारी राकेश सिंह रॉकली डायल-112 टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में सामने आया कि ग्राम लामाखेड़ा निवासी 18 वर्षीय बख्शीश सिंह पुत्र मंगल सिंह मोटर साइकिल से घर जा रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपजिला चिकित्सालय सितारगंज में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा कर पिता-पुत्र की मौत

संवाददाता, किच्छा

● गोकुल नगर के पास बाइक ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई

अमृत विचार: हल्द्वानी मार्ग पर गोकुल नगर के पास सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में पिता-पुत्र की जान चली गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बाइक सवार विजय कुमार और उनके सात वर्षीय मासूम बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम रजपुरा गड़रिया बाग निवासी विजय कुमार (30 वर्ष) अपने पुत्र सिंधु (7 वर्ष) के साथ बाइक से किसी कार्यवश गोकुल नगर की ओर गए थे। इसी दौरान हाईवे पर हल्द्वानी की ओर से आ रही एक अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल पिता-पुत्र को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,30 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

18 लाख की लागत की दो सड़कों का किया शिलान्यास

काशीपुर : विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने 18 लाख की लागत से बनने वाली क्षेत्र की दो सड़कों का शिलान्यास किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत गोपीपुरा की कॉलोनी में धर्म सिंह के घर के पास सीसी रोड से अर्जुन सिंह के घर तक दोनों ओर नाली सहित टायल मार्ग का निर्माण होगा। वहीं, राम आसरे के घर के पास मुख्य मार्ग से रिंकू के घर तक दोनों ओर नाली सहित टायल मार्ग बनाया जाएगा। दोनों सड़कों के निर्माण की लागत 18 लाख आएगी। गुणवत्तापूर्वक कार्य कराया जाएगा। मौके पर पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, बबलू चौधरी, विनीता बिष्ट आदि मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाली टीमों का किया चयन

काशीपुर : चामुंडा देवी मंदिर परिसर में पूरन चन्द्र कांडपाल की अध्यक्षता में सोमवार को उत्तरायणी मकर संक्रांति मेला समिति की बैठक हुई। जिसमें बताया कि आगामी बुधवार 14 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्तरायणी मकर संक्रांति मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाली स्थानीय टीमों का अंतिम चयन किया गया है। बैठक में पूरन चन्द्र कांडपाल, दीपक कुमार पांडे, महेश चन्द्र पांडे, मनोज भंडारी मौजूद रहे।

मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति लापता

काशीपुर : मानसिक रूप से कमजोर एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है। मोहल्ला अल्ली खां निवासी शमा परवीन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके 37 वर्षीय पति मौ. शाहिद बीती 12 दिसंबर की सुबह करीब 10.15 बजे से लापता है। बताया कि उनकी मानसिक हालत सही नहीं है और अभी तक घर वापस नहीं आये है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

ट्रैक पैकिंग कार्य के चलते बंद रहेगा यातायात

काशीपुर : पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल के तहत अलीगंज-काशीपुर रेल खंड पर स्थित समपार फाटक संख्या 29/एबी/1 पर ट्रैक के अति आवश्यक इंजीनियरिंग रखरखाव व ट्रैक पैकिंग कार्य के चलते सड़क यातायात बंद रहेगा। रेलवे विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह ट्रैफिक ब्लाक 30 दिसंबर 2025 से 3 जनवरी 2026 तक विभिन्न समय-सारिणियों पर लागू रहेगा।

जनसमस्याओं का किया मौके पर ही समाधान

बहुउद्देशीय शिविर में जनता को मिला सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ, 25 विभागों ने लगाए स्टॉल

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में लोगों की समस्या सुनते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरकार द्वारा संचालित जन-जन की सरकार, जन जन के द्वार व किसान दिवस कृषक गोष्ठी कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत खड़कपुर देवीपुरा के धनौरी प्रतापपुर इंटर कॉलेज में वृहद बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्याय पंचायत क्षेत्र के लगभग 08 ग्राम पंचायतों के साथ ही अन्य आम जनता ने प्रतिभाग कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

सोमवार को शिविर का शुभारंभ सांसद अजय भट्ट, विधायक त्रिलोक सिंह, ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा, मेयर दीपक बाली ने किया। शिविर में 25 विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से आम जनता को लाभान्वित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि जो जनकल्याणकारी योजनायें संचालित हैं, उन योजनाओं का लाभ शिविरों के माध्यम से सीधे आम नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो।

किसान गोष्ठी में किसानों को केवीके से डॉ. शिव कुमार शर्मा, डॉ. सिद्धार्थ कश्यप ने गन्ना, मक्का अन्य फसलों की बुआई, रोग निवारण, उन्नत बीज एवं उन्नत कृषि उपकरणों, मृदा परीक्षण के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही शिविर में कृषि, विद्युत, सिंचाई, पूर्ति, गन्ना, श्रम, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, उद्योग, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी, कौशल विकास, ग्राम्य विकास, राजस्व आदि विभागों की समस्यायें आई, जिनका मौके पर समाधान किया गया। शिविर में बाल विकास द्वारा 18 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई व 08 महालक्ष्मी किट वितरित किए गए।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष जोशी ने पशुपालन विभाग की विस्तृत जानकारियां दी। विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 120 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 47 का निस्तारण मौके पर ही करते हुए शेष 73 शिकायतों को विभागों को निस्तारण के लिए भेजा गया। शिविर में शैली स्वयं सहायता समूह व उन्नति स्वयं सहायता समूह को कैश क्रेडिट लिमिट के अंतर्गत 6 व 3 लाख की धनराशि का चेक व मुख्यमंत्री सहायता कोष से चार लाभार्थियों को 1.40 लाख रुपए के चेक वितरित किए गए। शिविर में 46 आधार कार्ड अपग्रेड व नए, 30 आयुष्मान कार्ड, 85 स्थायी निवास प्रमाण पत्र, 16 जाति प्रमाण पत्र, 98 आय प्रमाण पत्र, 38 परिवार रजिस्टर नक़ल, 10 बीपीएल कार्ड, 04 जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, 12 वृद्धावस्था पेंशन, 06 एसइसीसी सर्टिफिकेट और 02 दिव्यांग प्रमाण पत्र, 02 शादी अनुदान, 08 यूडी आईडी कार्ड जारी किए गए। शिविर में महिला समूहों द्वारा लगाये गए स्टॉल में महिलाओं द्वारा 14375 रुपए की हस्तनिर्मित सामग्री की बिक्री की गई।

शिविर में दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, महामंत्री सुशील शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला, खण्ड विकास अधिकारी आतिया परवीन, सहायक निदेशक मत्स्य संजय छिमवाल, समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई सुशील कुमार, पीडब्ल्यूडी विवेक सक्सेना, भूमि संरक्षण अधिकारी कल्याण सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में पुलिस को ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

महिला के खिलाफ पुलिस को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: करणी सेना की जिलाध्यक्ष बताने वाली एक महिला द्वारा संविधान जलाने के बयान पर गुस्साए भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूर्व जिलाध्यक्ष अजय कुमार गौतम के नेतृत्व में कोतवाली पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें करणी सेना की जिलाध्यक्ष बताने वाली रामनगर निवासी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि स्वयं को करणी सेना की जिला अध्यक्ष बताने वाली महिला ने सार्वजनिक रूप से कहा कि यदि जातिवाद खत्म करना है तो संविधान जला दो। महिला ने भारतीय संविधान, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा देश के करोड़ों नागरिकों का घोर अपमान किया है। भारतीय संविधान की बदौलत ही महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़े वर्गों एवं वंचित समाज को समानता, सम्मान और अधिकार प्राप्त हुए हैं। संविधान को जलाने की बात करना न केवल समाज में नफरत फैलाने का प्रयास है, बल्कि यह कानूनी अपराध है। उन्होंने दोषी को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष सौरभ कुमार, संगठन मंत्री कपिल कुमार, गौतम कुमार प्रभारी, लेखराज गौतम, राजेंद्र सिंह गौतम आदि मौजूद रहे।

मास्टर स्कूल में संस्कृति का संगम

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में मास्टर इंटरनेशनल स्कूल के कार्निवाल में प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

अमृत विचार: मास्टर इंटरनेशनल स्कूल द्वारा अपने नवनिर्मित विद्यालय भवन में एक भव्य और रंगारंग कार्निवल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए मनोरंजन का केंद्र रहा, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और नवाचार का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता नजर आया।

रविवार शाम को आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, विजेंद्र चौधरी अध्यक्ष ओलंपिक एथलेटिक्स सिलेक्शन बोर्ड, संजय बंसल पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री भाजपा और धीरेंद्र कुमार साहू खंड शिक्षा अधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने कहा कि मास्टर इंटरनेशनल स्कूल ने बहुत कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में जो पहचान बनाई है, वह सराहनीय है। नई बिल्डिंग और आधुनिक सुविधाएं यह दर्शाती हैं कि विद्यालय भविष्य की शिक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। खंड शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र कुमार साहू ने विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता की प्रशंसा की। कार्निवल में विद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकार के आधुनिक गेम्स लगाए गए, जिनमें बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आकर्षक उपहार जीते। कार्यक्रम में साइंस एग्जीबिशन एवं आर्ट एग्जीबिशन भी लगाई गई, जहां बच्चों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में लगभग साढ़े तीन हजार लोगों की उपस्थिति रही, जिससे विद्यालय परिसर उत्सव स्थल में परिवर्तित हो गया। विद्यालय के निदेशक डॉ. गौरव गर्ग के अथक प्रयासों की सभी अतिथियों ने सराहना की। वहां पर जितेंद्र देवलाल, विनीत सिंघल, ललित रौतेला, बसंत बल्लभ भट्ट, राधे श्याम तिवारी, दीपिका अग्रवाल, कविंद्र डसीला, प्रदीप सपरा, अराफात सिद्दीकी, प्रीति अरोड़ा, इंद्रजीत कौर, बबीता पंत, विपिन अग्रवाल मौजूद रहे।

गार्ड की मौत के मामले में केस दर्ज

काशीपुर: फैक्ट्री गार्ड का संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव के मामले में पुत्र ने फैक्ट्री मालिक व उसके सहकर्मियों पर अपने पिता की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ग्राम सैदपुरा, औरंगाबाद जिला बुलंदशहर निवासी रिंकू कुमार ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पिता कर्मवीर सिंह कुछ दिन पूर्व गांव के ही अपरांत के साथ तोशा इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, महुआखेड़ा गंज, पैगा में कार्य करने के लिए आये थे। बताया कि रविवार को धर्मेन्द्र नाम के व्यक्ति ने उसे फोन पर सूचना दी कि उसके पिता का शव फैक्ट्री गेट पर पड़ा है। सूचना पर उसने अपरांत के मोबाइल पर कॉल किया, तो उसने नहीं उठाई। तहरीर में मृतक के पुत्र रिंकू ने बताया कि उसे संदेह है कि उसके पिता को फैक्ट्री मालिक व उनके सहकर्मियों और अपरांत द्वारा रंजिशन हत्या कर दी है।

भुगतान को लेकर की तालाबंदी

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में धरना प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धान की फसल बेचने के महीनों बाद भी भुगतान न मिलने से नाराज भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) से जुड़े किसानों ने सोमवार को काशीपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति कार्यालय पर धावा बोल दिया। किसानों ने अधिकारियों पर टालमटोल का आरोप लगाते हुए कार्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर दी और सड़क पर ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

सोमवार दोपहर लगभग एक बजे भाकियू कार्यकर्ता और किसान सहकारी समिति कार्यालय पहुंचे। किसानों ने लेखाधिकारी राजकुमार सिंह से अक्टूबर में तौले गए धान को सरकारी पोर्टल पर न चढ़ाए जाने का कारण पूछा। उन्होंने बताया कि काशीपुर ब्लॉक में कुल 12 तौल केंद्र स्थापित किए गए थे। विभाग द्वारा 54 हजार क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित था। समिति लक्ष्य पूरा कर चुकी है, लेकिन लगभग 12 हजार क्विंटल धान लक्ष्य से अधिक खरीदा गया है। उच्चाधिकारियों से अनुमति न मिलने के कारण यह अतिरिक्त धान पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पा रहा है। अधिकारी के जवाब से असंतुष्ट किसान भड़क गए और नारेबाजी करते हुए कार्यालय परिसर में तालाबंदी कर दी। भाकियू युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू ने कहा कि किसानों ने कर्ज लेकर फसल उगाई थी। दो-ढाई महीने बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं मिला है, जिससे अब गेहूं की बुवाई और अन्य कृषि कार्य रुक गए हैं। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक 12 हजार क्विंटल धान पोर्टल पर चढ़ाकर भुगतान की प्रक्रिया शुरू नहीं होती, उनका आंदोलन और तालाबंदी जारी रहेगी। धरने पर मुख्य रूप से मनप्रीत सिंह, अविनाश सिंह, लवप्रीत सिंह, गुरविंदर सिंह, उदित शर्मा, सतनाम सिंह, गुरमुख सिंह आदि मौजूद रहे।

मनरेगा में हो रही अनियमितता

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में बैठक के दौरान विरोध जताते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मनरेगा योजना में हो रही अनियमितताओं और कार्यकर्ताओं के नाम सूची से हटाए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने सोमवार को ग्राम सभा गुलड़िया में जोरदार प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कमजोर करने और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को योजना से हटाने के प्रयासों पर कड़ा रोष व्यक्त किया। धरने के दौरान एआईसीसी सदस्य अनुपम शर्मा ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का सबसे बड़ा साधन है, लेकिन पिछले कुछ समय से पात्र मजदूरों के नाम पोर्टल से हटाए जा रहे हैं और उन्हें काम देने में आनाकानी की जा रही है। महानगर अध्यक्ष अलका पाल ने स्पष्ट किया कि यदि मजदूरों के अधिकार वापस नहीं दिए गए और पारदर्शी तरीके से कार्य आवंटन शुरू नहीं हुआ, तो यह आंदोलन केवल गांव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जिला मुख्यालय तक ले जाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, पूर्व प्रधान रियासत अली, प्रदेश सचिव जितेंद्र सरस्वती, कांग्रेस नेत्री अजिता शर्मा, राकेश भगत, पार्षद शाह आलम, हनीफ गुड्डू आदि मौजूद रहे।

नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष बने मनोज

काशीपुर: नीलकंठ चिल्ड्रन एकेडमी के प्रांगण में रविवार को गढ़वाल सभा की 14वीं कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि वेदांता हॉस्पिटल काशीपुर के स्वामी डॉ. शेखर बिष्ट रहे। डॉ. शेखर बिष्ट एवं पूजा बिष्ट ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। डॉ. बिष्ट ने गढ़वाल सभा के उत्थान के लिये 21 हजार रुपये की अनुदान राशि भेंट की तथा सभी पदाधिकारियों को पारंपरिक पहाड़ी टोपी पहनाकर सम्मानित किया। गढ़वाल सभा के वरिष्ठ संरक्षक एवं फाउंडर मेंबर एसएस रावत ने सभा की प्रगति के लिए 25 हजार की सहयोग राशि देने की घोषणा की।

दौड़ में दिव्या तो गोला फेंक में साक्षी अव्वल

- मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी विधानसभा स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता, काशीपुर

दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि विधायक त्रिलोक सिंह चीमा।

अमृत विचार: स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में शिक्षा, खेल, पंचायत राज्य युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी विधानसभा स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

विधायक चीमा ने इस दौरान अंडर-14 बालिका वर्ग की 60 मीटर दौड़ को क्लैपर बजाकर शुरू किया। प्रतियोगिता के पहले दिन मुख्य रूप से बालिका वर्ग की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। जिसमें अंडर-14 वर्ग की 60 मीटर दौड़ में दिव्या जोशी, गोला फेंक में साक्षी मेहता, ऊंची कूद में अनम, पिट्ठू खेल में द्रोन पब्लिक स्कूल, वालीबाल में स्पोर्ट्स स्टेडियम काशीपुर, मुर्गा झपट 28 किग्रा में मुस्कान, 31 किग्रा में मुस्कान, 34 किग्रा में अनन्या, 37 किग्रा में चांदनी, 40 किग्रा में वर्षा प्रथम रही। वहीं अंडर-19 वर्ग की 200 मीटर दौड़ में नेहा नेगी, 400 मीटर दौड़ में भक्ति, 1500 मीटर दौड़ में तुसिका, चक्का फेंक में शादमानी खान, गोला फेंक में रिंकी, भाला फेंक में स्वाति राय, मुर्गा झपट 44 किग्रा में नैना कुमारी, 47 किग्रा में विनीता प्रथम स्थान रहे। समापन पर मुख्य अतिथि समेत अन्य अतिथियों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

यहां शिवालिक स्कूल प्रबंधक बसंत बल्लभ भट्ट, ब्लॉक खेल समन्वयक गौरव शर्मा, सतीश विश्नोई, युवा कल्याण अधिकारी कंचन रावत, प्रवक्ता कौशलेश गुप्ता, क्रीड़ा अधिकारी नवनीत सिंह, राजेंद्र सिंह बिष्ट, विमल पांडेय आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि विधायक शिव अरोरा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन को आदर्श मूल्यों का सार्थक उदाहरण बताया

अटल स्मृति सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हुए सम्मानित

संवाददाता, रुद्रपुर

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व सांसद बलराज पासी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में सोमवार को रुद्रपुर के सिटी क्लब में 'अटल स्मृति सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक व विधायक शिव अरोरा ने अटल जी के जीवन को आदर्श मूल्यों का सार्थक उदाहरण बताते हुए कहा कि उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

अरोरा ने याद दिलाया कि कैसे दो सांसदों की कमी के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना स्वीकार किया, लेकिन अपनी विचारधारा पर अडिग रहे।इस अवसर पर अटल जी के साथ संघर्ष के दौर में कार्य करने वाले वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं—यशपाल घई, कस्तूरी लाल तागरा, वेद ठुकराल, मीना शर्मा और बलराज पासी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

पूर्व सांसद बलराज पासी ने कहा कि सर्वशिक्षा अभियान और पोखरण जैसे साहसिक फैसलों के लिए विश्व सदैव उनका ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान पर चर्चा की

बाजपुर : बाजपुर सिंचाई गेस्ट हाउस में सोमवार को आयोजित 'अटल स्मृति सम्मेलन' में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में बतौर जिला सह-संयोजक एवं प्रमुख वक्ता के रूप में पहुंचे सीपीयू चेयरमैन (राज्य मंत्री स्तर) श्रीराम मल्होत्रा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक महान देशभक्त, श्रेष्ठ कवि, सम्मानित पत्रकार और दूरदर्शी नेता थे। कार्यक्रम में भाजपा नेता राजेश कुमार व गौरव शर्मा, मंडल अध्यक्ष टिंकू यादव, गुरमुख सिंह, कन्नू जोशी, एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष यशपाल राजहंस, बीडीसी सदस्य सुरेंद्र नामधारी, संदीप गुप्ता, धर्मपाल जाटव, राकेश गुप्ता, संजीव, राजेश सैनी, विनोद कुमार, स्तुति गुप्ता, ममता जैन, राकेश कुमार, शुभम पांडेय, रविकांत आदि मौजूद रहे।

जसपुर पहुंचे सांसद अजय भट्ट का भाजपाइयों ने किया जोरदार स्वागत

जसपुर : अटल स्मृति सम्मेलन का सूत मिल चौकी के पास टीआरसी में आयोजन किया गया। यहां पहुंचे नैनीताल लोकसभा सांसद का भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। सोमवार को टीआरसी में अटल स्मृति सम्मेलन में पहुंचे सांसद अजय भट्ट का भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल समेत भाजपाइयों ने स्वागत किया। सम्मेलन में सांसद भट्ट ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद कर उनकी उपलब्धियां गिनाईं। इसके बाद जनप्रतिनिधि एवं लोगों ने सांसद को मांग पत्र सौंपे। प्राथमिक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने समान पैत्रक जाति के आधार पर नियुक्ति करने की मांग की। ग्राम निवारमंडी की प्रधान राजेश्वरी देवी ने श्मशान घाट का सौंदर्यीकरण कराने, प्लेटफार्म निर्माण, टिनशेड तथा प्रकाश व्यवस्था कराने की मांग की। ग्राम राजपुर की प्रधान इल्मा परवीन ने गांव में सीसी टाइल्स रोड निर्माण को मांग पत्र दिया। यहां पूर्व विधायक डा. शैलेंद्र मोहन सिंघल, तीरथ सिंह, राजकुमार चौहान, खड़क सिंह मौजूद रहे।

दिनेशपुर में वाजपेयी को किया याद

दिनेशपुर : को अटल उत्कृष्ट स्व. चितरंजन राहा राजकीय इंटर कॉलेज के स्वामी विवेकानंद हॉल में दिनेशपुर भाजपा मंडल के तत्वावधान में गदरपुर विधानसभा का अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन को विधायक अरविंद पांडेय, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, गुरविंदर सिंह, भारत भूषण चुघ, भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मंडल ने संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया। सम्मेलन में बरीराई जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, वरिष्ठ नेता चंद्रकांत मंडल, नपं पूर्व अध्यक्ष सीमा सरकार, पूर्व जिपंस मोहन सिंह पानू, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु सरकार, योगेश पानू, दीपा पपोला मौजूद रहे।

कृषक गोष्ठी में जानकारी देते अधिकारी एवं मंचासीन एसडीएम एवं जनप्रतिनिधि।

उत्कृष्ट कार्य के लिए 12 कृषकों को किया सम्मानित

बाजपुर : किसान दिवस के अवसर पर कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ एसडीएम डा.अमृता शर्मा, ब्लाक प्रमुख सुखमन कौर औलख आदि ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस दौरान उत्कृष्ट कृषि कार्य के लिए 12 कृषकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सोमवार को विधानसभा बाजपुर के विकासखंड सभागार में एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कृषि से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कृषक गोष्ठी में पंतनगर विश्वविद्यालय से आए कृषि विज्ञानी विपिन ध्यानी ने ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में मक्का, दलहनी फसलें, मैन्था, गन्ना एवं सब्जी उत्पादन जैसे लाभकारी विकल्प प्रस्तुत किए। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा ने किसानों की धान बिक्री की समस्या एवं गन्ना भुगतान में देरी का मुद्दा उठाते हुए एसडीएम को अवगत कराया। कार्यक्रम में तहसीलदार प्रताप चौहान, विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर, भाजपा नेता राजेश कुमार, कांग्रेसी नेता डीके जोशी आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

नये साल के जश्न पर हुड़दंग किया तो कार्रवाई

टनकपुर : एसपी अजय गणपति ने जिले के सभी प्रभारी निरीक्षकों व थानाध्यक्षों को 31 दिसंबर व 1 जनवरी को देखते हुए पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों, चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शराब के नशे में शांति व्यवस्था भंग करने वाले हुड़दंगियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने को कहा है। एसपी ने कहा है कि प्रमुख पर्यटन स्थलों पर नववर्ष पर काफी पर्यटक आते हैं, जिनकी सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के साथ पर्यटक स्थलों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। एसपी ने होटल व ढाबों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, टैक्सी स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, अस्पताल में गंदगी फैलाने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए

जिला अस्पताल के जन औषधि केंद्र में मिलीं खामियां, जांच के निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सोमवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में संचालित जन औषधि केंद्र में तमाम खामियां मिली। जिस पर डीएम ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

सोमवार को डीएम ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, औषधि वितरण कक्ष, जन औषधि केंद्र के स्टॉक रजिस्टर और दवाओं की उपलब्धता की जांच की। इसके अलावा अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे व पैथोलॉजी लैब की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया। जन औषधी के निरीक्षण के दौरान केंद्र में न पर्याप्त दवाइयां दिखीं और न ही दवाइयों का रिकार्ड। डीएम ने उपलब्ध दवाइयों का डाटा मांगा तो संचालिका नहीं दिखा पाई। डीएम ने तत्काल स्टॉक और बिक्री की गई दवाइयों को डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्टॉक रजिस्टर का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

अल्मोड़ा जिला अस्पताल में सोमवार को डीएम ने जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया।

रोगियों से संवाद कर समस्याएं सुनीं

निरीक्षण के दौरान डीएम ने जिला अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं का लाभ लेने आए रोगियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। इस अवसर पर पीएमएस एचसी गड़कोटी को निर्देशित किया गया कि अस्पताल की सभी सेवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप, सुचारु एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो। ताकि आमजन को समयबद्ध व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।

गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश

डीएम ने अस्पताल में सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, शौचालय व्यवस्था एवं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की समीक्षा की गई। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को शौचालयों की साफ सफाई सुनिश्चित करने और परिसर में गंदगी फैलाने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

- डीएम को पांच-छह बीमारियों की दवाएं ही दिखा पाए संचालक

बिना लाइसेंस चल रहा था जन औषधि केंद्र

डीएम के द्वारा जन औषधि केंद्र के लाइसेंस लाइसेंस की अवधि समाप्त होने की स्थिति को देखते हुए अग्रिम आदेशों तक केंद्र का संचालन सीएमएस की निगरानी में किए जाने के निर्देश दिए। वहीं, स्टॉक रजिस्टर का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने व किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

सीएम कैंप कार्यालय के बाहर दिया धरना

अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी दफ्तर से कैंप कार्यालय तक निकाला मार्च

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के सभी दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग और मामले में भाजपा की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता सोमवार को प्रदर्शन करते हुए सीएम कैंप कार्यालय पर धमक गए। प्रशासन ने आनन-फानन में कार्यालय के बाहर पुलिस तैनात कर दी। जिसके बाद कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यकर्ताओं ने मामले में हीला हवाली का आरोप लगाते हुए सीएम के इस्तीफे की मांग की।

चम्पावत के मादली में नये पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में गोरलचौड़ मैदान के समीप स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय तक नारेबाजी के साथ पैदल मार्च किया। वे अंकिता भंडारी हत्याकांड के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे। जैसे ही कार्यकर्ता सीएम कैंप कार्यालय के मुख्य गेट के पास पहुंचे पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने गेट के बाहर ही धरना शुरू कर दिया। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार अंकिता की हत्या में शामिल आरोपितों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। हंगामा बढ़ता देख एसडीएम सदर अनुराग आर्या मौके पर पहुंचे और उन्होंने वार्ता कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाया। कांग्रेसियों ने एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। जिसमें अंकिता को न्याय दिलाने और दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि 2022 में हुए इस जघन्य हत्याकांड में अब तक पूर्ण न्याय नहीं मिला है। हाल में मामले में नए खुलासे हुए हैं, जिनसे साफ है कि बड़े लोगों की संलिप्तता को छिपाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच में प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की गई। सीबीआई जांच की जरूरत है ताकि सच्चाई सामने आए। इस दौरान पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष निर्मला गहतोड़ी, एडवोकेट नवीन मुरारी, निर्मल तड़ागी, श्याम कार्की, लोकेश पांडेय, पवन पांडेय, नानू बोहरा, केदार सिंह, मनीष महर, अब्दुल नाजिम आदि रहे।

चम्पावत में मार्च निकालकर प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

रानीखेत में प्रदर्शन करते उत्तराखंड क्रांति दल के लोग। ● अमृत विचार

रानीखेत में उक्रांद कार्यकर्ताओं ने निकाली जन आक्रोश रैली

रानीखेत : उत्तराखंड क्रांति दल ने स्थानीय एवं क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर नगर में जन आक्रोश रैली निकाली। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी शिरकत की। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार विजय चौक से शुरू हुई जन आक्रोश रैली मुख्य बाजार से होकर गुजरी। रैली में शामिल लोग क्षेत्रीय समस्याओं के निदान सहित अन्य मांगों को लेकर नारेबाजी व जनगीत गाते चल रहे थे। उक्रांद ने इस जन आक्रोश रैली के माध्यम से रानीखेत को जिला बनाने जाने, ग्रामीणों को गुलदार व जंगली जानवरों से मुक्ति दिलाने, रानीखेत उप जिला चिकित्सालय में न्यूरो और कार्डियो विशेषज्ञ की नियुक्ति, सीटी स्कैन की व्यवस्था करने, सड़कों को गड्ढा मुक्त करने, गैरसैंण को शीघ्र स्थायी राजधानी घोषित करने, बेरोजगारी,पलायन, मूलनिवास भू कानून जैसे मुद्दे उठाते हुए त्वरित निराकरण की मांग सरकार से की। जन आक्रोश रैली में उक्रांद पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी, उक्रांद सलाहकार, वरिष्ठ नेता तुला सिंह तड़ियाल, आशुतोष नेगी, कुंदन सिंह नेगी शिवराज सिंह मेहरा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

जनता मिलन कार्यक्रम में मिलीं 120 शिकायतें, शीघ्र निस्तारण के निर्देश

संवाददाता, टनकपुर/ चम्पावत

अमृत विचार: सोमवार को जिला सभागार चम्पावत में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों ने 120 समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराईं। डीएम ने समस्याओं के निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान ललित मोहन जोशी, निवासी ग्राम मौराड़ी ने आधार कार्ड में नाम की त्रुटि के कारण पेंशन न मिलने की शिकायत की। इस पर डीएम ने ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को आधार संशोधन कराने तथा समाज कल्याण अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ले. कर्नल (सेनि) वीपीसी जोशी निवासी बरेली ने भूमि से अवैध कब्जा हटाने की शिकायत पर डीएम ने दोनों पक्षों को आपसी सहमति से प्रकरण निस्तारित करने का सुझाव दिया। बबीता देवी ने गौशाला उपलब्ध कराने, पार्वती देवी ने रुकी वृद्धावस्था पेंशन पुनः प्रारंभ करने, चन्द्रा देवी ने शौचालय निर्माण कराने, नागनाथ वार्ड के लोगों ने सैनिक कॉलोनी नागनाथ वार्ड में रोड निर्माण कराने के अलावा बबीता देवी ने आवास एवं राशन कार्ड से संबंधित, विनोद सिंह ने क्षतिग्रस्त पुल के सुधार, रिचा जोशी ने दिव्यांग पेंशन, इंद्रा देवी ने पेयजल समस्या, कमल सिंह ने केसीसी ऋण माफी, जानकी बोहरा ने राशन कार्ड निर्माण तथा भावना पांडे ने विधवा पेंशन से संबंधित समस्या रखी। डीएम मनीष कुमार ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले फरियादियों की समस्याओं का समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में एसडीएम अनुराग आर्य, अपर परियोजना निदेशक विम्मी जोशी, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, जिला विकास अधिकारी दिनेश डिगारी आदि मौजूद रहे।

चम्पावत में जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते डीएम मनीष कुमार।

अधिकारी मौके पर जाकर निपटाएं समस्याएं: डीएम

अल्मोड़ा : मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर की गई शिकायतों की सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने के अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिये। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। डीएम ने कहा कि जिन मामलों में स्थलीय निरीक्षण की आवश्यकता हो, वहां अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर समस्या का समाधान करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ताओं से फोन पर बात करें तथा उनकी वास्तविक समस्या को समझते हुए उनका निस्तारण करे। यहां बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: न्याय पंचायत पीपली के राइका देवलीखेत में न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत दुभणा दीपिका रावत एवं प्रधान ग्राम पंचायत संजगोड़ी वीरेन्द्र सिंह रावत ने किया।

अंडर 14 कबड्डी बालक वर्ग में ग्राम पंचायत सौनी ने देवलीखेत को पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। अंडर 19 बालिका वर्ग 800 मीटर दौड़ में कुमारी गायत्री बिष्ट प्रथम व कुमारी तनुजा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ । अण्डर 14 बालक वर्गगोला फेंक प्रतियोगिता में युवराज सिंह बिष्ट को स्वर्ण एवं तनुज सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया। अंडर 14 बालिका वर्ग 600 मीटर दौड़ में निकिता असवाल प्रथम आरुषी रावत दितीय व कल्पना बिष्ट तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान किए गए। संकुल समन्वयक राजीव खाती ने कहा कि प्रथम रहे विजेता विधानसभा स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यहां संयोजक राइका देवलीखेत के प्रधानाचार्य रमेश चन्द्र भट्ट, संकुल समन्वयक राजीव चन्द्र सिंह खाती, दिलीप गिरी गोस्वामी, यशोदा आदि रहे।

देवलीखेत में न्याय पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ अतिथि।

होटल में लगी आग लाखों का नुकसान

टनकपुर : नगर के आइटीआई परिसर के समीप एक होटल में देर रात आग लग गई। घटना की जानकारी उस समय हुई जब प्रतिष्ठान स्वामी के पति सुबह दुकान खोलने के लिए गए।

प्रतिष्ठान स्वामी के पति रेवाधर कापड़ी ने घटना की जानकारी पत्नी कलावती कापड़ी और बेटे जीवन कापड़ी को दी। दोनों आपन-फानन में मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को जानकारी देकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। अग्निशमन टीम भी मौके पर पहुंच गई और एक घंटे से अधिक की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने से दुकान के अंदर रखा फ्रिज, काउंटर एवं दुकान की सामग्री के साथ काउंटर में रखी नगदी भी जल गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

एबीवीपी ने विवि प्रशासन का पुतला फूंका

- समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर भड़के कार्यकर्ता
- सत्र कलैंडर के मुताबिक न चलने पर रोष, कुलसचिव का घेराव

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सोबन सिंह जीना परिसर की तमाम समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को नाराज कार्यकर्ताओं ने विवि कुलसचिव का घेराव कर पुतला फूंका और जमकर प्रदर्शन किया। जल्द समस्याओं का निदान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

इस मौके पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिमकनी मैदान का निर्माण कार्य होना था, लेकिन अब तक कार्य नहीं हो सका है। कई बार निर्माण कार्य के जांच की मांग की गई है। उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। कहा कि विवि में सत्र भी अकादमिक कलैंडर के मुताबिक नहीं चल रहा है। अब भी सत्र दो से तीन महीने पीछे चल रहा है। जिसका नुकसान छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं ने कुलसचिव का घेराव कर जल्द समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो एबीवीपी उग्र आंदोलन को बाध्य होगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी विवि प्रशासन की होगी। यहां पुतला फूंकने वालों में रोहित कुमल्टा, वंदना गोस्वामी, हिमांशु भट्ट, भास्कर जोशी, लकी जोशी, दिक्षात जोशी, प्रियांशु, पारस, आशीष, पुष्कर जोशी, साहिल नेगी, करन कापड़ी, निखिल उप्रेती समेत अन्य मौजूद रहे।

एसएसजे परिसर में सोमवार को विवि प्रशासन का पुतला फूंकते एबीवीपी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

आयोजन | हवालबाग में किसान दिवस का शुभारंभ, केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा ने सुनीं समस्याएं

जंगली जानवरों से फसल बचाने की मांग

- किसानों ने सिंचाई की सुविधाएं बढ़ाने पर दिया जोर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: हवालबाग ब्लॉक में सोमवार को किसान दिवस का शुभारंभ हुआ। इस दौरान तमाम किसानों ने विभिन्न समस्याओं को रख समाधान की मांग उठाई।

किसान दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने दीप जलाकर किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना। किसानों ने जंगली जानवरों से फसल की सुरक्षा के उपाय करने, सिंचाई की सुविधाओं को बढ़ावा दिए जाने की मांग की समस्याओं को रखा। जिस पर केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा कहा कि जो समस्याएं वास्तविक हैं, उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि जिन सिंचाई स्कीमों में सिंचाई की सुविधा में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, उसके समाधान के लिए प्राथमिता से कार्य किया जाए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन किसानों को किसान सम्मान निधि को प्राप्त करने में समस्या आ रही है, उन सभी समस्याओं को दूर किया जाए और नियमित रूप से किसानों को इस योजना का लाभ दिलाया जाए। यहां डीएम अंशुल सिंह, सीडीओ रामजी शरण शर्मा, निदेशक वीपीकेएएस डॉ. लक्ष्मीकांत, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, मुख्य कृषि अधिकारी आनंद गोस्वामी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हवालबाग में किसान दिवस पर समस्याओं से अवगत कराते काश्तकार। ● अमृत विचार

विकास कार्यों के कई प्रस्ताव पास

अल्मोड़ा : हलवाबाग के ग्राम पंचायत तलाड़बाड़ी में सोमवार को आयोजित खुली बैठक में स्वच्छता, पेयजल, नालों, सीसी खड़जों समेत कई विकास कार्यों के प्रस्ताव पास हुए। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को रखा।

स्वच्छता पर ग्राम प्रधान राधा बिष्ट ने सीवर का पानी गांव के बीचोंबीच छोड़ने वालों पर चालानी कार्रवाई करने का निर्णय लिया। क्षेत्र में स्वच्छक मित्र की नियुक्ति का भी प्रस्ताव पारित किया गया। जिला पंचायत सदस्य खत्याड़ी ममता कनवाल ने ग्राम पंचायत में विभिन्न विकास योजना को पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। बैठक में पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आनंद कनवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य जमन सिंह, ग्राम विकास अधिकारी रश्मि सुप्याल, किशन बिष्ट, वार्ड सदस्य पूनम बिष्ट, अंजीता बिष्ट, पूजा बिष्ट रहे।

प्रतिभा परीक्षा में सफल रहे छात्र छात्राओं को बांटी नगद धनराशि

संवाददाता, बैरती (अल्मोड़ा)

अमृत विचार: चौखुटिया के जौरासी निवासी तथा इंडियन आयल दिल्ली में उप महाप्रबंधक सतर्कता के पद पर कार्यरत उमेश चंद्र बिष्ट एवं उनकी धर्मपत्नी शीला बिष्ट द्वारा आयोजित प्रतिभा परीक्षा के पुरस्कार वितरण समारोह में चौखुटिया व स्याल्दे के मेधावी छात्र-छात्राओं को 25 हजार की राशि बतौर पुरस्कार प्रदान की गई।

इन दोनों विकास खंडों के माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिए प्रतिभा परीक्षा का आयोजन बीते 25 दिसंबर को चौखुटिया व स्याल्दे में किया गया था। यह प्रतियोगी परीक्षा गणित, अंग्रेजी व सामान्य ज्ञान पर आधारित थी। जौरासी में पुरस्कार प्राप्त करने वालों में लक्ष्मण सिंह व अजेन्द्र सिंह (उमावि सिमलखेत), मनीषा व अंकित कुमार (जीआईसी कलरों), दीपा व महक बिष्ट (जीआईसी जौरासी), रितिक (आर्य इंटर कालेज देघाट), वैष्णवी (जीजीआईसी चौखुटिया), मोहित जोशी (जीआई सी पटलगांव), भाष्कर जोशी (सरस्वती विद्या मंदिर चौखुटिया), दिशा रजवार (विवेकानंद मार्डन स्कूल देघाट), सौरभ कुमार व हर्षित अधिकारी (नव प्रभात हाईस्कूल बसभीडा.), दिव्यांका तिवारी (बोनाफाइड हाईस्कूल चौखुटिया) तथा कृष्णा मठपाल (विजडम कान्वेंट स्कूल चौखुटिया) शामिल रहे। समारोह में मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख चेतना नेगी रहीं।

जौरासी में प्रतिभा परीक्षा पुरस्कार वितरण समारोह में आयोजक, अतिथि व प्रतिभागी।

अमृत विचार

मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

विफलता तभी होती है, जब हम अपने आदर्शों, उद्देश्यों और सिद्धांतों को भूल जाते हैं।
–पं. जवाहर लाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री

उल्लेखनीय उपलब्धि

उत्तर प्रदेश का ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस में 12 वें स्थान से दूसरे पायदान पर पहुंचना राज्य के प्रशासनिक और आर्थिक चरित्र में आए बुनियादी बदलाव का संकेत है। राज्य के लिए यह उपलब्धि अत्यंत सराहनीय है, क्योंकि लंबे समय तक जो उत्तर प्रदेश निवेश के लिहाज से 'कठिन' और 'अनिश्चित' गंतव्य माना जाता रहा, वह अब सुधारों और पारदर्शिता का चेहरा बनकर उभरा है। वाणिज्य और उद्योग संवर्धन विभाग के बिज़नेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान के तहत जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश की यह प्रगति बताती है कि सुधार केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर उतरे हैं। यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध प्रशासनिक सुधारों और डिजिटल गवर्नेंस का परिणाम है, जो सूबे के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक साबित होगा।

निवेशक जहां नीति स्थिरता, समयबद्ध मंजूरी और न्यूनतम हस्तक्षेप देखते हैं, वहीं जाते हैं और तब पूंजी प्रवाह स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपनाई गई 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की नीति ने निवेश बाधाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिजिटल पारदर्शिता, प्रक्रियाओं का सरलीकरण और जवाबदेही ने राज्य को अधिक भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनाया है। लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में 'अचीवर्स' श्रेणी में जगह बनाना और गुड गवर्नेंस इंडेक्स में वाणिज्य एवं उद्योग वर्ग में ऊपर आना द्योतक है कि बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक दक्षता पर एक साथ काम हुआ है। उद्यम स्थापना, श्रम नियमों के सरलीकरण और भूमि प्रशासन जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश का टॉप अचीवर बनना यह दिखाता है कि औद्योगिक बाधाओं को व्यवस्थित रूप से हटाया गया है। निवेश सुविधा, श्रम पंजीकरण, पर्यावरण अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और निर्माण अनुमति जैसी प्रक्रियाओं को सरल करने तथा अनुपालन बोझ और दंडात्मक प्रावधानों को कम करने से निवेशकों का समय और लागत दोनों बचे हैं। इन सुधारों ने खासकर मध्यम और छोटे उद्यमों को बढ़ावा दिया है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। योगी सरकार द्वारा 'निवेश मित्र' के अगले संस्करण निवेश मित्र 3.0 की तैयारी से अपेक्षा है कि यह और अधिक यूज़र-फ्रेंडली, डेटा-ड्रिवन और समयबद्ध होगा। वहीं 'मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना' ने औद्योगिक गलियारों में निवेश को आकर्षित करने में सहायक भूमिका निभाई है, जिससे विदेशी और घरेलू पूंजी प्रवाह बढ़ने के संकेत मिले।

निर्माण, विनिर्माण और औद्योगिकीकरण के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश अब केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन केंद्र के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के अपेक्षाकृत बेहतर क्रियान्वयन से रोजगार के अवसर बढ़े हैं और बेरोजगारी दर 19 से घट कर ढाई फीसदी पर आ गई है। इसके साथ प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि विकास की व्यापकता को दर्शाती है, हालांकि एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए अभी और काम करना होगा, विशेषकर उच्च मूल्य वाले विनिर्माण, निर्यात संवर्धन, शहरी अवसंरचना और हरित औद्योगिकीकरण पर।

प्रसंगवश

इस साल गुजर गए सिनेमा के कई अनमोल रत्न

वक्त की रेत पर बने पैरों के निशान धीरे-धीरे मिटते जा रहे हैं। वो आवाजें जो कभी हमारे घरों में गूंजती थीं, अब सन्नाटे में तब्दील हो गई हैं। वो चेहरे जिन्हें देखकर हमारे दिलों में उमंग भर जाती थी, अब केवल यादों के पर्दे पर बाकी हैं। 2025 भारतीय सिनेमा और मनोरंजन जगत के लिए एक ऐसा साल बनकर रह गया, जिसने हमसे हमारे कई प्रिय कलाकारों को छीन लिया। यह महज मौत का सिलसिला नहीं था, बल्कि एक पूरे युग का विसर्जन था।

नवंबर की वह सुबह शायद कभी नहीं भूलेगी जब खबर आई कि धर्मेंद्र नहीं रहे। 89 वर्ष की उम्र में, सांस की तकलीफ से जूझते बॉलीवुड के 'हीमैन' ने अपनी आखिरी सांस ली। उनके जाने के साथ ही मानो हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय समाप्त हो गया। धर्मेंद्र ने छह दशकों तक भारतीय सिनेमा को अपनी प्रतिभा से सजाया। अप्रैल का महीना भी कम दुखद नहीं रहा। दिल की बीमारी से जूझते हुए 87 वर्ष की उम्र में मनोज कुमार ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। 'उपकार' में 'मेरे देश की धरती सोना उगले' गाते हुए मनोज कुमार की छवि हर भारतीय के दिल में बसी है। यह गीत महज एक गाना नहीं था, बल्कि हर उस किसान की व्यथा और गौरव की कहानी था जो इस देश की धरती को सींचता है।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

20 अक्टूबर को 84 वर्ष की उम्र में असरानी का निधन हो गया। हास्य अभिनय में माहिर असरानी ने अपनी अनोखी शैली से दर्शकों के चेहरों पर हमेशा मुस्कान बिखेरी। उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी परफेक्ट थी कि बिना किसी फूहड़ता के वे लोगों को हंसा देते थे। उसी महीने 15 अक्टूबर को पंकज धीर का निधन हो गया। बीआर चोपड़ा की महाकाव्य 'महाभारत' में कर्ण की भूमिका निभाकर पंकज धीर ने खुद को अमर बना दिया। 25 अक्टूबर को 74 वर्ष की उम्र में सतीश शाह का निधन हो गया। थिएटर से लेकर टेलीविजन और सिनेमा तक, सतीश शाह ने हर मंच पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 'सरभाई वर्सेज सरभाई' में इंद्रवर्धन सरभाई के रूप में उनका किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि वे घर-घर में पहचाने जाने लगे।

संगीत जगत को भी 2025 में बड़ा झटका लगा। 19 सितंबर को सिंगापुर में 52 वर्ष की कम उम्र में गायक जुबीन गर्ग का अचानक निधन हो गया। उनकी आवाज में एक जादू था, जो सुनने वाले को अपनी गिरफ्त में ले लेता था। 'या अली' गाने से उन्होंने लाखों दिलों में जगह बनाई थी। हिंदी, बंगाली और असमिया- तीन भाषाओं में उनका समान प्रभाव उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था। जुबीन केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक अभिनेता और फिल्म निर्माता भी थे।

जून महीने की 27 तारीख को 42 वर्ष की उम्र में शेफाली जरीवाला की मौत ने सबको हिलाकर रख दिया। 'कांटा लगा' गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली ने एक ही गाने से इतनी लोकप्रियता हासिल की थी कि लोग उन्हें भूल नहीं सके। मई महीने में 23 तारीख को 54 वर्ष की उम्र में अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया। राहुल देव के भाई मुकुल ने 'सन ऑफ सरदार' जैसी फिल्मों में काम किया। जब हम इन सभी कलाकारों को याद करते हैं, तो महसूस होता है कि हमने केवल कुछ अभिनेताओं या गायकों को नहीं खोया है। हमने अपनी यादों के कुछ खूबसूरत पन्ने खो दिए हैं। वे हमारी स्मृतियों में, हमारी संस्कृति में, हमारे सिनेमा के इतिहास में हमेशा जीवित रहेंगे। उनकी कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहेगी और उनके नाम सदा के लिए स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेंगे। 2025 ने हमें सिखाया कि जीवन कितना नश्वर है, लेकिन कला अमर है।

27 का बिगुल 25 में ही फूंक गए पीएम मोदी

अजय दयाल
लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बार उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की यात्रा अहम राजनीतिक संदेश देने वाली रही। अवसर तो संघ की विचारधारा से जुड़ी तीन ऐतिहासिक विभूतियों की प्रतिमाओं के साथ राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण का रहा, लेकिन यहां उपस्थित जनसमूह कुंभ जैसा नजारा दिखा गया। बीते दिनों एक अर्से बाद बसपा नेत्री मायावती ने बहुजन समाज की एक बड़ी भीड़ जुटाकर यूपी से अपने राजनीतिक अस्तित्व को परखा था। सभी दलों खासकर भाजपा को भी मायावती ने आंबेडकर स्थल से संदेश दिया था कि अपने वोटबैंक में उनकी लोकप्रियता कहीं से कम नहीं पड़ी। पीएम मोदी ने अटल जी को यादकर प्रेरणा स्थल से इसका काउंटर कर दिया। सही मायनों में मोदी 27 (साल 2027 यूपी में विधानसभा चुनाव) का बिगुल 25 में ही फूंककर चले गए। अब इसकी गूंज पार्टीजनों में चुनाव तक दम भरती रहेगी।

दरअसल, पीएम मोदी की तीन महान विभूतियों श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियों के बीच मंशा एक लंबी लकीर खींचने की ही रही। अगर उनके संबोधन पर गौर करें, तो उन्होंने कांग्रेस शासन को यादकर भाजपा के अपमान की बात कही। कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी को भी निशाने पर लिया। आंबेडकर को याद किया और मेरा यूपी, मेरा यूपी कई दफा कहा। उन्होंने कहा कि मुझे यूपी का जनप्रतिनिधि होने का गर्व है। निःसंदेह उनके मुख से निकले ये सभी शब्द यूपी के भावी चुनाव को लेकर गूढ़ राजनीतिक संदेश देने वाले रहे। चूंकि 25 दिसंबर को ही महाराजा बिजली पासी की भी जन्म-जयंती रही, सो मोदी उन्हें भी याद कर पासी समाज की भूमिका की प्रशंसा करना न भूले।

इसी कड़ी में उन्होंने यूपी में गठबंधन कर लड़ चुके दोनों दलों को कटघरे में भी खड़ा किया। बोले, कोई नहीं भूल सकता कि कैसे बाबा साहेब आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास हुआ। दिल्ली में कांग्रेस के शाही परिवार ने ये पाप किया और यहां यूपी में सपा वालों ने भी यही दुस्साहस किया, लेकिन भाजपा ने बाबा साहेब की विरासत को मिटने नहीं दिया। आज दिल्ली से लेकर लंदन तक, बाबा साहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ उनकी विरासत का जयघोष कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने यूपी की जनता को संदेश देते हुए परिवारवाद की राजनीति पर भी हमला किया और कांग्रेस पर प्रहार किया। कहा कि परिवारवाद की एक विशिष्ट पहचान होती है, ये असुरक्षा से भरी हुई होती है, इसलिए परिवारवादियों के लिए, दूसरों की लकीर छोटी करना मजबूरी हो जाता है, ताकि उनके परिवार का कद बड़ा दिखे और उनकी दुकान चलती रहे। इसी सोच ने भारत में राजनीतिक छुआछूत का चलन शुरू किया। आप सोचिए, आज़ाद भारत में अनेक प्रधानमंत्री हुए, लेकिन राजधानी दिल्ली में जो म्यूजियम था, उसमें अनेक पूर्व प्रधानमंत्रियों को नजरअंदाज किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने राजनीतिक रूप से भाजपा को हमेशा अछूत बनाए रखा, लेकिन भाजपा के संस्कार हमें सबका सम्मान करना सिखाते हैं। बीते 11 वर्षों में भाजपा सरकार के दौरान, एनडीए सरकार के दौरान, नरसिम्हा राव जी और प्रणब बाबू को भारत रत्न दिया गया है। ये हमारी सरकार है, जिसने मुलायम सिंह यादव जी और तरुण गोगोई जी जैसे अनेक नेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया है। कांग्रेस से, यहां समाजवादी पार्टी से कोई भी ऐसी उम्मीद तक नहीं कर सकता। इन लोगों के राज में तो भाजपा के नेताओं को सिर्फ अपमान ही मिलता था।

मोदी के उदाहरण के साथ खासकर कांग्रेस और सपा के कथित अन्याय पर कही गईं बातें, भाजपा के प्रति जनता में सहानुभूति प्राप्त करने सरीखी रहीं, हालांकि इस क्रम में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी पर निशाना नहीं बनाया। इतना ही नहीं, पीएम मोदी इस यात्रा में समय रहते प्रदेशवासियों की नये सिरे से नब्ज टटोलकर गए। उन्होंने सीधे तौर खुद को यूपी का बताकर स्वयं ही लंबी लकीर खींच अन्य लकीर को छोटा कर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार का बहुत अधिक फायदा उत्तर प्रदेश को हो रहा है। उत्तर प्रदेश, 21वीं सदी के भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है और मेरा सौभाग्य है कि मैं यूपी से सांसद हूं। आज मैं बहुत गर्व से कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। कभी यूपी की चर्चा खराब कानून व्यवस्था को लेकर होती थी, आज यूपी की चर्चा विकास के लिए होती है। आज यूपी देश के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। समझने वाले समझ जाएंगे कि इसका श्रेय उन्होंने किसे दिया? या स्वयं लिया?

सही मायनों में आंकलन करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंघ की तीन महान विभूतियों की याद में राष्ट्र प्रेरणा स्थल जनता को समर्पित कर खुद को भी उस श्रेणी में खड़ा कर दिया। अब इस बात पर कल्याण सिंह और लाल कृष्ण आडवाणी के नाम का तर्क देने वाले समीक्षा करते रहें। जब मोदी ने यह कहा कि ये राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की विशाल प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, इनसे मिलनी वाली प्रेरणाएं उससे भी बुलंद हैं। इस पंक्ति के साथ नरेंद्र मोदी ने भी अपनी ऊंचाई और बुलंदी का एहसास जनता को करा दिया। अपनी विचारधारा से जुड़ी तीन महान विभूतियों को याद कर मोदी का यह बिग शो, वाकई पार्टीजनों को गौरवान्वित करने वाला रहा। अंततः यही कहना न्यायसंगत होगा कि पीएम मोदी यहां विपक्षी दलों की खींची जिस लकीर को छोटा करने की मंशा लेकर आए थे, उसमें वह सफल रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ आए थे। उन्होंने यहां जो कुछ कहा, निःसंदेह वो शब्द यूपी के भावी चुनाव को लेकर गूढ़ राजनीतिक संदेश देने वाले रहे। वो 27 का बिगुल 25 में ही फूंककर चले गए।

आमने

आरएसएस ऐसा संगठन है, जो नफरत फैलाता है। यह नफरत पैदा करता है और नफरत का प्रचार करता है। वह संगठन अल-कायदा जैसा है। अल-कायदा भी एक संगठित ग्रुप है, जो नफरत और आतंक फैलाता है। आरएसएस से सीखने जैसा कुछ नहीं है।

–मणिकम टैगोर
कांग्रेस सांसद

सामने

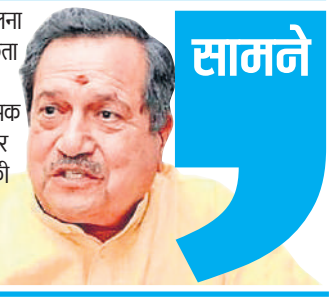

एक प्रमुख सांसद ने आरएसएस की तुलना अल-कायदा से करके अपनी मानसिकता का खुलासा किया है। यह कांग्रेस नेतृत्व और उसके सदस्यों के बौद्धिक व मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। जब लगातार हार का सामना करना पड़ता है, तो उनकी हताशा स्पष्ट हो जाती है।

–इंद्रेश कुमार
मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक

अलविदा 2025: वक्त रुकता नहीं किसी के लिए

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

महज कुछ ही दिन बाद आंग्ल वर्ष- 2025 हमारी स्मृतियों का हिस्सा भर रह जाएगा। खट्टे-मीठे अनुभव व अपनी धरोहरें नव वर्ष-2026 को सौंपकर काल की गर्त में समा जाएगा। समय का पहिया कभी रुकता ही नहीं। इस वर्ष के दिन, सप्ताह व माह एक-एक कर हमसे बिछड़ते रहे। मौसम चक्र भी और हम 'कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे' के माफिक समय को अहर्निश ताकते रहे। वर्ष 2025 के करीब 365 दिनों की यादों पर बहस-मुबाहिसा समीचीन है, क्योंकि इस वर्ष वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर कहीं मानवता कराही है तो कहीं खिलखिलाई भी है। कहीं खूब विकास हुआ तो कहीं विनाश भी। किसी के लिए यह वर्ष उपलब्धियों से भरा रहा, तो किसी के लिए अभिशप्त भी। कह सकते हैं कि वर्ष 2025 में एक ओर जहां वैश्विक चुनौतियां बढ़ीं, तो कई क्षेत्रों में विकास व नवाचार भी देखने को मिले।

चर्चित व बड़ी वैश्विक घटनाओं की बात की जाए, तो इस वर्ष के जनवरी माह में डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के राष्ट्रपति के रूप में एक बार फिर शपथ ली। राष्ट्रपति बनने के बाद तुनकमिजाज ट्रंप ने अमेरिका की घरेलू और विदेश नीतियों में ऐसा परिवर्तन किया, जिससे दुनिया सकते में आ गई। इस वर्ष भी रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध विराम के सारे वैश्विक प्रयास असफल रहे। वर्ष के पूर्वार्ध में इजराइल व ईरान के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध ने विश्व युद्ध की राह पर ला खड़ा किया। बाद में अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु स्थलों यानी फोर्डो, नतांज व इस्फ़हान पर हमले किए और नष्ट कर देने का दावा किया।

'जेन जी' यानी युवा पीढ़ी ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व असमानता के विरुद्ध एकजुटता दिखाई। नेपाल, इंडोनेशिया, फिलीपींस और मालदीव में युवा आंदोलन हुए। बांग्लादेश में भी जनक्रांति हुई। नेपाल के युवाओं ने उग्र आंदोलन कर प्रधानमंत्री केपी ओली की सरकार ही गिरा दी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच भी छिटपुट युद्ध होते रहे। म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता, दक्षिण चीन सागर में बढ़ता विवाद भी इस वर्ष की सुर्खियों में रहा। शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर आतंकवाद, उग्रवाद व अलगाववाद जैसे मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच असहमति दिखी। चीन-ताइवान के बीच भी इस वर्ष तनातनी बनी रही। अफ्रीकी देश कांगो व रवांडा तथा इथियोपिया व इरिट्रिया के बीच जानी दुश्मनी चरम पर रही, जबकि सूडान गृह युद्ध की आग में इस वर्ष भी झुलसता रहा। नाइजीरिया, कैमरून व तंजानिया के युवाओं ने बरोजगारी से तंग आकर एंड सार्स नाम से उग्र आंदोलन चलाया।

2025 में दुनिया, अनसुलझे संघर्षों, अस्पष्ट आर्थिक नीतियों व बदलते भू-राजनीतिक गठबंधनों के बीच एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दिखी। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाक समर्थित आतंकवादियों द्वारा हमला कर 26 भारतीय पर्यटकों की जान लेने के बाद समूचा भारत उबल पड़ा था। दबाव इतना कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय वायु सेना ने सात मई को पाकिस्तान में घुसकर उसके नौ आतंकवादी ठिकानों को हवाई हमले से नेस्तनाबूद कर दिया। एक समय तो ऐसा लगा था कि दोनों शत्रु देशों के बीच होने वाली रार निर्णायक अंजाम तक पहुंच जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के रिश्ते इस वर्ष भी बद से बद्तर हालात में ही रहे। इस वर्ष अमेरिका-भारत संबंध भी तीखा ही दिखा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत में 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाना चर्चा में रहा। मित्रता की आड़ में दूसरे देशों से हमेशा ही छल करने वाला अमेरिका भारत पर कृषि व डेयरी बाजारों को सस्ते अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव बना रहा था, जिसे भारत सरकार ने कठोरता से ठुकरा दिया। यही नहीं, रूस से कच्चे तेल न खरीदने के अमेरिकी गीदड़ धमकी की हवा निकालकर यह जता दिया कि नया भारत किसी 'चौधरी देश' के इशारे पर नहीं चलने वाला। 140 करोड़ की आबादी वाला भारत अपनी राह बनाते हुए विश्व में अपना पताका स्वयं लहराएगा।

चीन और ब्राजील पर भारी टैरिफ लगाकर अमेरिका भारत को भी अपनी शर्तों पर झुकाना चाहता था। अन्य देशों की भांति वर्ष 2025 भारत के लिए भी मिला-जुला ही रहा। कहीं प्राकृतिक आपदाओं ने कहर बरपाया तो कहीं त्रासदियों ने। उत्तराखंड और हिमाचल में तो कुदरत ने काफी कहर बरपाया। वर्ष 2025 के आरंभ में अर्थात जनवरी के अंतिम सप्ताह में प्रयागराज के महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दौरान भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इसके अलावा इस वर्ष 12 जून को अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में 241 यात्रियों की मौत से पूरा देश सिहर उठा था।

भारत ने इस वर्ष आर्थिक मोर्चों पर भी अपना परचम लहराया है। कृषि व उद्योग के क्षेत्र में भी आशातीत सफलता मिली। क्रिकेट में टीम इंडिया (पुरुष) ने चैंपियंस ट्रॉफी व एशिया कप पर कब्जा जमाया। वहीं आईसीसी महिला विश्वकप जीतकर गौरवान्वित किया।

इस वर्ष के दिन, सप्ताह व माह एक-एक कर हमसे बिछड़ते रहे। मौसम चक्र भी और हम 'कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे' के माफिक समय को अहर्निश ताकते रहे।

सोशल फोरम

दुनिया में कहां से आया 'खान' टाइटल

जिया इम्तियाज
ब्लॉगर

खान शब्द का मूल तुर्की भाषा का शब्द 'खाकान' है जिसका अर्थ शासक या नेता होता है, यही शब्द बदलकर खान हुआ और उज़्बेकी और मंगोलियाई शब्दकोश में राजा के संबोधन की शक्ल में शामिल हो गया। मंगोल चंगेज़ खान समेत कई शासक खान कहलाते थे, जिसका अर्थ होता था चंगेज़ राजा, कुबलाई राजा वगैरह।

मुगल वंश के संस्थापक बाबर का जन्म उज्बेकिस्तान की फ़रगना घाटी में हुआ था और वह तुर्किक बरलास जनजाति से था, जो मंगोल मूल की थी। वह तुर्किक और मध्य एशिया के स्थानीय तुर्क-मंगोल और अन्य जातीय समूहों से संबंध रखता था, यानी जिन क्षेत्रों में खाकान और ख़ान शब्दों का अर्थ शासक होता था, बाबर का मूल वही क्षेत्र था, इसीलिए मुगलों ने जब बाद में किसी को शासक की उपाधि दी, तो अक्सर उन्हें ख़ान और 'ख़ान ए ख़ाना' (सरदारों के सरदार) की उपाधियां दीं। ख़ान शब्द शासक के अर्थ में फ़ारसी में भी आ गया और फ़ारसी भाषा को मुगलों ने अपनी राजकीय भाषा बनाया था।

बाबर से पहले से ही अफगानिस्तान में भी तब खाकान को बहुत संक्षिप्त, लेकिन अर्थों में खाकान या खान से मिलता जुलता शब्द 'खां' प्रचलित था, जो एक सम्मानसूचक शब्द था। अफगानिस्तान में आज भी सम्मानपूर्वक हर व्यक्ति को खां कहा जाता है। ये 'साहब' और 'Sir' का समानार्थी शब्द है और टाइटल खां (जिसमे अंत में 'न' अक्षर नहीं आता) कुछ अफगानी लोग अपने नाम के साथ लगाया करते थे, जैसे शेरशाह सूरी के पिता हसन खां सूर आदि। पठानों का उपनाम 'ख़ां' होता है। अफगानी पश्तून भी और भारत के कन्वर्टेड राजपूत भी हमेशा खां या खान उपनाम का प्रयोग नहीं करते।

पश्तून अपने कबीलों जैसे आफ़रीदी, यूसुफ़ज़ई, दुर्रानी, अचकज़ई, मोहम्मदज़ई, खट्टक, बंगश, शिनवारी और अहमदज़ई वगैरह के नाम अपने टाइटल के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। राजपूत जो कभी धर्म बदलकर मुस्लिम हो गए, अपने नाम के साथ अपना गोत्र, जैसे गहलोत, सोलंकी, सिकरवार, चौहान, राजकुमार, कुंवर, भाटी, सिसोदिया, कछवाहा, क़ायमखानी वगैरह अपने टाइटल के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

परिवार नियोजन का बोझ महिलाएं ही क्यों उठाएं

यूं तो परिवार नियोजन किसी भी समाज और परिवार के स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में जनसंख्या नियंत्रण के लिए नसबंदी को सबसे प्रभावी स्थायी समाधान माना जाता है, लेकिन जब हम देश और प्रदेश में नसबंदी के आंकड़ों और सामाजिक स्वीकार्यता को देखते हैं, तो इसमें एक गहरा लैंगिक भेदभाव उभर कर सामने आता है। यह विडंबना है कि जैविक रूप से पुरुष नसबंदी अधिक सरल, सुरक्षित और कम खर्चीली है, फिर भी नसबंदी का लगभग पूरा बोझ महिलाओं के कंधों पर डाल दिया गया है। ऐसा करके इस समाज ने परिवार नियोजन की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर ही डाल दी है।

आधुनिक जमाने में भी ऐसा हो रहा है। आखिर क्यों? बड़ा सवाल है कि क्या समाज व परिवार कल्याण की जिम्मेदारी केवल महिलाओं की ही है। देश में परिवार नियोजन के लिए नसबंदी के आंकड़े एक महत्वपूर्ण लैंगिक असंतुलन दिखाते हैं। महिलाओं द्वारा नसबंदी करवाने की दर पुरुषों की नसबंदी की तुलना में काफी अधिक है। यह अंतर विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों का परिणाम है, जो परिवार नियोजन को लेकर पुरुषों और महिलाओं की भूमिकाओं को प्रभावित करते हैं। अगर हम इसके कारणों में जाते हैं, तो देखते हैं कि कई समाजों में परिवार नियोजन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं की मानी जाती है। पुरुषों पर परिवार नियोजन के तरीकों को अपनाने का सामाजिक दबाव कम होता है। साथ ही इसके प्रति जागरूकता और शिक्षा की कमी है।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ मान्यताओं में पुरुष नसबंदी को मर्दानगी या यौन क्षमता से जोड़कर देखा जाता है, जो पुरुषों को इसे अपनाने से रोकता है, जबकि यह गलत है। नसबंदी से पुरुषों की यौन क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ता है। परिवार नियोजन कार्यक्रमों में अक्सर महिलाओं को प्राथमिक लक्ष्य समूह के रूप में देखा जाता है, जिससे पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने पर कम जोर दिया जाता है। यह लैंगिक असमानता महिलाओं पर परिवार नियोजन का अतिरिक्त शारीरिक और मानसिक बोझ डालती है। महिला नसबंदी एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसके लिए अधिक समय और रिकवरी की आवश्यकता होती है, जबकि पुरुष नसबंदी एक छोटी और कम जोखिम वाली प्रक्रिया है।

इस असमानता को दूर करने के लिए परिवार नियोजन को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। पुरुषों को परिवार नियोजन में सक्रिय रूप से शामिल होने और अपनी भूमिका को समझने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। पुरुषों को भी इसके प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को पुरुषों से संवाद करने और उनके मिथकों और चिंताओं को दूर करने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए। पुरुष नसबंदी सेवाओं को सुलभ और आकर्षक बनाना चाहिए। परिवार नियोजन नीतियों में समान जिम्मेदारी के सिद्धांत को बढ़ावा देना चाहिए।

परिवार नियोजन एक युगल की साझा जिम्मेदारी है और दोनों की सक्रिय भागीदारी से ही एक स्वस्थ और न्यायसंगत समाज का निर्माण संभव है। यह काम सरकारों का है, लेकिन सरकारें भी इसके प्रति गंभीर नहीं होती हैं। वे भी महिलाओं की नसबंदी को लेकर ही अधिक योजनाएं बनाती हैं। पुरुष नसबंदी को लेकर जो भी योजनाएं बनाई जाती हैं, वह धरातल पर नहीं उतरतीं। आंकड़े बताते हैं कि देश में लगभग 38 फीसदी महिलाएं नसबंदी को अपनाती हैं, जबकि पुरुषों की भागीदारी मात्र 0.3 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि हर 100 नसबंदी कराने वाले व्यक्तियों में 99 से अधिक महिलाएं होती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

माघ मेला
साधना का 'मिनी कुंभ'

गंगा, यमुना और सरस्वती नदी के पवित्र संगम तट प्रयागराज में माघ मास में स्नान, दान और दर्शन का विशेष महत्व है। इस दौरान यहां आयोजित होने वाला माघ मेला हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन और धार्मिक आयोजनों में से एक है। इसे 'मिनी कुंभ' भी कहा जाता है। मान्यता है कि माघ माह में पवित्र संगम में स्नान करने से मनुष्य के सभी पापों का नाश होता है और जन्म तथा मृत्यु के बंधन से छुटकारा मिलकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि इस मेले में देश ही नहीं विदेशों से भी लोग आकर पुण्य का आशीर्वाद लेते हैं। माघ मेले में कुल छह तिथियां ऐसी होती हैं, जिनमें स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

करौली शंकर महादेव
तृतीय मठाधिपति
मिश्रीमठ, हरिद्वार

हिंदू धर्म के अनुसार माघ माह में संगम नगरी में स्नान करने से मन और कर्म की शुद्धता होती है। इसे देखते हुए संगम में माघ स्नान की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। संत, महात्माओं के टेंट लग गए हैं। आम आदमी जिन्हें कल्पवास करना है वे भी तैयारियों में जुटे हैं। श्रीरामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं (मकर संक्रांति) तब सभी देवता, दान, तीर्थ और मनुष्य तीर्थराज प्रयाग के त्रिवेणी संगम में स्नान करते हैं। मत्स्य पुराण में उल्लेख है कि माघ मास में संगम स्नान से दस हजार तीर्थों की यात्रा के बराबर पुण्य मिलता है।

श्रीहरि विष्णु को समर्पित महीना

पद्म पुराण में उल्लेख है कि माघ में पवित्र नदियों में स्नान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और पापों से मुक्ति मिलती है। इस माह में सूर्य उपासना का विशेष महत्व है, क्योंकि सूर्य मकर राशि में जब प्रवेश करते हैं, तो उस दिन मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। माघ मास का सबसे बड़ा महत्व प्रयागराज के संगम में स्नान से जुड़ा है। क्योंकि यहीं गंगा, यमुना और अदृश्य हो चुकी सरस्वती नदी का संगम होता है। मान्यता है कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी ने यहां प्रथम यज्ञ किया था।

व्यक्तिगत शुद्धि का माध्यम भी

माघ मास और संगम स्नान हमें सादगी, तप और आध्यात्म की याद दिलाता है। यह न केवल व्यक्तिगत शुद्धि का माध्यम है, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है, जहां सभी वर्ग के लोग एक साथ स्नान करते हैं। यदि संगम नहीं जा सकते हैं, तो गंगा जल घर में लाकर स्नान करना चाहिए। इस मास में हमें जीवन में संयम और भक्ति का संदेश भी मिलता है, जो मोक्ष तक ले जाता है।

कब कौन सा होगा स्नान

साल 2026 में माघ मेले की शुरुआत 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा के दिन होकर समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ होगा।

- पौष पूर्णिमा स्नान- 3 जनवरी।
- मकर संक्रांति स्नान- 14 जनवरी।
- मौनी अमावस्या स्नान - 18 जनवरी।
- वसंत पंचमी स्नान - 23 जनवरी।
- माघी पूर्णिमा स्नान - 1 फरवरी।
- महाशिवरात्रि स्नान -15 फरवरी।

सहस्र वर्षों की तपस्या का फल

माघ मास में संगम स्थान से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति होती है। संगम में प्रत्येक माघ मास में मेला लगता है। इस दौरान पौष मास की पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक लाखों श्रद्धालु संगम तट पर कल्पवास करते हैं। कल्पवासियों के लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने का विधान है। इस दौरान श्रद्धालु प्रभु के नाम का जप, हवन आदि करते हैं। मान्यता है कि कल्पवास से सहस्र वर्षों की तपस्या का फल मिलता है। माघ मेले के दौरान पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के दिन स्नान का विशेष महत्व है। इनमें मौनी अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दिन मौन रहकर स्नान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। माघ पूर्णिमा पर स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है और देवता संगम में अवतरित होते हैं। तिल का दान और उपयोग इस मास में विशेष है, क्योंकि तिल गर्म प्रकृति का होता है।

कल्पवास 21 नियम संयम पर आधारित

पद्म पुराण में कल्पवास के मुख्य 21 नियम बताए गए हैं, जो कठोर संयम पर आधारित हैं। इनका पालन करने से चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है। नियमों में सत्य बोलना, अहिंसा का पालन, इंद्रिय संयम (ब्रह्मचर्य), क्रोध न करना, दूसरों की निंदा न करना, झूठ न बोलना, चोरी व लोभ न करना, मोह का त्याग, गंदगी न करना, भूमि पर शयन, एक समय सात्विक भोजन, मौन व्रत, दान, जप-तप और ध्यान, सूर्य को अर्घ्य, देवपूजन, सत्संग और भजन-कीर्तन, विचारों को रखना, हिंसा रहित जीवन और ब्रह्म मुहूर्त में उठना शामिल है।

पौराणिक कथा

नारियल की उत्पत्ति

हिन्दू धर्म में नारियल का विशेष धार्मिक महत्व है। लगभग हर पूजा-पाठ, यज्ञ और शुभ संस्कार में नारियल का प्रयोग अनिवार्य माना जाता है। इसे पवित्रता, पूर्णता और शुभता का प्रतीक समझा जाता है। नारियल से जुड़ी एक प्राचीन पौराणिक कथा भी प्रचलित है, जिसके अनुसार इसका पृथ्वी पर अवतरण महर्षि विश्वामित्र द्वारा कराया गया था। यह कथा प्राचीन काल के प्रतापी और धर्मनिष्ठ राजा सत्यव्रत से संबंधित है। राजा सत्यव्रत ईश्वर में गहरी आस्था रखते थे। उनके पास राज्य, वैभव और सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, फिर भी उनके मन में एक विशेष इच्छा थी- वे जीवित अवस्था में पृथ्वीलोक से स्वर्गलोक जाना चाहते थे। स्वर्गलोक की अलौकिक सुंदरता उन्हें अत्यंत आकर्षित करती थी, परंतु वहां पहुंचने का मार्ग उन्हें ज्ञात नहीं था।

एक समय महर्षि विश्वामित्र तपस्या के लिए अपने आश्रम से दूर चले गए। उनकी अनुपस्थिति में क्षेत्र में अकाल पड़ गया और उनका परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करने लगा। इस संकट के समय राजा सत्यव्रत ने महर्षि के परिवार की सहायता की और उनकी देख-रेख का दायित्व निभाया। जब महर्षि विश्वामित्र तपस्या से लौटे, तो उन्हें अपने परिवार से राजा के इस उपकार की जानकारी मिली। कृतज्ञ होकर महर्षि विश्वामित्र राजा के दरबार पहुंचे और उन्हें वर मांगने का अवसर दिया। राजा ने विनम्रतापूर्वक अपनी इच्छा व्यक्त की कि वे स्वर्गलोक जाना चाहते हैं। राजा के उपकार को स्मरण करते हुए महर्षि ने अपने तपोबल से एक मार्ग तैयार किया, जो स्वर्गलोक की ओर जाता था। राजा उस मार्ग से स्वर्ग की ओर बढ़े, किंतु जैसे ही वे स्वर्ग के समीप पहुंचे, देवराज इन्द्र ने उन्हें वहां प्रवेश करने से रोकते हुए पृथ्वी की ओर धकेल दिया। दुखी राजा ने यह घटना महर्षि को बताई। इसके बाद देवताओं और महर्षि विश्वामित्र के बीच विचार-विमर्श हुआ और एक समाधान निकाला गया।

निर्णय हुआ कि राजा सत्यव्रत के लिए पृथ्वी और स्वर्ग के बीच एक नया स्वर्गलोक बनाया जाएगा। उसे स्थिर रखने के लिए महर्षि ने उसके नीचे एक विशाल खंभे का निर्माण किया। मान्यता है कि समय के साथ यह खंभा एक ऊंचे वृक्ष में बदल गया और राजा सत्यव्रत का सिर फल का रूप धारण कर गया। यही वृक्ष नारियल का पेड़ और वह फल नारियल कहलाया। इस कथा के अनुसार राजा सत्यव्रत न तो पूर्ण रूप से पृथ्वी के रहे और न ही स्वर्ग के, बल्कि दोनों लोकों के बीच स्थित रहे। इसी कारण नारियल को हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र और पूजनीय स्थान प्राप्त है।

– फीचर डेस्क

बोधकथा

विवेक और क्रोध

बहुत समय पहले की बात है। महान दार्शनिक आदि शंकराचार्य और विद्वान मंडन मिश्र के बीच लगातार सोलह दिनों तक शास्त्रार्थ चला। यह शास्त्रार्थ केवल विद्या का नहीं, बल्कि धैर्य, विवेक और आत्मसंयम की भी परीक्षा था। इस विद्वत वाद-विवाद की निर्णायिका स्वयं मंडन मिश्र की धर्मपत्नी, विदुषी देवी भारती थीं, जिनकी बुद्धिमत्ता और निष्पक्षता सर्वविदित थी। शास्त्रार्थ अपने निर्णायक मोड़ पर था, तभी किसी आवश्यक कारण से देवी भारती को कुछ समय के लिए बाहर जाना पड़ा। जाने से पहले उन्होंने एक अनोखा उपाय किया। उन्होंने दोनों विद्वानों के गले में एक-एक पुष्पमाला डालते हुए कहा- "मेरी अनुपस्थिति में ये मालाएं ही आपकी हार-जीत का निर्णय करेंगी।"

यह कहकर वे वहां से चली गईं। उनके जाने के बाद भी शास्त्रार्थ पूर्ववत चलता रहा। कुछ समय पश्चात देवी भारती लौट आईं। उन्होंने दोनों विद्वानों को ध्यान से देखा और बिना कोई प्रश्न किए अपना निर्णय सुना दिया- आदि शंकराचार्य विजयी हुए और मंडन मिश्र पराजित। यह सुनकर सभा में उपस्थित सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। कई विद्वानों को यह निर्णय असहज लगा, क्योंकि देवी भारती तो शास्त्रार्थ के बीच में ही चली गई थीं। एक विद्वान ने विनम्रतापूर्वक प्रश्न किया-"देवी, आपने अनुपस्थिति में यह निर्णय कैसे लिया?"

देवी भारती ने मुस्कुराकर जवाब दिया- "जब भी कोई विद्वान

शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है और उसे जब हार की झलक दिखने लगती है, तो वह इस वजह से क्रोधित हो उठता है और मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध की ताप से सूख चुकी है, जबकि शंकराचार्य जी की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इससे ज्ञात होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है।"

यह उत्तर सुनकर पूरी सभा स्तब्ध रह गई। सभी ने देवी भारती की सूक्ष्म दृष्टि, विवेक और निर्णय क्षमता की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस कथा का सार यही है कि क्रोध वह अवस्था है, जो जीत के बिल्कुल समीप पहुंचकर भी हार का द्वार खोल देती है। क्रोध केवल पराजय का कारण नहीं बनता, बल्कि संबंधों में दरार और विवेक के पतन का भी मूल कारण है। इसलिए जीवन में चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, क्रोध को स्वयं पर हावी न होने दें- यही सच्ची विजय है।

-श्याम बिहारी शुक्ला

सप्ताह के प्रमुख व्रत

पौष पुत्रदा एकादशी

व्रत की तिथि- 30 दिसंबर
व्रत का महत्व : एकादशी के व्रत को सभी व्रतों में श्रेष्ठ माना गया। इनमें से पौष पुत्रदा एकादशी व्रत एक विशेष रखता है। यह व्रत नि :संतान दंपतियों के लिए अत्यंत ही फलदायी है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार जो व्यक्ति पौष की एकादशी के व्रत को पूरे श्रद्धा एवं विधि-विधान से करता है, उसे भगवान विष्णु की कृपा से संतान की प्राप्ति होती है। इसी कारणवश इस एकादशी को पौष पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है।

व्रत की विधि-

- एकादशी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें।
- व्रत का संकल्प लेने के पश्चात भगवान विष्णु की गंगाजल, तुलसी, फूल, पंचामृत, तिल से पूजा करें।
- शाम को विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा एवं आरती करें।
- व्रत के अगले दिन द्वादशी को सुबह स्नान कर व्रत का पारण करें।

आपके घर का गलत वास्तु बढ़ा सकता है एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स

आज के समय में वैवाहिक रिश्तों में बढ़ती दूरियां, तनाव और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स केवल भावनात्मक या सामाजिक कारणों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे घर का गलत वास्तु और प्रतिकूल ग्रह-दशाएं भी बड़ी भूमिका निभाती हैं। कई बार दंपति अनजाने में ऐसे स्थान पर रहते हैं, जहां ऊर्जा असंतुलन रिश्तों में शक, झगड़े और भावनात्मक खालीपन पैदा करता है। जब वास्तु दोष और ग्रहों का प्रभाव साथ मिल जाता है, तो 'तीसरे व्यक्ति' की एंट्री के योग बढ़ जाते हैं। इस लेख में जानिए कैसे घर की दिशाएं और ग्रह संबंधों को प्रभावित करते हैं।

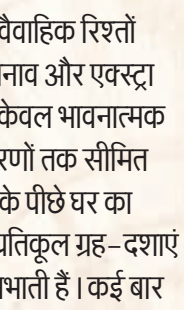

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु एक्सपर्ट

पति-पत्नी के रिश्ते में दूरी, झगड़े और बीच में "तीसरे" का आना कई बार घर के वास्तु और ग्रह-दशा दोनों के मेल से होता है।

कैसे बिगड़ते हैं संबंध

यदि दंपति का बेडरूम दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोण) में हो, तो स्वभाव में गर्मी, तकरार, शक और गुस्सा बढ़ता है, बात छोटी हो या बड़ी तुरंत झगड़े में बदल जाती है।

- जब बेडरूम उत्तर-पूर्व में होता है, तो भावनात्मक दूरी, ठंडापन और शारीरिक निकटता में कमी आने लगती है, जिससे पति-पत्नी एक-दूसरे से कटने लगते हैं।
- दक्षिण-पश्चिम जो रिश्तों और स्थिरता का कोना है, वहां कटाव, टॉयलेट, किचन या भारी दोष हों, तो भरोसा कमजोर होता है, असुरक्षा और अलगाव की भावना पैदा होती है।

तीसरे के आने के वास्तु कारण

- दक्षिण-पश्चिम जोन (रिलेशनशिप जोन) में टॉयलेट, गड्ढा या बहुत हल्कापन होने से वैवाहिक बंधन ढीला पड़ता है और बाहरी लोगों की दखल, यहां तक कि एक्स्ट्रा मैरिटल संबंध के योग बढ़ते माने गए हैं।
- उत्तर-पश्चिम में (रिश्तों और मूवमेंट का क्षेत्र) ज्यादा कट, अव्यवस्था या गलत निर्माण हो, तो घर के लोग बाहर की संगत में अधिक खिंचते हैं और घर से मन उखड़ सकता है।
- बेडरूम में आईना सामने से या बिस्तर को काटता हो, बिस्तर के नीचे कबाड़, या शादी की फोटो गलत जोन (जैसे SSW, ESE, WNW) में हों, तो गलतफहमियां, शक और तीसरे व्यक्ति की एंट्री की संभावना बढ़ती बताई गई है।

अवैवाहिक और ग्रह संबंध

- कुंडली में शुक्र पर राहु की पकड़, खासकर 5 वें, 7 वें, 8 वें या 12 वें भाव में और उनकी दशा-भुक्ति चल रही हो तो अनैतिक आकर्षण, गुप्त संबंध या बार-बार किसी और की ओर झुकाव के योग बन सकते हैं।
- ऐसी स्थिति में व्यक्ति को वर्तमान रिश्ता भी कम लगने लगता है, कल्पनाओं और मोह में निर्णय लेता है और यहीं से तीसरे व्यक्ति की भूमिका मजबूत होती है।

मुख्य सावधानियां बरतने की जरूरत

- कोशिश करें कि मास्टर बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो, बेड सिर दक्षिण या पूर्व की ओर रहे और दोनों के लिए बेड के दोनों ओर बराबर जगह हो ताकि ऊर्जा और अधिकार संतुलित रहें।
- बेडरूम में टॉयलेट, तीखे लाल-नारंगी रंग, लगातार बंद खिड़कियां, कम रोशनी और बिस्तर के नीचे अव्यवस्था न होने दें, इससे अनावश्यक तनाव और मानसिक दबाव बढ़ता है।
- शादी की फोटो, जोड़े के गिफ्ट आदि को रिश्तों के लिए शुभ दिशा (आमतौर पर स्व, SW या पश्चिम) में साफ-सुथरे और सम्मानित स्थान पर रखें, न कि टॉयलेट, स्टोर या कचरे के पास।

आपकी कुंडली और घर की दिशा

हर व्यक्ति की कुंडली और हर घर की दिशा अलग होती है, इसलिए किस घर में कौन-सा दोष रिश्ते को कितना प्रभावित कर रहा है, यह देखने के लिए फ्लोर प्लान और दोनों की जन्म-तिथि, समय, स्थान को देखकर उसके माध्यम से ही उचित निष्कर्ष निकाला जा सकता है। अत: जब भी किसी को कभी घर या बेडरूम की नए सिरे से या दुबारा से व्यवस्थित कराना हो, तो किसी वास्तु विशेषज्ञ से सलाह लेकर ही कार्य करें ताकि घर में होने वाले वास्तु दोषों से बचा जा सकें।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,695.54	25,942.10
गिरावट	345.91	100.20
प्रतिशत में	0.41	0.38

सोना 1,41,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,40,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 900, बासमती- 5000, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8000-11700, दाल उड़द- 5600, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2700, उड़द साबुत- 5000, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 1200

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर

जीएसटी दरों में कटौती से खनन और विनिर्माण क्षेत्र ने किया मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से नवंबर महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 6.7% पर पहुंच गई। यह जानकारी सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) नवंबर, 2024 में पांच प्रतिशत बढ़ा था। इससे पहले औद्योगिक उत्पादन का उच्च स्तर नवंबर, 2023 में 11.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था। त्योहारों से पहले देश में मांग और खपत को बढ़ावा देने के लिए कई उपभोक्ता वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में 22 सितंबर 2025 से कटौती की गई थी। इससे जीएसटी दरों में कमी का लाभ उठाने के लिए विनिर्माण ऑर्डरों में तेजी आई। इसके साथ एनएसओ ने अक्टूबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के आंकड़े को भी संशोधित किया है। अक्टूबर के लिए आईआईपी वृद्धि को बढ़ाकर 0.5% कर दिया गया है जबकि गत माह जारी अस्थायी अनुमान 0.4% का था।

- एनएसओ ने अक्टूबर 2025 के लिए वृद्धि के आंकड़े को भी किया संशोधित
- विनिर्माण क्षेत्र का आठ और खनन क्षेत्र का उत्पादन 5.4% बढ़ा

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2025 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 8% बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.5% था। खनन क्षेत्र का उत्पादन भी नवंबर में 5.4% बढ़ा जबकि नवंबर 2024 में यह वृद्धि 1.9% रही थी। हालांकि, बिजली उत्पादन का प्रदर्शन पिछले महीने कमजोर रहा। नवंबर में बिजली उत्पादन में 1.5% की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.4% की वृद्धि हुई थी।

अमेरिकी शुल्क का कुछ खंडों पर दिख सकता है असर

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अमेरिकी शुल्क और जुर्माने का असर कुछ विनिर्माण खंडों में दिखाई दे सकता है, जिससे जीएसटी दरों में बदलाव के सकारात्मक प्रभाव का असर कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि दो महीने के बाद दिसंबर 2025 में बिजली की मांग बढ़ी है, जिससे उस महीने बिजली उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और यह आईआईपी वृद्धि के लिए सकारात्मक संकेत है। नायर ने कहा कि दिसंबर 2025 में आईआईपी वृद्धि घटकर 3.5 से 5.0% के दायरे में आ सकती है, क्योंकि तुलनात्मक आधार प्रभाव सामान्य होगा।

नवंबर के आईआईपी आंकड़ों में सुधार से संकेत मिलता है कि औद्योगिक गतिविधियों में खासकर विनिर्माण और खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रफ्तार की वापसी हो रही है। 2025-26 में अप्रैल-नवंबर के दौरान देश का औद्योगिक उत्पादन 3.3% की दर से बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 4.1% था। विनिर्माण क्षेत्र के तहत 23 में 20 उद्योग समूहों ने नवंबर 2025 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

घरेलू विमानन उद्योग को 18,000 करोड़ का होगा घाटा : इक्रा

मुंबई। घरेलू विमानन उद्योग को यात्रियों की संख्या में संभावित कमी और अन्य कारकों के कारण चालू वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 17,000-18,000 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। इससे पहले, अनुमान लगाया गया था कि उद्योग को 2025-26 के दौरान 9,500-10,500 करोड़ का घाटा होगा।

- यात्रियों की कमी और अन्य कारकों से घाटे का अनुमान

इक्रा ने इस वर्ष जून में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना और इस महीने की शुरुआत में इंडिगो द्वारा हजारों उड़ानों के रद्द होने सहित कई कारकों के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू हवाई यात्री यातायात वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को घटाकर शून्य से तीन प्रतिशत कर दिया है। जबकि पहले उसने चार से छह प्रतिशत का अनुमान लगाया था। इक्रा ने कहा कि यह संशोधन 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में उम्मीद से धीमी यातायात वृद्धि के कारण है जो सीमा पार तनाव बढ़ने से प्रभावित हुई थी।

विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार टूटा

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स में 346 अंक और निफ्टी में 100 अंकों की गिरावट
- तेल एवं गैस और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली

तेल एवं गैस और आईटी शेयरों में बिकवाली, विदेशी पूंजी की निकासी और साल के अंत में कमजोर कारोबार होने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 346 अंक के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी एक बार फिर 26,000 के स्तर के नीचे आ गया।

बीएसई का सेंसेक्स चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज करते हुए 345.91 अंक टूटकर 84,695.54 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 403.59 अंक गिरा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी तीसरे दिन भी नुकसान में रहा और 100.20 अंक फिसलकर 25,942.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में सर्वाधिक 2.22% की गिरावट आई। एचसीएल टेक में 1.86%, पावर ग्रिड में 1.85, ट्रेंट में 1.36, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में 1.26 और भारती एयरटेल में 1.14% की गिरावट रही। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी 0.88% की नरमी रही। केजी-डी6 गैस विवाद में रिलायंस और उसकी साझेदार बीपी से सरकार द्वारा 300 अरब डॉलर का मुआवजा मांगे जाने की खबर है। वहीं, टाटा स्टील के शेयरों में 1.83% की तेजी रही। एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इटर्नल ने भी बढ़त दर्ज की।

डीआईआई ने 1,772.56 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 317.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,772.56 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.70 प्रतिशत चढ़कर 61.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को भी स्थानीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बाजार के दायरे में रहने के संकेत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार में आगे तेजी के लिए फिलहाल मजबूत कारण नहीं दिख रहे हैं। अधिकतर निवेशक छुट्टियों के मूड में हैं, जिससे निकट अवधि में बाजार के एक दायरे में ही रहने के संकेत मिलते हैं। व्यापक बाजार में बीएसई स्मालकैप 0.58 और मिडकैप में 0.45% की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में उपयोगिता खंड में 0.91 और बिजली खंड में 0.86% की तेजी रही। वहीं, आईटी, फोकस आईटी, रियल्टी और पूंजीगत उत्पाद खंड भी चढ़कर बंद हुए।

बाजार की धारणा वैश्विक संकेतों से प्रभावित

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार की धारणा वैश्विक संकेतों और चुनिंदा शेयरों से जुड़ी खबरों से प्रभावित हो रही है। किसी बड़े उत्प्रेरक के अभाव में कारोबारी सौदे कम हो रहे हैं और निवेशक दांव लगाने के बजाय चयनात्मक निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के बाजारों में दोपहर तक गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को स्थिर था।

केजी-डी6 विवाद : रिलायंस-बीपी से मांगा 30 अरब डॉलर मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यायाधिकरण ने 14 साल पुराने मामले पर सुनवाई नवंबर में की थी पूरी, फैसला अगले साल

केंद्र सरकार ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन के केजी-डी6 गैस क्षेत्र से प्राकृतिक गैस उत्पादन का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाने के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसकी साझेदार बीपी से 30 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने यह दावा तीन-सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया है। करीब 14 साल पुराने इस मामले पर सुनवाई सात नवंबर को पूरी हो चुकी है।

सूत्रों ने बताया कि न्यायाधिकरण अगले वर्ष किसी समय इस मामले में अपना फैसला सुना सकता है। फैसले से असंतुष्ट पक्ष के पास सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प होगा। हालांकि इस संदर्भ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। सरकार का आरोप है कि दोनों साझेदारों ने केजी-डी6 ब्लॉक में जरूरत से ज्यादा बड़ी सुविधाएं विकसित कीं, लेकिन वे प्राकृतिक गैस उत्पादन के तय लक्ष्यों को हासिल कर पाने में नाकाम रहे। सरकार ने गैस का मौद्रिक मूल्य मांगने के साथ ही प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त खर्च, ईंधन विपणन और ब्याज पर भी मुआवजा मांगा है।

2024-25 में बैंकों का प्रदर्शन रहा मजबूत, जीएनपीए न्यूनतम स्तर पर

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई ने कहा- बैंक ऋण और जमा वृद्धि दहाई अंकों में बनी रही, हालांकि इसमें कुछ नरमी देखी गई

वाणिज्यिक बैंकों का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत रहा और मार्च के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (जीएनपीए) का अनुपात घटकर 2.2 प्रतिशत पर आ गया। यह कई दशकों का न्यूनतम स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति 2024-25 शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र अच्छा बना रहा, जिसे मजबूत बहीखाते, लगातार लाभप्रदता और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता का समर्थन मिला। बैंक ऋण और जमा वृद्धि दहाई अंकों में बनी रही, हालांकि इसमें कुछ नरमी देखी गई। सभी बैंक समूहों में पूंजी और नकदी बफर नियामकीय आवश्यकताओं से काफी ऊपर बने रहे। बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बुनियाद जोखिमों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं, जो विवेकपूर्ण विनियमन के साथ मिलकर लगातार ऋण प्रवाह के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाते हैं। 2024-25 में वाणिज्यिक बैंकों का शुद्ध लाभ बढ़ा, हालांकि इसकी गति पिछले वर्ष की तुलना में धीमी रही। सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का कुल शुद्ध लाभ 2024-25 में सालाना आधार पर 14.8% बढ़कर 4.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2023-24 में इनका लाभ 32.8% बढ़कर 3.5 लाख करोड़ रुपये था।

राष्ट्रीय

कांग्रेस घुसपैठियों को मानती है वोट बैंक

केंद्रीय गृह मंत्री शाह बोले- भारत में पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों की केंद्र करेगा पहचान

- शाह ने श्रीमंत शंकरदेव के 227 करोड़ से पुनर्निर्मित जन्मस्थल का किया उद्घाटन

बोरदुवा (असम), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस असम के लोगों, उनकी संस्कृति, भूमि और पहचान के लिए खतरा पैदा करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मान रही है। शाह ने जनसभा में कहा कि केंद्र सरकार न केवल असम, बल्कि पूरे भारत में पड़ोसी देश से आए सभी अवैध प्रवासियों की पहचान करेगी।

असम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सरबानंदा सोनोवाल, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा व अन्य।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि राज्य के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया है। गृह मंत्री ने नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान, बतद्रवा थान की 227 करोड़ रुपये की लागत वाली पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना ऐतिहासिक अवसर है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख बीघा से अधिक भूमि मुक्त कराई है। उन्होंने कहा कि भाजपा को असम को घुसपैठियों से मुक्त करने के लिए पांच साल का और समय दीजिए। गृहमंत्री ने कहा कि हम न केवल असम, बल्कि पूरे भारत में सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे। उन्होंने कहा कि शंकरदेव ने एक भारत का आह्वान किया था, जिसका प्रधानमंत्री अब अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने असम में शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं, जो न केवल कागजों पर बल्कि वास्तविकता में भी साकार हो रहे हैं। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 11 सालों में राज्य में कई उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किये हैं तथा इन समझौतों के 92 प्रतिशत उपबंधों/शर्तों को पूरा किया गया है।

तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल आ सकते हैं शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सोमवार को पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचने की संभावना है। भाजपा नेता ने बताया कि शाह शाम को कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरेंगे और वहां से सीधे भाजपा कार्यालय जाएंगे और राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री के मंगलवार को शहर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें भी कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर : कुपवाड़ा में दो महीने के लिए वीपीएन सेवाओं पर प्रतिबंध

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले कुपवाड़ा में सोमवार को अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) के इस्तेमाल पर दो महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया। कुपवाड़ा प्रशासन ने जिले में सभी वीपीएन सेवाओं के प्रयोग पर प्रतिबंध का आदेश जारी किया।

- राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की आशंका में प्रशासन ने उठाया कदम

यह कदम कुपवाड़ा और हंदवाड़ा के एसएसपी की रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें संदिग्ध इंटरनेट यूजर्स द्वारा वीपीएन के इस्तेमाल में बढ़ोतरी की बात कही गई थी। जिला मजिस्ट्रेट श्रीकांत बालासाहेब सुसे ने सार्वजनिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल शासन की अखंडता पर चिंताओं का हवाला देते हुए वीपीएन के इस्तेमाल को प्रतिबंधित किया। आदेश में कहा गया है, वीपीएन सेवाओं का दुरुपयोग गैरकानूनी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है, जिसमें अशांति फैलाना, भड़काऊ या गुमराह करने वाली सामग्री फैलाना और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हानिकारक गतिविधियों का समन्वय करना शामिल है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था, शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। यह निर्देश कुपवाड़ा में काम करने वाले सभी व्यक्तियों, संस्थानों, साइबर कैफे और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर लागू होगा।

पीड़िता बोली- जब तक फांसी नहीं होती चुप नहीं बैठूंगी

उन्नाव दुष्कर्म मामला

उन्नाव/नई दिल्ली,एजेंसी

उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता ने भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने पर सोमवार को संतोष व्यक्त किया और न्याय प्रणाली पर अपना पूरा विश्वास जताया।

पीड़िता ने कहा कि मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मुझे उच्चतम न्यायालय से न्याय मिला है। मैं शुरू से ही न्याय के लिए आवाज उठाती रही हूं। उन्होंने कहा, मैं किसी भी अदालत के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाती। मुझे सभी अदालतों पर भरोसा है, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने मुझे न्याय दिया है और वह ऐसा करना जारी रखेगा। साथ ही कहा कि जब तक आरोपी को फांसी नहीं होती वह चुप नहीं बैठूंगी।

परिवार झेल रहा धमकियां, कानून पर विश्वास : इशिता

सेंगर की छोटी बेटी इशिता सेंगर ने एक्स पर भावनात्मक पोस्ट करते हुए न्याय की अपील की। इशिता ने कहा कि उनका परिवार आठ सालों से चुपचाप न्याय का इंतजार कर रहा है और उसने कानून और संस्थानों पर अपना भरोसा बनाए रखा है। उन्होंने लिखा कि उनकी पहचान सिर्फ भाजपा विधायक की बेटी तक सीमित हो गई है और उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार नफरत, गाली-गलौज और धमकियों का सामना करना पड़ा है। इशिता ने कहा, उनका परिवार न तो कोई रियायत चाहता है और न सहानुभूति। बल्कि यह चाहता है कि कानून बिना किसी दबाव या डर के काम करे और सुबूतों की निष्पक्ष जांच हो। इशिता की उनकी बड़ी बहन ऐश्वर्या सेंगर ने भी एक्स पर लिखा कि हम हारेंगे नहीं, लड़ेंगे।

मनरेगा की कमियों और जी राम जी विधेयक के क्रियान्वयन पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसदीय समिति चिंतित

संसदीय समिति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के साथ इस पर भी विचार किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा बनाए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए छह महीनों में कैसे आगे बढ़ना है। सूत्रों ने बताया कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसद की स्थायी समिति के अधिकतर सदस्य इस बात को लेकर चिंतित थे कि अगले छह महीनों में परिवर्तन कैसे होगा जब सरकार मनरेगा की जगह जी राम जी अधिनियम को लागू करेगी।

उनकी चिंता इस बात को लेकर थी कि इस अवधि के दौरान लाभार्थियों को भुगतान कैसे किया जाएगा और अतिरिक्त बजटीय सहायता की व्यवस्था कैसे की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान किसी भी सदस्य ने जी राम जी अधिनियम का विरोध नहीं किया और उनमें से कई ने चिंता व्यक्त की कि पुराने कानून के तहत कार्य का पंजीकरण कई राज्यों में केवल 50 प्रतिशत के आसपास था। सदस्यों ने कहा कि जी राज जी अधिनियम को लागू करने में छह महीने लगेंगे, क्योंकि नियम बनने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय 79 हजार करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदेगा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना की युद्ध क्षमता को मजबूत करने के लिए 79,000 करोड़ रुपये के लंबी दूरी के रॉकेट, मिसाइल, रडार प्रणाली और अन्य सैन्य उपकरणों की खरीद को सोमवार को मंजूरी प्रदान कर दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी।

- लंबी दूरी के रॉकेट, मिसाइल, रडार प्रणाली और अन्य उपकरणों की खरीद को दी गई मंजूरी

डीएसी ने सेना की तोपखाना रेजिमेंटों के लिए लोइटर म्यूनिशन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दे दी। लोइटर म्यूनिशन ऐसे हवाई अस्त्र होते हैं जो किसी लक्ष्य क्षेत्र के आसपास तब तक मंडराते रहते हैं जब तक कि लक्ष्य का पता न चल जाए, और फिर हमला करते हैं। इसे आत्मघाती ड्रोन या विस्फोटक ड्रोन भी कहा जाता है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के लिए हल्के रडार, पिनाका रॉकेट प्रणाली के लिए लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट सामग्री और एकीकृत ड्रोन पहचान एवं अवरोधन प्रणाली (एमके-2) की खरीद को भी मंजूरी दी गई है।

शीत लहर से कांपा उत्तर भारत, कई राज्यों में हाई अलर्ट

रांची/पंजाब/हरियाणा/हिमाचल, एजेंसी

उत्तर भारत में लगातार पड़ रही ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। इसे देखते हुए कई राज्यों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। साथ ही सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी कर दी गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित केंद्र ने सोमवार को झारखंड के कई हिस्सों में शीत लहर और घने कोहरे की स्थिति को लेकर येलो अलर्ट जारी किया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और रांची में शीत लहर की आशंका है। इन जिलों में मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक भीषण ठंड का प्रकोप जारी रहेगा।

रांची के पास स्थित कांके राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां तापमान 2.5 डिग्री रहा। गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग और कोडरमा सहित छह जिलों में घने कोहरे से 'शीत दिवस' के लिए और गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ सहित अन्य छह जिलों में घने कोहरे के लिए अलर्ट जारी हुआ है। आईएमडी के अनुसार, इन जिलों में दृश्यता 50 से 200 मीटर रह सकता है।

राजस्थान में सर्दी और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

राजस्थान में कई दिनों के बाद सोमवार को छाए कोहरे से आम जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ। बेहद कम दृश्यता से आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 21 के साथ सभी मार्गों पर वाहनों को रेंगते हुए चलना पड़ा, वहीं दिल्ली-मुंबई एवं जयपुर-आगरा रेलमार्ग पर अधिकतर रेलगाड़ियां कई घंटे विलंब से चल रही हैं।

ओडिशा में 13 स्थानों पर पारा 10 डिग्री से नीचे

आईएमडी के अनुसार, ओडिशा में 13 स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। विभाग ने कहा कि नव वर्ष तक न्यूनतम तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। तटीय क्षेत्र के स्थानों पर तापमान 10 डिग्री से ऊपर रहा, वहीं दक्षिणी और पश्चिमी जिले शीत लहर की चपेट में रहे।

पंजाब-हरियाणा में कड़ाके की ठंड, कोहरे से दृश्यता घटी

पंजाब और हरियाणा में भीषण ठंड से कोई राहत नहीं है और सोमवार को दोनों राज्यों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता रही। हरियाणा का हिसार सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 2.1 डिग्री रहा। अंबाला में 2 और करनाल में 8.6, नारनौल में 4, रोहतक में 7.2, भिवानी में 5.5 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। पंजाब के अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, पठानकोट, मोहाली और हरियाणा के अंबाला, हिसार और रोहतक सहित कई इलाकों में घना कोहरा देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार पंजाब और हरियाणा के कई स्थानों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तुर्किये में आईएस के छह आतंकियों को मार गिराया

अंकारा, एजेंसी

- मुठभेड़ में पुलिस के तीन अधिकारियों की भी मौत

तुर्किये के गृह मंत्री ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हिस्से में सोमवार को हुई एक मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट के छह आतंकवादियों और पुलिस के तीन अधिकारियों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में कम से कम पुलिस के आठ अन्य अधिकारी और एक गार्ड घायल भी हो गया।

उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ सोमवार को इस्तांबुल के दक्षिण में स्थित यालोवा प्रांत के इल्माली जिले में उस समय हुई, जब पुलिस ने एक ऐसे घर में छापेमारी की जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। पड़ोसी प्रांत बर्सा से विशेष बलों को अभियान में सहायता के लिए भेजा गया।

गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि यालोवा में चलाया गया अभियान देश भर के 15 प्रांतों में आईएस संदिग्धों के खिलाफ चलाए गए एक साथ सौ से अधिक छापेमारी अभियान का हिस्सा था। येरलिकाया ने कहा कि यालोवा में अभियान 'अत्यंत सावधानी' से चलाया गया क्योंकि जिस घर में आतंकवादी छिपे थे, उसमें महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। उन्होंने बताया कि सभी पांच महिलाओं और छह बच्चों को घर से सुरक्षित निकाल लिया गया। सभी आतंकवादी तुर्किये के नागरिक थे।

श्रीलंका ने चीन से मांगी मदद

कोलंबो। श्रीलंका ने सोमवार को चीन से चक्रवात दित्वा के कारण क्षतिग्रस्त हो गए पुलों और रेलवे पटरियों के पुनर्निर्माण के लिए चीन से तत्काल सहायता की मांग की। नवंबर में चक्रवात के कारण इस द्वीपीय देश में व्यापक बाढ़ आयी, भूस्खलन हुए और बुनियादी ढांचे का गंभीर रूप से विनाश हुआ। देश की आपदा-कार्रवाई क्षमता पर भारी दबाव पड़ा। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिथा हेराथ ने चीनी राजदूत क्वी झेनहोंग से भेंटकर चक्रवात से क्षतिग्रस्त हुए पुलों और रेल पटरियों के पुनर्निर्माण में तत्काल सहायता देने का अनुरोध किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हेराथ ने चीन से इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का भी आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों को पलटा

सोमवार का दिन न्यायपालिका के इतिहास में एक और ऐसे दिन के रूप में दर्ज हुआ, जब देश की सर्वोच्च अदालत ने बेहद महत्वपूर्ण मामले में दिए गए हाईकोर्ट के एक फैसले पर रोक लगा दी। उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा के पूर्व विधायक की सजा निलंबित करने और जमानत पर रिहा करने का यह आदेश पूरे देश में चर्चा में था और दिल्ली में कई दिन से इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। हाईकोर्ट का यह कोई पहला फैसला नहीं था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई और जिसे पलट दिया गया। इतिहास में विभिन्न उच्च न्यायालयों के तमाम ऐसे फैसले दर्ज हैं जिन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक ही नहीं लगाई है बल्कि सख्त टिप्पणियां भी की हैं। देखा जाए तो यही न्यायपालिका पर देश के लोगों का भरोसा बनाए रखने की सर्वोत्कृष्ट प्रक्रिया है।

न्याय पर कायम भरोसा

अपने फैसलों को भी बदला

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई फैसले को बदला जिनमें 1950 का एके गोपालन बनाम मद्रास राज्य के फैसले को मेनका गांधी बनाम भारत संघ (1978) के मामले में पलट दिया गया। पहले मौलिक अधिकारों को अलग-अलग माना गया था बाद में बाद में कहा गया कि अनुच्छेद 14, 19 और 21 आपस में जुड़े हैं ।एडीएम जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला (1976) के मामले में दिए गए फैसले को 2017 के केएस . पुट्टस्वामी वाद में पलट दिया गया। पहले आपातकाल में जीवन व स्वतंत्रता निलंबित मानी गई जिसे सुप्रीम कोर्ट ने निजता के अधिकार को मौलिक मानते हुए उक्त फैसले को गलत बताया।

पांच बड़े फैसले जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

- **सबरीमला मंदिर मामला :** 1991 को केरल हाईकोर्ट को यह मामला 2018 में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुआ। हाईकोर्ट ने 10-50 वर्ष की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध को सही माना था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को पलटते हुए कहा कि महिलाओं का प्रवेश संवैधानिक अधिकार है ।कहा कि धार्मिक परंपराएं मौलिक अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकतीं।
- **नाज फाउंडेशन केस :** दिल्ली हाईकोर्ट 2009 में यह मामला पेश हुआ जिस पर 2013 और 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में समलैंगिक संबंधों को अपराध से बाहर किया था। 2013 में पेश इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को पलट दिया जबकि 2018 में दुबारा पेश इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यौनिक अल्पसंख्यकों की गरिमा व निजता का अधिकार मानते हुए समलैंगिक संबंधों को अपराध से बाहर माना।
- **राम जन्मभूमि-बाबरी मामला :** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2010 में विवादित भूमि को तीन भागों में बांटने का आदेश दिया था। जिसके बाद मामला 2019 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए भूमि के बंटवारे को असंवैधानिक बताया।
- **सहारा-सेबी मामला :** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2011 में दाखिल इस मामले में सहारा की दलीलों को स्वीकार किया। सुप्रीम कोर्ट 2012 में हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि सेबी की शक्तियों की व्यापक मान्यता है और सहारा को निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश पारित किया।
- **जेसिका लाल मर्डर केस :** दिल्ली हाईकोर्ट ने 2006 में इस केस के आरोपी को बरी कर दिया था। 2010 में सुप्रीम कोर्ट अपीली हुई तो कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर सजा संभव।

वर्ल्ड ब्रीफ

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइलों का परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। रविवार को किया गया यह परीक्षण अगले साल की शुरुआत में होने वाले सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के अधिवेशन से पहले उत्तर कोरिया का नवीनतम शक्ति प्रदर्शन है। पांच साल में एक बार होने वाले इस सम्मेलन पर दुनिया की नजरें टिकी हैं, जहां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर नई प्राथमिकताओं को स्पष्ट कर सकते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने रविवार को पश्चिमी तट से किए गए इन परीक्षणों पर संतोष व्यक्त किया।

रहमान ने दाखिल किया नामांकन पत्र

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने आगामी चुनाव के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डेली स्टार की खबर के अनुसार, नामांकन पत्र सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे सेगुनबगीचा स्थित ढाका संभागीय आयुक्त कार्यालय में दाखिल किए गए। बीएनपी अध्यक्ष के सलाहकार अब्दस सलाम ने डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर डॉ. फरहाद हलीम डोनर के साथ रहमान की ओर से नामांकन प्रस्तुत किया।

सिंगापुर में हिंदुओं को अनुष्ठान की सुविधा

सिंगापुर। सिंगापुर के हिंदू समुदाय के सदस्यों के लिए मृत्यु के बाद के अनुष्ठानों के लिए सोमवार को चांगी बीच पर एक नई सुविधा शुरू की गई। पांच साल पहले घोषित किया गया कर्मा कारिया निलयम (चार निजी हॉल वाली एक मंजिला इमारत) सिंगापुर के पूर्वी समुद्र तट पर स्थित है। सरकार के स्वामित्व वाले हिंदू धर्मस्व बोर्ड (एचईबी) ने कहा कि परिवार अंतिम संस्कार के 13वें या 16वें दिन अपने दिवंगत प्रियजनों के लिए समुद्र तट पर अनुष्ठान करने के लिए सुविधा केंद्र में 50 सिंगापुर डॉलर शुल्क देकर निजी हॉल ऑनलाइन बुक कर सकते हैं।

कैलिफोर्निया में 5.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग। कैलिफोर्निया के सुसानविले से 15 किमी उत्तर-उत्तर पश्चिम में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 0041 बजे 5 .0 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने दी। भूकंप का केंद्र 5 .4 किलोमीटर की गहराई में 40 .54 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120 .69 डिग्री पश्चिम में था।

शांति समझौते को यूक्रेन से वार्ता में प्रगति, कुछ जटिल मुद्दे अभी बाकी

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच वार्ता में 20 सूत्रीय योजना के अधिकांश मुद्दों पर सहमति

- युद्ध की समाप्ति को अगले सप्ताह यूक्रेन में मिलेंगे दोनों देशों के दल

फ्लोरिडा, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद कहा कि फ्लोरिडा वार्ता के दौरान यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में प्रगति हुई है, दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब पहुंच गए हैं लेकिन एक या दो बहुत जटिल मुद्दों को सुलझाना अभी भी बाकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुख्य सवाल टकराव वाले क्षेत्रों (जमीन) को लेकर था। रूस ने पहले मांग की है कि यूक्रेन उसे और अधिक जमीन सौंप दे। जेलेंस्की ने फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में पत्रकारों से कहा कि वे 20 सूत्रीय शांति योजना के 90 प्रतिशत हिस्से पर समझौते पर पहुंच गए हैं, वहीं ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी का काम लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो गया है।

जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन के दल चार साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्धेश्य से बातचीत करने के लिए अगले सप्ताह यूक्रेन में मिलेंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बाद में टेलीग्राम एप पर एक बयान में कहा, हमने सभी मुद्दों पर सार्थक बातचीत की और हम पिछले हफ्तों में यूक्रेनी और अमेरिकी दलों द्वारा की गई प्रगति को बहुत महत्व देते हैं। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू किया था, और रूस ने इस समय यूक्रेनी क्षेत्र के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया है। ट्रंप ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र, जिस पर रूस का काफी हद तक नियंत्रण है, उसे विसैन्यीकृत क्षेत्र में बदलने का प्रस्ताव अनसुलझा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि उस जमीन का कुछ हिस्सा ले लिया गया है। उस जमीन का कुछ हिस्सा शायद हासिल किया जा सकता है, लेकिन इस पर अगले कुछ महीनों की अवधि में कब्जा भी किया जा सकता है।

रूस ने इस समय डोनेत्स्क क्षेत्र के लगभग 75 प्रतिशत और पड़ोसी लुहान्स्क के लगभग 99 प्रतिशत हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया है। इन क्षेत्रों को सामूहिक रूप से डोनबास के रूप में जाना जाता है। रूस चाहता है कि यूक्रेन डोनबास के उस छोटे से हिस्से से पीछे हट जाए जो अभी उसके कब्जे में है, जबकि यूक्रेन ने जोर देकर कहा है कि यह क्षेत्र एक मुक्त आर्थिक क्षेत्र बन सकता है जिसकी निगरानी यूक्रेनी बल करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने खोए हुए यूक्रेनी क्षेत्रों पर बार-बार अपना रुख बदला है। उन्होंने सितंबर में यह सुझाव देकर पर्यवेक्षकों को चौंका दिया था कि यूक्रेन इसे वापस लेने में सक्षम हो सकता है। बाद में उन्होंने अपना रुख बदल लिया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत ही कठिन मुद्दा है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते की वार्ता के बाद हाथ मिलाते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के उनके समकक्ष ब्लादिमिर जेलेंस्की।

संरा को दो अरब डॉलर की मदद देगा अमेरिका

जिनेवा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से अमेरिकी विदेशी सहायता में कटौती करने और नई आर्थिक परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को ढलने, खुद को सीमित करने की चेतावनी दिए जाने के बीच सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता कार्यक्रमों के लिए दो अरब डॉलर देने की घोषणा की गई।

जनवरी में व्हाइट हाउस में यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक संभावित

जेलेंस्की ने सुझाव दिया कि अमेरिकी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों द्वारा आगे की बातचीत की योजना को अंतिम रूप देने के दौरान यूक्रेनी अधिकारी जनवरी में व्हाइट हाउस में संभावित रूप से यूरोपीय नेताओं के साथ मिल सकते हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने फ्लोरिडा वार्ता में अच्छी प्रगति का स्वागत किया और यूक्रेन को पहले दिन से ही पक्की सुरक्षा गारंटी मिलने की आवश्यकता पर बल दिया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी सुरक्षा गारंटी पर चर्चा करने के लिए अगले महीने पेरिस में मिलेंगे। मैक्रों ने ज़ेलेंस्की और ट्रंप के साथ बात करने के बाद एक्स पर कहा कि हम प्रत्येक के ठोस योगदान को अंतिम रूप देने के लिए जनवरी की शुरुआत में पेरिस में कोलिशन ऑफ द विलिंग के देशों को एक साथ लाएंगे।

इंडोनेशिया में वृद्ध आश्रम में आग से 16 बुजुर्गों की मौत

मनाडो। इंडोनेशिया के एक वृद्धाश्रम में रविवार शाम को आग लगने से 16 बुजुर्गों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत के मनाडो में स्थित इस एक मंजिला इमारत में आग उस समय लगी, जब वहां रहने वाले लोग सो रहे थे। उत्तरी सुलावेसी पुलिस के प्रवक्ता आलमस्याह हसीबुआन ने कहाकि जमीनी स्तर पर काम कर रही टीम ने पुष्टि की है कि मरने वालों की संख्या वर्तमान में 16 है। इनमें से 15 लोग जिंदा जल गए, एक पीड़ित का शव मिला है।

- भीषण आग में 15 लोग जिंदा जले, एक पीड़ित का शव मिला

हसीबुआन ने बताया कि घटना में 15 लोग सुरक्षित बच गए हैं, जो मनाडो के दो अस्पतालों उपचाराधीन हैं। अधिकारियों के अनुसार, शवों को पहचान के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जहां परिजनों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय निवासियों द्वारा आपातकालीन सेवाओं को सूचना दिए जाने के बाद, दमकल के छह वाहनों को आग बुझाने में दो घंटे से अधिक का समय लगा। प्रारंभिक पुलिस रिपोर्ट में आग का कारण बिजली से संबंधित गड़बड़ी को बताया गया था, लेकिन अधिकारियों ने बाद में कहा कि आग लगने के कारणों की अभी जांच की जा रही है।

जापान से तनाव के बीच चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य में शुरू किया सैन्य अभ्यास

बीजिंग, एजेंसी

- चीन ताइवान पर अधिकार जताता है, जापान का विरोध

ताइवान ने की सैन्य अभ्यास की निंदा

ताइपे। ताइवान ने सोमवार को द्वीप के आसपास चीन द्वारा किए जा रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास की निंदा की और कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय नियमों की अवहेलना तथा पड़ोसी देशों को धमकाने की कार्रवाई है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि जवाबी अभ्यास किया जा रहा है और द्वीप की रक्षा के लिए सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं। मंत्रालय ने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लक्षित सैन्य अभ्यासों से यह और पुष्ट होता है कि वह एक आक्रामक देश है और शांति का सबसे बड़ा दुश्मन है। सोमवार के अभ्यासों ने दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा दिया। ताइवान ने कहा कि संबंधित चीनी अभियान ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता एवं सुरक्षा को कमजोर कर रहा है।

जापान के साथ बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच चीन की सेना ने ताइवान जलडमरूमध्य के मध्य क्षेत्रों में नए युद्धाभ्यास सोमवार को शुरू कर दिए हैं। चीन ताइवान पर अपना अधिकार जताता है और इसको लेकर चीन तथा जापान के बीच तनाव है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ में कहा गया है कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की पूर्वी थिएटर कमान सोमवार को ताइवान जलडमरूमध्य के मध्य क्षेत्रों में जल और हवाई क्षेत्र में अभ्यास करने के लिए लड़ाकू विमानों, बमवर्षकों और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के साथ समन्वय कर रही है।

सरकारी समाचार एजेंसी में कहा गया है कि इन युद्धाभ्यासों का मकसद जमीनी लक्ष्यों को निशाना बनाने और प्रमुख लक्ष्यों पर सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना है। चीन, ताइवान को अपनी मुख्यभूमि का हिस्सा मानता है और इसे अपने साथ मिलाने की कोशिशें करता है, हालांकि ताइवान खुद को स्वतंत्र रूप से शासित मानता है। इन युद्धाभ्यासों में लड़ाकू विमान, लंबी दूरी के रॉकेट और यूएवी का उपयोग किया जाएगा। यह युद्धाभ्यास ऐसे समय में हो रहे हैं जब अमेरिका ने ताइपे को रिकॉर्ड 11.1 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मंजूर किया है, जिसकी चीन ने कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही ताइवान को लेकर जापान के साथ भी कूटनीतिक तनाव बढ़ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान के लिए 11.1 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दे दी है, जिसे अगर अमेरिकी कांग्रेस द्वारा मंजूरी मिल जाती है, तो यह द्वीप को वाशिंगटन की अब तक की सबसे बड़ी हथियार बिक्री होगी।

सिंगापुर में 14 को होगी गायक जुबिन मामले में सुनवाई

सिंगापुर। लोकप्रिय भारतीय गायक-गीतकार जुबिन गर्ग की मौत मामले की कोरोनर जांच 14 जनवरी को सिंगापुर में होगी। अदालत के रिकॉर्ड में यह जानकारी दी गई। कोरोनर जांच एक तथ्य-खोज प्रक्रिया है जिसका नेतृत्व एक न्यायिक अधिकारी कोरोनर द्वारा किया जाता है ताकि यह स्थापित किया जा सके कि किसी व्यक्ति की मौत कैसे, कब और कहां हुई। सुनवाई स्टेट कोर्ट्स में होगी। इससे पहले पुलिस ने कहा था कि उनके निष्कर्ष जांच के लिए स्टेट कोरोनर एडम नखोदा को सौंपे जाएंगे।

मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरी, 13 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

- इंटरओशनिक ट्रेन हादसे में 98 यात्री घायल

प्रशांत महासागर को मेक्सिको की खाड़ी से जोड़ने वाली रेल लाइन पर रविवार को एक ट्रेन के पटरी से उतर जाने से 13 लोगों की मौत हो गई और 98 घायल हो गए। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम ने यह जानकारी दी।

ओआक्साका और वेराक्रूज राज्यों को जोड़ने वाली इंटरओशनिक ट्रेन निजांडा कस्बे के पास एक मोड़ से गुजरते समय पटरी से उतर गई। इस हादसे के बाद रेल लाइन पर यातायात ठप हो गया। शिनबॉम ने एक्स पर लिखा कि मेक्सिको की नौसेना ने मुझे सूचित किया है कि इंटरओशनिक ट्रेन हादसे में दुर्भाग्य से 13 लोग मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि 98 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने नौसेना सचिव और गृह मंत्रालय में मानवाधिकार मामलों के उपसचिव को घटनास्थल पर जाकर प्रभावित परिवारों की मदद का निर्देश दिया है। ट्रेन में 250 लोग सवार थे।

दो हेलीकॉप्टर हवा में टकराए, एक पायलट की मौत

हैमोंटन। अमेरिका के न्यू जर्सी में रविवार को हवा में दो हेलीकॉप्टर (चॉपर) के आपस में टकराने से एक पायलट की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हैमोंटन पुलिस प्रमुख केविन फ्रियल ने बताया कि बचाव दल को पूर्वाह्न करीब 11:25 बजे विमान दुर्घटना की सूचना मिली। संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, हैमोंटन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट के ऊपर एनस्ट्रोम एफ-28ए और एनस्ट्रोम 280सी हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए।

सीजेआई बन महिला से 3.71 करोड़ ठगे

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई पुलिस ने एक साइबर ठग को किया गिरफ्तार

मुंबई की एक बुजुर्ग महिला से साइबर ठगों ने कथित तौर पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ और अन्य अधिकारी बनकर 3.71 करोड़ रुपये ठग लिए। इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि महिला (68) को धन शोधन के मामले में डिजिटल अरेस्ट किए जाने के बाद उससे ठगी की गई रकम का बड़ा हिस्सा उस व्यक्ति ने अपने बैंक खाते में जमा करवाया था। यह घटना 18 अगस्त से 13 अक्टूबर के बीच हुई। अधिकारी ने बताया कि 18 अगस्त को महिला से एक व्यक्ति ने फोन में दावा किया कि वह कोलाबा थाने से बात कर रहा है और महिला के बैंक खाते का इस्तेमाल धन शोधन के लिए किया जा रहा है। उसने सीबीआई को जांच सौंपे जाने का दावा करते हुए उसके बैंक विवरण मांगे। आरोपी ने अधिकारी बनकर पीड़िता से उसके जीवन पर दो-तीन पन्नों का निबंध भी लिखवाया। इसके बाद उसने महिला से कहा कि वह उसके निर्दोष होने की बात से सहमत है और यह सुनिश्चित करेगा कि उसे जमानत मिल जाए।

इसके बाद साइबर अपराधियों ने उसे वीडियो कॉल के माध्यम से अदालत कक्ष में एक ऐसे व्यक्ति के सामने पेश किया जिसने खुद को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ बताया। उससे उसके निवेश के सत्यापन के लिए ब्यौरा मांगा गया और इसके बाद पीड़िता ने दो महीने की अवधि में कई बैंक खातों में 3.75 करोड़ रुपये अंतरित कर दिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 07 .50 तक तत्पश्चात एकादशी 31 दिसंबर 05 .00 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

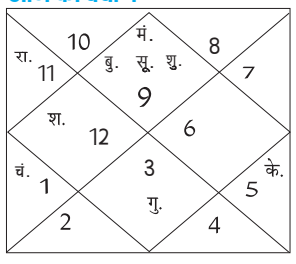

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 31 दिसंबर 03 .58 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष — आज जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। धर्म-कर्म में आप काफी सक्रिय हो सकते हैं। आर्थिक उलझनों का निवारण हो सकता है। आपकी इच्छाओं के पूरा होने के योग बन रहे हैं। मित्र आपकी सहायता करने का प्रयास करेंगे।

वृष — आज दिन की शुरुआत कुछ नकारात्मक रहेगी। मन में अप्राकृतिक और अव्यवहारिक विचारों का जमावड़ा लगा रहेगा। पिता से झगड़ा हो सकता है। किसी महत्वपूर्ण काम में हाथ न डालें। प्रेम संबंधों को लेकर भावुक हो सकते हैं।

मिथुन — आज मार्केटिंग से जुड़े कारोबार में उत्तम प्रगति होगी। प्रेम संबंध को वैवाहिक स्वरूप भी दे सकते हैं। आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। अपने परिजन व दोस्तों के साथ समय बिताएं। विद्यार्थियों को किसी उपलब्धि के लिए सम्मान मिल सकता है।

कर्क — आज आप अपने परिजनों के साथ समय बिताना काफी पसंद करेंगे। यात्रा काफी शुभ व मंगलमय रहने वाली है। आपके व्यवहार व सिद्धांतों से कई लोग प्रभावित रहने वाले हैं। होटल कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी।

सिंह — आज दिन की शुरुआत बहुत अच्छी रहेगी। उच्च शिक्षा में बड़ा शानदार प्रदर्शन करेंगे। दोपहर के बाद काम तेजी से गति पकड़ेंगे। धर्म-कर्म में आप रुचि ले सकते हैं। सेहत में आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी।

कन्या — आज किसी से व्यर्थ में न उलझे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। अपना चरित्र अच्छा रखें। विवाह सुख में कुछ न्यूनता रहेगी। आकस्मिक धन हानि होने के योग बन रहे हैं। व्यस्तता के बावजूद अपने काम पर ध्यान दें।

तुला — आज करियर में आपको बड़े मौके मिल सकते हैं। व्यवसाय में बड़ा लाभ व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दांपत्य सुख का भरपूर आनंद लेंगे। आप काफी रोमांटिक मूड में रहने वाले हैं। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बिताएंगे।

वृश्चिक — आज आलस्य के कारण महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं। ननिहाल पक्ष में किसी परिजन का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आप प्रतिस्पर्धियों के सामने बचाव के मूड में रहेंगे। आप कुछ प्रभावशाली लोगों के व्यक्तित्व और उनकी सफलता से काफी प्रेरित रहेंगे।

धनु — आज महत्वपूर्ण व्यापारिक संबंध बन सकते हैं। प्रेमी जन के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का व्यवहार आपको दुखी कर सकता है। पिता के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। संतान की उन्नति से आपको प्रसन्नता होगी।

मकर — आज यात्राओं के लिए दिन शुभ नहीं है। निजी संबंधों में कुछ न्यूनता महसूस होगी। अपनी जीवनशैली पर ध्यान अवश्य दें। आप थोड़े अव्यवहारिक हो सकते हैं। स्वादिष्ट भोजन व मंहगे उत्पादों का प्रयोग आपको मानसिक संतोष की अनुभूति कराएगा।

कुंभ — आज आप अपने कुशल वाक् चातुर्य से महत्वपूर्ण परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर लेंगे। किसी उत्सव में सम्मिलित होने का निमंत्रण मिल सकता है। अधिकारियों के साथ वेतन बढ़ाने को लेकर चर्चा कर सकते हैं। रोगों से छुटकारा मिलेगा।

मीन — आज जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश न करें। अधिकारी वर्ग आपके काम में कमी निकाल सकते हैं। आपको स्वास्थ्य में काफी ध्यान देना चाहिए। आय के स्रोतों में कमी या सकती है। अनुपयोगी गतिविधियों में अपना समय बर्बाद न करें।

सुडोकू-17

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

4	6					5		2
			8				1	
	9	2			7		3	
2	4			5		7	9	
		9				8		
	7	3		1			5	4
	5		6			2	8	
	2				3			
6		1					4	9

सुडोकू - 16 का हल

5	2	7	8	9	6	1	4	3
3	1	8	4	5	7	2	6	9
6	9	4	1	3	2	8	7	5
9	3	5	6	2	4	7	8	1
8	4	1	3	7	9	5	2	6
7	6	2	5	1	8	3	9	4
2	8	3	9	6	1	4	5	7
4	5	6	7	8	3	9	1	2
1	7	9	2	4	5	6	3	8

बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और बेहतर प्रशिक्षण के जरिए यहां से भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। राज्य में आधारभूत संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से खिलाड़ी वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं।
-साइना नेहवाल

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चौथे एशेज टेस्ट की पिच को आईसीसी ने 'असंतोषजनक' कहा

दुबई। आईसीसी ने मेलबर्न में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए चौथे एशेज टेस्ट की पिच को सोमवार को असंतोषजनक करार दिया और एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक भी लगा दिया। मैच रैफरी जैफ क्रो ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा था कि पिच गेंदबाजों की जरूरत से ज्यादा मदद कर रही थी। चौथे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरे । इंग्लैंड ने दो दिन के भीतर टेस्ट जीत लिया था। आईसीसी ने एक बयान में कहा चौथे एशेज टेस्ट के लिये मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच असंतोषजनक थी जिसके लिये आईसीसी पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक लगाया गया है। छह डिमेरिट अंक होने पर मैदान पर एक साल तक का प्रतिबंध लग सकता है।

आईजी इनडोर स्टेडियम में होगा इंडिया ओपन

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन केडी जाधव इनडोर हॉल की जगह इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 13 से 18 जनवरी तक होगा। भारत को अगले साल अगस्त में प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करनी है और ऐसे में नौ लाख 50 हजार डॉलर इनामी इंडिया ओपन इस वैश्विक टूर्नामेंट के परीक्षण स्थल के रूप में काम करेगा। नए स्थल में आठ हजार से अधिक दर्शकों के बैठने की क्षमता है जो पिछले स्थल की तुलना में दोगुने से अधिक है। इंडिया ओपन के टिकट ऑनलाइन 'टिकमिंट' पर उपलब्ध होंगे जिनकी कीमत 400 रुपये से शुरू होकर 1750 रुपये तक होगी। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के तत्वावधन में भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित इस सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान एक बार फिर भारतीय सरजमीं पर दुनिया भर के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी चुनौती पेश करते हुए नजर आएंगे।

ध्रुव जुरेल का ताबड़तोड नाबाद शतक यूपी ने बड़ौदा को 54 रनों से हराया

विजय हजारे ट्रॉफी : ग्रुप बी के मुकाबले में कप्तान रिंकू सिंह ने भी 63 रन जड़े

राजकोट, एजेंसी

युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल (नाबाद 160) की आक्रामक नाबाद शतकीय पारी के बूते उत्तर प्रदेश ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां बड़ौदा को 54 रन से शिकस्त दी। जुरेल ने 101 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और आठ छक्कों के साथ भारत की टी20 विश्व कप टीम में चयन न होने की निराशा को कम किया। उन्हें रिंकू सिंह (67 गेंद में 63) और प्रशांत वीर (23 गेंद में 35) का अच्छा साथ मिला।

उत्तर प्रदेश ने सात विकेट पर 369 रन बनाने के बाद बड़ौदा की पारी को आखिरी गेंद पर 315 रन पर समेट दिया। इस जीत से टीम तीन मैचों में 12 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी जबकि जम्मू कश्मीर, विदर्भ, बड़ौदा और बंगाल की टीमों के नाम आठ-आठ अंक हैं। सलामी बल्लेबाज और पिछले मैच के शतकवीर आर्यन जुयाल (26) के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए जुरेल ने रिंकू के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की।

19वें ओवर में 92 रन पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद क्रीज पर आये रिंकू ने इस दौरान काफी सजगता के साथ बल्लेबाजी की। जुरेल ने निचले क्रम के बल्लेबाज प्रशांत के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी कर उत्तर प्रदेश को बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। युवा तेज गेंदबाज राज लिंबानी ने 74 रन देकर चार विकेट लिये जबकि रासिख डार ने अपने 10 ओवर में 102 रन लुटाये। सलामी बल्लेबाज शाश्वत रावत (60) और शिवालिक शर्मा (30) ने बड़ौदा को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन जितेश शर्मा और प्रियांशु मौलिया के जल्दी आउट होने से उनकी रफ्तार धीमी पड़ गई। जिशान अंसारी (53 रन पर तीन विकेट), समीर रिजवी (2/43) और विपराज निगम (67 रन पर दो विकेट) की स्पिन गेंदबाजों की तिकड़ी ने आपस में सात विकेट साझा कर बड़ौदा पर शिकंजा कसे रखा।

कृणाल पंड्या (77 गेंदों पर 82 रन) ने क्रीज पर रहते हुए कुछ उम्मीद जगाए रखी लेकिन 43वें ओवर में उनके आउट होने से बड़ौदा की हार तय हो गई।

ध्रुव जुरेल।

160* रन 101 गेंद 15 चौके 08 छक्के

बंगाल ने चंडीगढ़ को छह विकेट से हराया

ग्रुप के अन्य मैच में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 69 रन पर तीन विकेट जबकि मुकेश कुमार ने 59 रन पर पांच विकेट लिये जिससे बंगाल ने चंडीगढ़ को 14 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया। मनन वोहरा की 122 रन की पारी के बावजूद चंडीगढ़ की टीम 48 .2 ओवर में 319 रन पर आउट हो गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक पोरेल ने 84 गेंद में 106 रन की पारी से बंगाल पर दबाव हावी नहीं होने दिया। विदर्भ ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 312 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की। अमन मोखाडे (125 गेंदों पर 139 रन) और मध्यक्रम के बल्लेबाज रविकुमार समर्थ (108 गेंदों पर 114 रन) की शतकीय पारियों ने टीम का काम आसान कर दिया।

शार्दुल की गेंदबाजी से मुंबई ने छत्तीसगढ़ को रौंदा

जयपुर : कप्तान शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां छत्तीसगढ़ को नौ विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शार्दुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया। कप्तान अमनदीप खरे (63) और अजय मंडल (46) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी के बावजूद छत्तीसगढ़ की टीम शुरुआती झटकों से कभी नहीं उबर सकी। टीम 38 .1 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई। शार्दुल ने खेल के शुरुआती आधे घंटे में छत्तीसगढ़ के खिलाफ कहर बरपाया तो वहीं वामहस्त स्पिनर शम्स मुलानी ने आखिरी छह में से पांच विकेट झटक कर छत्तीसगढ़ की पारी को सस्ते में समेटने में योगदान दिया। मुलानी ने 31 रन देकर पांच विकेट लिये जिससे छत्तीसगढ़ ने अंतिम छह विकेट 27 रन के अंदर गंवा दिये। अंगकृष रघुवंशी (66 गेंदों पर 68 नाबाद) और अनुभवी सिद्धेश लाड (42 गेंदों पर 48 नाबाद) ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की अटूट साझेदारी कर महज 24 ओवरों में ही मुंबई को नौ विकेट से एकतरफा जीत दिला दी।

दिल्ली ने सौराष्ट्र को तीन विकेट से हराया

बेंगलुरु : सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य और तेजस्वी दहिया के आक्रामक अर्धशतकों से दिल्ली ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप डी मैच में सौराष्ट्र को तीन विकेट से हरा दिया। विराट कोहली की गैरमौजूदगी में खेल रही दिल्ली की टीम ने 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश (78 रन, 45 गेंद) और तेजस्वी (53 रन, 51 गेंद) की पारियों की बदौलत 48 .5 ओवर में सात विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सौराष्ट्र ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज विश्वराजसिंह जडेजा की 104 गेंद में 115 रन की पारी और रुचित अहीर 65 गेंद में 95 रन की पारी बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 320 रन बनाए। कोहली ने पहले दो मैच में शतक और अर्धशतक जड़कर दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में छह जनवरी को रेलवे के खिलाफ मैच में भी खेलेंगे। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत हालांकि प्रभावित करने में नाकाम रहे और 26 गेंद में 22 रन बनाकर चिराग जानी की गेंद पर जय गोहिल को कैच दे बैठे। प्रियांश ने चेतन सकारिया की गेंद पर आउट होने से पहले आयुष दोसेजा के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी भी की। दिल्ली ने 13 .2 ओवर में 115 रन पर दो विकेट गंवा दिया थे लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद रन गति को बनाए रखा। तेजस्वी ने पंत के साथ पांचवें विकेट के लिए 48 और हर्ष त्यागी के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की उपयोगी साझेदारियां की। त्यागी (45 गेंद) व नवदीप सैनी (नाबाद 34) ने साझेदारी कर दिल्ली के लिए चार अंक सुनिश्चित किए।

कोच अमोल मजूमदार व कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

भारतीय महिला टीम की नजरें क्लीन स्वीप पर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- सांत्वना जीत हासिल करना चाहेगा श्रीलंका

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज करके पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेगी। यह शृंखला अगले साल जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

समय शाम 7 :00 बजे से

श्रीलंका के खिलाफ वर्तमान शृंखला के बाद भारतीय टीम विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में तीन-तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम 2024 में टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी, लेकिन इसके बाद उसने अपनी शैली में बदलाव किया और अधिक आक्रामकता अपनाई जिससे उसे अनुकूल परिणाम मिले।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा यह शृंखला हम सभी के लिए शानदार रही। पिछले विश्व कप के बाद हमने इसी बात पर चर्चा की थी कि हमें अपने स्तर को ऊपर उठाना होगा और टी20 में अधिक आक्रामक होकर खेलना होगा। शुरुआती तीन मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे बल्लेबाजों को बहुत कम मेहनत करनी पड़ी। इन मैच में हालांकि आक्रामक अंदाज में खेलने वाली शेफाली वर्मा ने प्रभावित किया है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय उसकी फील्डिंग है। वह अभी तक इस विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। पिछले मैच में भी उसने दो कैच छोड़े और स्टंपिंग का एक मौका गंवाया। भारतीय टीम के लिए इस शृंखला में कई सकारात्मक पहलू भी रहे। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने एक साल के अंतराल के बाद इस प्रारूप में सफल वापसी की, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाली दीप्ति शर्मा लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

वनडे सीरीज में पंड्या व बुमराह को दिया जा सकता है आराम

नई दिल्ली, एजेंसी

आगामी टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों के लिए आराम दिया जा सकता है।

टी-20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैच नागपुर (21 जनवरी), रायपुर (23 जनवरी), गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और तिरुवनंतपुरम (31 जनवरी) में होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में वापसी करेंगे। इनसे पहले होने वाले तीन एकदिवसीय मैच 11 जनवरी (बड़ौदा), 14 जनवरी (राजकोट) और 18 जनवरी (इंदौर) को होंगे। इनमें बुमराह और पंड्या को शामिल किए जाने की संभावना कम है। एकदिवसीय टीम की घोषणा 4-5 जनवरी के आसपास होने की उम्मीद है। ऐसा समझा जा रहा है कि टीम प्रबंधन ने फैसला किया है कि टी-20 विश्व कप के लिए अहम इन दो खिलाड़ियों को एकदिवसीय टीम से बाहर रखा जाएगा।

हार्दिक पंड्या, जो सिर्फ सफेद गेंद क्रिकेट खेलते हैं, फिटनेस की दिक्कतों के कारण मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से कोई वनडे नहीं खेले हैं। जसप्रीत बुमराह, जिनके वर्कलोड पर टीम में उनकी अहमियत को देखते हुए करीब से नजर रखी जा रही है, 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से वह किसी वनडे में नहीं खेले हैं। उम्मीद है कि पंड्या चल रहे विजय हजारे गेम्स में बड़ौदा के लिए खेलेंगे।

संभावना है कि वह घरेलू 50-ओवर के टूर्नामेंट में खेलेंगे ताकि वह बीसीसीआई के घरेलू खेल में अनिवार्य भागीदारी के फरमान का पालन कर सकें। रोहित शर्मा और विराट कोहली की तरह, जिन्होंने पहले दो खेल में मुंबई और दिल्ली के लिए खेला था, पंड्या बड़ौदा के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के आखिरी तीन लीग मैचों में से दो में खेल सकते हैं, जो 3, 6 और 8 जनवरी को राजकोट में होने हैं। इस बीच, दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के एक शीर्ष अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि कोहली, जिन्होंने 24 और 26 दिसंबर को बेंगलुरु में दिल्ली के लिए पहले दो विजय हजारे ट्रॉफी में खेले थे, छह जनवरी को अलूर के मैदान पर रेलवे के खिलाफ खेले जाने वाले लीग मैच के लिए वापस आएंगे।

भूटान के सोनम ने टी-20 में 8 विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भूटान के स्पिनर सोनम येशे पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आठ विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार बाएं हाथ के स्पिनर सोनम येशे ने 26 दिसंबर को भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में म्यांमार के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इस 22 वर्षीय गेंदबाज ने सात रन देकर आठ विकेट लिए जिससे भूटान ने म्यांमार को 45 रन पर आउट कर दिया। इससे पहले भूटान ने नौ विकेट पर 127 रन बनाए थे। भूटान क्रिकेट ने एक्स पर पोस्ट किया एक यादगार स्पेल। सोनम येशे ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करके चार ओवर में सात रन देकर आठ विकेट लिए और इस तरह से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले किसी भी गेंदबाज ने किसी भी तरह के टी20 मैच में आठ विकेट लेने का कारनामा नहीं किया था।

2025

क्रिकेट

टेस्ट क्रिकेट में जूझती रही भारतीय पुरुष टीम

महिला टीम ने जीता वनडे विश्व कप

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ष 2025 में वनडे विश्व कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी हासिल करने के अपने लंबे इंतजार को खत्म किया, लेकिन भारतीय पुरुष टीम टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई जिससे उसकी सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफलता भी फीकी पड़ गई। वर्ष 2025 में वैश्विक टूर्नामेंट में भारत की पुरुष और महिला टीम ने अपना दबदबा बनाया। पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी (वनडे) और एशिया कप (टी20) में जीत हासिल की, जबकि महिला टीम ने पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता। लेकिन पुरुषों के खेल में दक्षिण अफ्रीका के हाथों टेस्ट मैचों में 0-2 से मिली करारी हार ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में लाल गेंद के प्रारूप में भारत की कमियों को उजागर कर दिया।

भारत ने नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र (2025-27) में अपनी यात्रा की नींव नए कप्तान शुभमन गिल और उभरते खिलाड़ियों के एक समूह के साथ रखी थी और अब तक के परिणाम बेहद मिले-जुले रहे हैं। भारत की नए स्वरूप वाली टेस्ट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला 2-2 से ड्रॉ की, जिसमें गिल ने अपने खेल और कप्तानी दोनों से प्रभावित किया। उन्होंने चार शतकों की मदद से 75.40 के औसत से 754 रन बनाए, जो 1936-37 एशेज में डॉन ब्रैडमैन के 810 रन के बाद किसी कप्तान द्वारा सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर है। इसके बाद भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को अपनी घरेलू धरती पर दोनों टेस्ट मैच में हराया। तब लग रहा था कि भारत की युवा टीम ने बिना किसी खास परेशानीके बदलाव का दौर पूरा कर लिया है।

स्टार खिलाड़ियों के साथ अनचाहे परिणाम

जब पूरे साल में शानदार परिणाम देखने को मिले तो एकमात्र गड़बड़ी पर ध्यान केंद्रित करना क्यों महत्वपूर्ण है। इसका जवाब पाने के लिए 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर एक नजर डालना जरूरी है। इस सीरीज में 1-3 से मिली हार के साथ विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का अंत हो गया। यही नहीं स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पिछले साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान संन्यास की घोषणा कर दी थी। इससे भारतीय टीम किसी हद तक कमजोर पड़ गई। रोहित और कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर पूरे साल चर्चा होती रही। इन दोनों ने हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनिवार्यता का सम्मान किया और दिखा दिया कि वह अभी वनडे प्रारूप को अलविदा कहने के मूड में नहीं हैं। एक और दिग्गज टेस्ट खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने भी औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जिससे मध्य क्रम में बड़ा शून्य पैदा हो गया है। भारतीय टीम मध्यक्रम में अब एक मजबूत बल्लेबाज की तलाश के लिए संघर्ष कर रहा है।

सीमित ओवरों के मैच में शानदार प्रदर्शन

भारतीय टीम ने हालांकि सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और फिर बाद में उसी स्थान पर आयोजित किए गए एशिया कप में जीत हासिल करके वनडे और टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अपना दबदबा साबित किया। यदि 2025 के प्रदर्शन को एक मापदंड के रूप में लिया जाए तो भारतीय प्रशंसकों को 2026 में भी कुछ रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगी क्योंकि पुरुष और महिला टीमें टी20 विश्व कप के लिए तैयार हो रही हैं। एक तरह से देखा जाए तो यह साल महिला क्रिकेटरों का रहा। अंडर-19 टीम ने फरवरी में अपना टी20 खिताब बरकरार रखा। भारतीय महिला सीनियर टीम को वैश्विक टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हमेशा संघर्ष करना पड़ा था लेकिन इस साल वनडे विश्व कप में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को हराया। उसने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता।

दृढ़ संकल्प | पुर्तगाल के 40 वर्षीय महान खिलाड़ी के नाम पेशेवर फुटबॉल में दर्ज हैं 956 गोल

रोनाल्डो छूना चाहते हैं 1000 गोलों का आंकड़ा

दुबई, एजेंसी

दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर के अंत तक 1,000 गोल करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के महान खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के पेशेवर फुटबॉल में 956 गोल है। रोनाल्डो को रविवार देर रात दुबई में आयोजित 'ग्लोब सॉकर अवार्ड्स' समारोह में मध्य पूर्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कहा अगर कोई चोट न लगे तो मैं यह आंकड़ा जरूर हासिल कर लूंगा।

रोनाल्डो ने शनिवार को सऊदी प्रो लीग में अल-नसर के लिए दो गोल करके अपने करियर के कुल गोल की संख्या 956 तक पहुंचा दी। उनके गोलों की संख्या में पुर्तगाल के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड 143 गोल भी शामिल हैं। रोनाल्डो अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में पुर्तगाल की कप्तानी करने वाले हैं। इस विश्व कप के शुरू होते समय उनकी उम्र 41 साल हो जायेगी। रीयल मैड्रिड, मैनचेस्टर यूनाइटेड और युवेंटस जैसी बड़ी टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके इस स्ट्राइकर ने कहा मैं अब भी आगे बढ़ने के लिए बहुत प्रेरित हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं (मध्य पूर्व में, यूरोप में या कही और)। मुझे हमेशा फुटबॉल खेलना, ट्रॉफी जीतना, गोल करना पसंद है और मैं इसी तरह आगे बढ़ना चाहता हूं।

उन्होंने कहा आप जानते हैं मेरा लक्ष्य क्या है। मैं और अधिक ट्रॉफी जीतना चाहता हूं और उस संख्या तक पहुंचना चाहता हूं जिसे आप सभी जानते हैं। रोनाल्डो ने अभी तक विश्व कप का खिताब नहीं जीता है। उन्होंने 2016 में पुर्तगाल के साथ यूरोपीय चैंपियनशिप जीती थी।

डेम्बेले बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर

दुबई में आयोजित ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 ने वैश्विक फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ चेहरों को एक मंच पर सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में जहां क्रिस्टियानो रोनाल्डो की निरंतर प्रभावशाली मौजूदगी चर्चा में रही, वहीं रात का सबसे बड़ा पुरस्कार ओस्मान डेम्बेले ने अपने नाम किया। पीएसजी के लिए शानदार और निर्णायक सीजन खेलने वाले ओस्मान डेम्बेले को बेस्ट मेल प्लेयर चुना गया। 40 वर्ष की उम्र में भी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और अवॉर्ड अपने साथ जोड़ा। अल-नस्र के लिए खेलते हुए उन्हें बेस्ट मिडिल ईस्टर्न प्लेयर का सम्मान मिला। मैदान पर प्रदर्शन के साथ उनके व्यावसायिक प्रभाव को भी इस अवॉर्ड में सराहा गया।

पाकिस्तान से बढ़ी तल्खी, नहीं मिलाया हाथ

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद संक्षिप्त सैन्य अभियान के कारण भारत के पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंध और बिगड़ गए। इसका असर क्रिकेट के मैदान पर भी देखने को मिला। बीसीसीआई के निर्देश पर भारतीय क्रिकेटरों ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया। उन्होंने खिताब जीतने पर ट्रॉफी भी स्वीकार नहीं की क्योंकि इसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रदान करना था। नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं। यह ट्रॉफी अभी दुबई में एसीसी मुख्यालय में बंद है क्योंकि नकवी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इसे मीडिया कर्मियों के सामने ही भारत को सौंपेंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 2025 में आईपीएल ट्रॉफी जीतकर अपना 18 साल का इंतजार खत्म किया। उसकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि हालांकि जल्द ही एक त्रासदी में बदल गई क्योंकि फ्रेंचाइजी के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए।